अमित शाह ने कहा- भगोड़ों को वापस लाने को निश्चित प्रणाली जरूरी - 10

वैश्विक बाजारों में तेजी से दूसरे दिन सेंसेक्स 862 अंक और निफ्टी 262 अंक चढ़ा - 10

रूस के मिसाइल और ड्रोन से ताबड़तोड़ हमलों के बाद अंधेरे में डूबा पूरा यूक्रेन - 11

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम पर्थ पहुंची - 12

आज का मौसम 32.0° अधिकतम तापमान 21.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.09 सूर्यास्त 05.39

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

कार्तिक कृष्ण पक्ष एकादशी 11:12 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 17 अक्टूबर 2025, वर्ष 35, अंक 259, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

UP TO ₹5,000 EXTRA CASHBACK#

SBI card

#Min. Trxn.: ₹45,000; Max. Cashback: ₹5,000 per card account; Validity: 17 Oct - 23 Oct 2025. T&C Apply.

४/300, पत्रकारपुरम के पास, विवेक खंड, गोमती नगर, राजीव गांधी वार्ड, जिला लखनऊ, उत्तर प्रदेश - २२६010. संपर्क: +९१ ९०४४१ ८२१६६

मकान नंबर ५९/१बी (१), बिरहाना रोड, कानपुर, उत्तर प्रदेश - २०८००१. संपर्क: +९१ ७३५५९ ०३४९५

टोल फ्री नं: १८०० २३३ ५००५ (सुबह ११ – शाम ७) www.pngjewellers.com I info@pngadgil.com

INDIA I USA

TM
शुद्धता की परिभाषा
सियाराम
SWEETS
Pure Deshi Ghee Preparation
MITHAI UTSAV
।। शुद्ध मिठाइयों का एक नाम सियाराम-सियाराम ।।
अच्छे लोगो की
अच्छी पसंद
आइए इस त्यौहार हम आपको खिलाएंगे
अपनी गौशाला (300 गाय) के शुद्ध दूध से
निर्मित स्वादिष्ट मिठाइयाँ

अमित शाह ने कहा- भगोड़ों को वापस लाने को निश्चित प्रणाली जरूरी
- 10

वैश्विक बाजारों में तेजी से दूसरे दिन सेंसेक्स 862 अंक और निफ्टी 262 अंक चढ़ा
- 10

रूस के मिसाइल और ड्रोन से ताबड़तोड़ हमलों के बाद अंधेरे में डूबा पूरा यूक्रेन
- 11

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम पर्थ पहुंची
- 12

आज का मौसम
32.0⁰ अधिकतम तापमान
21.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.09
सूर्यास्त 05.39

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

कार्तिक कृष्ण पक्ष एकादशी 11:12 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 17 अक्टूबर 2025, वर्ष 35, अंक 259, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

गुजरात में भूपेंद्र सरकार के सभी 16 मंत्रियों का इस्तीफा

- नई कैबिनेट आज लेगी शपथ, नए चेहरों पर फोकस

गांधीनगर, एजेंसी

गुजरात में मंत्रिपरिषद विस्तार से एक दिन पहले गुरुवार को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को छोड़कर सभी 16 मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया। भाजपा सूत्रों ने यह जानकारी दी।

राज्य सरकार ने सुबह ही घोषणा कर दी थी कि पटेल शुक्रवार को अपनी मंत्रिपरिषद का विस्तार करेंगे। भाजपा के एक सूत्र ने कहा कि पार्टी ने सभी 16 मंत्रियों के इस्तीफे ले लिए हैं। मुख्यमंत्री पटेल को छोड़कर सभी मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है।, मंत्रिपरिषद विस्तार शुक्रवार पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे होगा। गुजरात की मौजूदा मंत्रिपरिषद में मुख्यमंत्री पटेल सहित 17 मंत्री हैं। आठ कैबिनेट स्तर के मंत्री हैं जबकि इतने ही राज्य मंत्री (एमओएस) हैं। कुल 182 सदस्यों वाली राज्य विधानसभा में सदन की कुल संख्या का 15 प्रतिशत या 27 मंत्री हो सकते हैं। इस महीने की शुरुआत में गुजरात सरकार में राज्य मंत्री जगदीश विश्वकर्मा, केंद्रीय मंत्री सी आर पाटिल की जगह भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई के नए अध्यक्ष बने थे।

5 लाख की रिश्वत लेते डीआईजी गिरफ्तार

चंडीगढ़। सीबीआई ने गुरुवार को पंजाब के पुलिस उप महानिरीक्षक हरचरण सिंह भुल्लर को भ्रष्टाचार से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों ने बताया कि भुल्लर को उनके मोहाली स्थित कार्यालय से गिरफ्तार किया गया। इस बारे में विस्तृत ब्यौरे की प्रतीक्षा है। 2007 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी भुल्लर डीआईजी (रोपड़ रेंज) के पद पर कार्यरत हैं।

28 लाख कर्मचारियों व पेंशनरों के महंगाई भत्ते में 3% की वृद्धि

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- दीपावली पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बड़ा उपहार
- 55 प्रतिशत से बढ़कर अब 58 प्रतिशत हुआ महंगाई भत्ता

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रकाश पर्व दीपावली के अवसर पर प्रदेश के 28 लाख कर्मचारियों और पेंशनरों को महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) की दरों में वृद्धि का उपहार दिया है।

गुरुवार को लिए गए मुख्यमंत्री के इस निर्णय के अनुसार अब प्रदेश के सभी पात्र 16.35 लाख कर्मचारियों एवं 11.52 लाख पेंशनरों व पारिवारिक पेंशनरों को 01 जुलाई 2025 से 55 प्रतिशत के स्थान पर 58 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता एवं महंगाई राहत का लाभ प्राप्त होगा। बढ़ोतरी की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य सरकार अपने कर्मचारियों और पेंशनरों के हितों के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। महंगाई के प्रभाव से उन्हें राहत पहुंचाना और उनके जीवनस्तर में सुधार करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय प्रदेश के लाखों कर्मचारियों और पेंशनरों के प्रति संवेदना और सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दीपावली का यह उपहार उनके जीवन में नई ऊर्जा, प्रसन्नता और समृद्धि लेकर आएगा।

ऐसे बढ़ेगा सरकार पर व्यय भार

महंगाई भत्ता एवं महंगाई राहत का भुगतान माह अक्टूबर, 2025 से नकद किए जाने की स्थिति में माह नवम्बर, 2025 में क्रमश: 161 करोड़ तथा 84 करोड़ रुपये का व्यय भार आएगा। माह जुलाई से सितम्बर, 2025 तक के महंगाई भत्ता एवं महंगाई राहत के एरियर के भुगतान पर माह नवम्बर, 2025 में क्रमश: 298 करोड़ एवं 252 करोड़ रुपये का अतिरिक्त नकद व्यय भार आयेगा। इस प्रकार माह नवम्बर, 2025 में कुल 795 करोड़ रुपये का अतिरिक्त नकद व्यय भार आएगा। ओपीएस से आच्छादित कार्मिकों के जीपीएफ में 185 करोड़ रुपये जमा होगा, तत्पश्चात् माह दिसम्बर, 2025 से प्रत्येक माह 245 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय भार आएगा।

इस निर्णय का लाभ सभी कर्मचारियों को मिलेगा, जिनमें सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थानों के कर्मचारी, शहरी स्थानीय निकायों के नियमित एवं पूर्णकालिक कर्मचारी, कार्यप्रभारित कर्मचारी तथा यूजीसी वेतनमान के कर्मचारी शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी ने यह भी निर्देश दिए हैं कि बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता एवं राहत का भुगतान माह अक्टूबर 2025 से नकद रूप में किया जाए। व्यापक हित मे लिए गए इस निर्णय से मार्च 2026 तक राज्य सरकार पर 1960 करोड़ रुपये का अतिरिक्त व्यय भार आएगा।

ब्रीफ न्यूज

शिल्पा शेट्टी ने विदेश यात्रा की अनुमति वाली याचिका वापस ली

मुंबई। अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने मुंबई उच्च न्यायालय को बताया कि वह विदेश यात्रा की अनुमति के अनुरोध वाली अपनी याचिका वापस ले रही हैं। शिल्पा और उनके पति राज कुंद्रा 60 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में आरोपी हैं। उन्होंने कहा, भविष्य में जब भी शिल्पा और उनके पति विदेश यात्रा करना चाहेंगे, वे अदालत से अनुमति के लिए नयी याचिका दायर करेंगे। शिकायतकर्ता दीपक कोठारी ने दंपति पर आरोप लगाया था कि 2015 से 2023 के बीच दंपति ने उन्हें (कोठारी) अपनी कंपनी बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड में 60 करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए प्रेरित किया लेकिन इस राशि का उपयोग उन्होंने अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए किया।

अवैध लौह अयस्क निर्यात में ईडी का छापा

नई दिल्ली/बेंगलुरु। ईडी ने कर्नाटक और हरियाणा में कई स्थानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी कर्नाटक के बेलेकेरी बंदरगाह के माध्यम से कथित अवैध लौह अयस्क निर्यात से संबंधित धनशोधन जांच के तहत की गई। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत बेंगलुरू और होसपेट (विजयनगर जिला) के कम से कम 20 परिसरों के अलावा हरियाणा के गुरुग्राम में भी कुछ परिसरों पर छापेमारी की गई।

कई देशों से मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ता जारी: गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत ने कई विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) लागू किए हैं और इस समय अमेरिका, ओमान एवं यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ ऐसे ही समझौतों के लिये सक्रिय वार्ता चल रही है। गोयल ने कहा कि भारत ने पिछले कुछ वर्षों में ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के साथ एफटीए लागू किए हैं। वहीं ब्रिटेन के साथ भी एक व्यापार समझौता हुआ है।

21वीं सदी भारत की, 2047 तक विकसित होने का सपना होगा साकार : प्रधानमंत्री

मोदी बोले- मेक इन इंडिया के तहत ऑपरेशन सिंदूर में घरेलू स्तर पर निर्मित चीजों की ताकत देखी

- आंध्र प्रदेश को 13,000 करोड़ की विकास परियोजनाएं सौंपी

कुरनूल, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि 21वीं सदी 140 करोड़ भारतीयों की है और 2047 तक विकसित भारत का सपना साकार हो जाएगा। उन्होंने कांग्रेस पर बिजली क्षेत्र की उपेक्षा करने का आरोप भी लगाया। भारत के मेक इन इंडिया पारिस्थितिकी तंत्र की तारीफ करते हुए मोदी ने कहा, हमने ऑपरेशन सिंदूर में घरेलू स्तर पर निर्मित उपकरणों की ताकत देखी, जो 22 अप्रैल के पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान व उसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों के खिलाफ चलाया गया सैन्य अभियान था।

प्रधानमंत्री ने आयकर छूट की सीमा 12 लाख रुपये किए जाने और जीएसटी के ढांचे में सुधार जैसे हालिया घटनाक्रमों का जिक्र करते हुए कहा कि नागरिक-केंद्रित विकास राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि लोगों के जीवन को आसान बनाने के लिए लगातार सुधार किए जा रहे हैं। मोदी ने आंध्र प्रदेश के लिए 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास करने के बाद यहां एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, जैसा कि (आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री) चंद्रबाबू नायडू ने कहा है, 2047 में आजादी के शताब्दी वर्ष तक विकसित भारत का सपना साकार हो जाएगा। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि 21वीं सदी भारत की होगी। 21वीं सदी 140 करोड़ भारतीयों की है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया भारत को 21वीं सदी के नए विनिर्माण केंद्र के रूप में देख रही है और इस सफलता का आधार आत्मनिर्भर भारत का दृष्टिकोण है, जबकि आंध्र प्रदेश इसकी सफलता का प्रमुख केंद्र बन रहा है। मोदी ने आरोप लगाया कि 11 साल पहले जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब प्रति व्यक्ति बिजली की औसत खपत 1,000 यूनिट से भी कम थी, लेकिन उस समय देश को ब्लैकआउट जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता था और हमारे गांवों में बिजली के खंभे तक नहीं थे।

आज देश के हर गांव तक बिजली पहुंच चुकी है। प्रति व्यक्ति बिजली की खपत बढ़कर 1,400 यूनिट हो गई है। आंध्र प्रदेश के पास अब मुख्यमंत्री चंद्रबाबू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के रूप में एक दूरदर्शी नेतृत्व है तथा केंद्र सरकार राज्य को पूरा सहयोग दे रही है। कहा कि गूगल के एआई हब निवेश से एक नया अंतर्राष्ट्रीय सब-सी गेटवे विकसित होगा, जिससे कई देशों की समुद्र के नीचे बिछाई गई केबल प्रणालियां जुड़ी होंगी और ये पूर्वी तट पर विशाखापत्तनम तक आएंगी।

कुरनूल में विकास कार्यों के उद्घाटन और शिलान्यास समारोह में उपस्थित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ● एजेंसी

आंध्र प्रदेश में निर्मित रक्षा उपकरण भारत के रक्षा निर्यात को देंगे बढ़ावा

प्रधानमंत्री ने कहा, आंध्र प्रदेश में निर्मित रक्षा उपकरण भारत के रक्षा निर्यात को बढ़ावा देंगे। हमने ऑपरेशन सिंदूर में भारत में निर्मित उपकरणों की ताकत देखी है। इससे पहले, मोदी ने राज्य के विभिन्न हिस्सों के लिए विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं उद्योग, बिजली, सड़क, रेलवे, रक्षा विनिर्माण और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस जैसे प्रमुख क्षेत्रों से जुड़ी हुई हैं।

बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के 2 दोषियों को फांसी की सजा

संवाददाता, लखनऊ

- आगरा का मामला, 18 महीने बाद आया पॉक्सो कोर्ट का फैसला

आगरा में पॉक्सो कोर्ट ने 18 महीने की सुनवाई में ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने पांच साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के 2 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है। इस मामले में 18 गवाहों की गवाही हुई। इसके बाद कोर्ट ने अपराध को जघन्य और घृणित मानते हुए दोनों आरोपियों को दंड दिया है।

जानकारी के अनुसार बाह थाना क्षेत्र में रिश्ते के चाचा ने अपने साथी के साथ मिलकर घर के बाहर खेल रही पांच वर्षीय बच्ची का अपहरण कर लिया। दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी। यही नहीं, परिवार से नाटकीय क्रम कर छह लाख रुपये की फिरौती मांगी थी। मामले में न्यायालय ने चाचा और उसके एक साथी को भी दोषी माना है। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट सोनिका चौधरी ने बाह थाना क्षेत्र के अमित और निखिल को फांसी की सजा सुनाई है। न्यायालय ने अपराध को जघन्य और घृणित माना है। बता दें कि 18 माह पूर्व 18 मार्च 2024 में बाह थाना क्षेत्र के एक गांव में घर के बाहर खेल रही बच्ची को उसके रिश्ते के चाचा अमित और उसका साथी निखिल बहला कर बाइक पर बिठा कर ले गए। फिर घटना को अंजाम दिया।

पुलिस की माने तो मामले को दूसरी दिशा देने को आरोपितों ने 19 मार्च को एक मोबाइल नंबर से बच्ची के पिता को कॉल कर छह लाख की फिरौती मांगी। इसके बाद पिता ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपितों को 20 मार्च को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों की निशानदेही पर शव को बरामद किया गया।

जूता उछालने का प्रयास करने वाले वकील पर चलेगा अवमानना का केस

- अटॉर्नी जनरल ने कार्रवाई शुरू करने की सहमति दी

नई दिल्ली। अटॉर्नी जनरलने भारत के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई पर जूता फेंकने का प्रयास करने वाले वकील के खिलाफ अवमानना कार्रवाई शुरू करने की सहमति दे दी है।

गुरुवार को उच्चतम न्यायालय को इस बारे में सूचित किया गया। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के प्रमुख एवं वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे. बागची की पीठ से अनुरोध किया कि प्रधान न्यायाधीश पर जूता फेंकने वाले वकील राकेश किशोर के खिलाफ अवमानना मामले की सुनवाई की जाए। सिंह ने कहा कि 6 अक्टूबर को हुई इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर अनगिनत सामग्री प्रसारित हुई है, जो संस्थागत अखंडता और गरिमा को ठेस पहुंचा रही है। मेहता और सिंह ने अदालत से सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री पोस्ट करने पर रोक से संबंधी आदेश पारित करने का अनुरोध करते हुए कहा कि हर तरह की अपमानजनक टिप्पणियां की जा रही हैं।

डिजिटल अरेस्ट के जरिए व्यवसायी से 58 करोड़ की ठगी

मुंबई। मुंबई में जालसाजों ने खुद को सीबीआई और ईडी का अधिकारी बताकर 72 वर्षीय एक व्यवसायी को 'डिजिटल अरेस्ट' का शिकार बनाया तथा उनसे कथित तौर पर 58 करोड़ रुपये ठग लिए। यह ठगी 'डिजिटल अरेस्ट' से जुड़े मामले में किसी व्यक्ति से की गई सबसे बड़ी ठगी में से एक हो सकती है। महाराष्ट्र साइबर विभाग ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

एक्सप्रेस-वे पर दो विदेशी नागरिकों की गई जान

संवाददाता बांगरमऊ, उन्नाव

- श्रावस्ती से दिल्ली जाते समय बांगरमऊ हवाई पट्टी पर घटी घटना

अमृत विचार: बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे की हवाई पट्टी के पास लघुशंका के लिए कार से उतरे दो थाईलैंड नागरिकों को तेज रफ्तार कार ने रौंद दिया। इसमें दोनों की मौके पर मौत हो गई।

वहीं कार चालक गंभीर घायल हो गया। हादसे में कार में बैठी थाईलैंड की महिला व पुरुष बाल-बाल बच गए। जानकारी के अनुसार थाईलैंड देश के चार बौद्ध धर्मावलंबी श्रावस्ती के बौद्ध मंदिरों में रहते हैं। चारों पर्यटक जिला श्रावस्ती के मोहल्ला कटरा नवीन मंडी निवासी चालक प्रकाश (35) वर्ष पुत्र पारस नाथ के साथ बौद्ध मंदिर ट्रस्ट की कार से दिल्ली जा रहे थे। तभी कोतवाली क्षेत्र के आगरा एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार शाम करीब साढ़े चार बजे किलोमीटर संख्या 240 गांव नसिरापुर हवाई पट्टी के चालक ने लघुशंका के लिए कार रोक दी। चालक के साथ ही थाईलैंड निवासी धर्मावलंबी सकूलसक (50) व अनन (57) भी लघुशंका के लिए कार से उतर गए। तभी पीछे से आई तेज रफ्तार कार ने थाईलैंड के दोनों नागरिकों को कुचलते हुए चालक को भी टक्कर मार दी। विदेशी नागरिकों के हादसे का शिकार होने सूचना पर हड़कंप मच गया। सभी घायलों को सीएचसी लाया गया। जहां डॉक्टर ने जांच में दोनों विदेशी नागरिकों को मृत घोषित कर दिया। वहीं चालक को जिला अस्पताल भेजा गया।

त्योहारों पर कड़ी सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के दिए निर्देश

लखनऊ, एजेंसी

- डीजीपी ने सोशल मीडिया की निगरानी व भ्रामक पोस्ट करने वालों पर कार्रवाई के निर्देश दिए

उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण ने आगामी त्योहारों के मौके पर मातहत अधिकारियों को चौकसी बरतने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी निर्देश दिए हैं।

डीजीपी ने प्रदेश के सभी क्षेत्रीय, परिक्षेत्रीय पुलिस महानिदेशकों, आयुक्तों, महानिरीक्षकों, उप महानिरीक्षकों तथा जिला पुलिस प्रमुखों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भैयादूज आदि के संबंध में जारी दिशानिर्देशों में छोटी से छोटी सूचनाओं को भी गंभीरता से लेकर कार्रवाई करने, सोशल मीडिया की सघन निगरानी करने और भ्रामक पोस्ट करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की हिदायत दी है। कृष्ण ने धनतेरस, दीपावली आदि के अवसर पर सर्राफा बाजारों तथा अन्य बाजारों में भीड़-भाड़ के मद्देनजर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश देते हुए यह भी कहा कि बाजारों में 'एंटी रोमियो स्क्वाड' को भी सक्रिय रखा जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस के अधिकारी छोटी से छोटी सूचनाओं को भी गंभीरता से लें।

दावा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस पर दबाव बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया

ट्रंप बोले- मोदी ने रूस से तेल नहीं खरीदने का दिया आश्वासन

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उनके मित्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत अब रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा। ट्रंप ने साथ ही कहा कि यह कदम यूक्रेन पर आक्रमण रोकने के लिए रूस पर दबाव बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा।

पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बावजूद भारत द्वारा रूस से पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद जारी रखना एक बड़ा मुद्दा बन गया है। इसका भारत और अमेरिका के संबंधों पर गंभीर प्रतिकूल असर पड़ा है। ट्रंप ने बुधवार को अपने ओवल कार्यालय में पत्रकारों से कहा कि अमेरिका इस बात से खुश नहीं है कि भारत रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसी खरीद से रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को युद्ध के लिए वित्तपोषण में मदद मिलती है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने एक सवाल के जवाब में कहा, वह (मोदी) मेरे मित्र हैं, हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। हम उनके द्वारा रूस से तेल खरीदे जाने से खुश नहीं थे क्योंकि इससे रूस को यह बेतुका युद्ध जारी रखने का मौका मिला। इस युद्ध में उन्होंने लाखों लोगों को खो दिया।

उन्होंने कहा, मैं इस बात से खुश नहीं था कि भारत तेल खरीद रहा है और (मोदी) ने आज मुझे आश्वासन दिया कि वे रूस से तेल नहीं खरीदेंगे। यह एक बड़ा कदम है। अब हमें चीन से भी यही करवाना होगा। 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के अनुसार, चीन के बाद भारत रूस से कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा कि भारत खरीद में संभवतः तुरंत कटौती नहीं कर पाएगा, लेकिन प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने कहा, हम राष्ट्रपति पुतिन से बस यही चाहते हैं कि वह इसे रोक दें, यूक्रेनियों और रूसियों को मारना बंद करें। वे बहुत सारे रूसियों की भी जान ले रहे हैं। यह एक ऐसा युद्ध है जिसे उन्हें एक सप्ताह में जीत लेना चाहिए था और अब यह अपने चौथे साल में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री को एक महान व्यक्ति बताते हुए कहा, वह ट्रंप से प्यार करते हैं मैं नहीं चाहता कि आप प्यार शब्द को किसी और तरह से लें मैं उनका राजनीतिक करियर बर्बाद नहीं करना चाहता। ट्रंप ने मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की।

भारत ने कहा- ऊर्जा खरीद के आधार को व्यापक व विविधतापूर्ण बना रहे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा रूस से कच्चे तेल की खरीद में कटौती का आश्वासन दिए जाने के अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे के कुछ ही घंटे बाद, भारत ने कहा कि वह बाजार की परिस्थितियों के अनुरूप ऊर्जा स्रोत के आधार को व्यापक और विविध बना रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ट्रंप के दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अस्थिर ऊर्जा परिदृश्य में भारतीय उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना सरकार की निरंतर प्राथमिकता रही है। भारत की आयात नीतियां पूरी तरह राष्ट्रीय हित से निर्देशित हैं और देश अमेरिका के साथ भी ऊर्जा संबंधों के विस्तार पर विचार कर रहा है। जायसवाल ने कहा, स्थिर ऊर्जा मूल्य और सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करना हमारी ऊर्जा नीति के दोहरे लक्ष्य रहे हैं। पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद भारत द्वारा रूस से पेट्रोलियम उत्पादों की निरंतर खरीद एक बड़ा मुद्दा बन गया है, जिसके परिणामस्वरूप नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंधों में भारी गिरावट आई है।

न्यूज ब्रीफ

हस्ताक्षर अभियान में व्यापारियों ने लिया संकल्प

अमृत विचार, लखनऊ : अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल ने स्वदेशी अपनाओ, विदेशी भगाओ अभियान के तहत बाजार खाला क्षेत्र में व्यापारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हर भारतीय को स्वदेशी उत्पादों का महत्व समझना होगा। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का एकमात्र मंत्र स्वदेशी है। उन्होंने व्यापारियों से आग्रह किया कि हर दुकान से हस्ताक्षर एकत्र किए जाएं और स्वदेशी उत्पाद बेचने का बोर्ड लगाया जाए। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष रिपन कंसल, महानगर अध्यक्ष सुरेश छाबलानी, युवा महामंत्री आकाश गौतम, उपाध्यक्ष रमेश शुक्ला, महिला अध्यक्ष नैंसी गुप्ता, नगर महामंत्री अनुज गौतम, बाजार खाला के अध्यक्ष विकास सक्सेना, रवि सहाय, वकील अहमद, सोशल मीडिया प्रभारी संजय निधि अग्रवाल, बलजीत मोदी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे। सभी ने स्वदेशी अपनाने और ऑनलाइन की बजाय स्थानीय बाजार से खरीदारी करने की शपथ ली।

राधा की कृपा बिना नहीं मिलेंगे कृष्ण

अमृत विचार, लखनऊ : सुशांत गोल्फ सिटी स्थित राधा रमण बिहारी मंदिर (इस्कॉन) में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का शुभारंभ हुआ। इस्कॉन मंदिर के अध्यक्ष अपरिमेय श्याम दास के संयोजन में आयोजित कथा के पहले दिन मुख्य वक्ता भक्ति पद्म सौरभ प्रचारक स्वामी महाराज ने श्रीमद्भागवत के चार प्रमुख स्तंभ—महात्म्य, प्रयोजन, श्रोता और वक्ता के गुणों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कथा का उद्देश्य भक्ति का प्रसार होना चाहिए, न कि उसका व्यापार। श्रोता को बिना अपेक्षा के कथा सुननी चाहिए और वक्ता को अर्थलाभ की भावना से मुक्त रहना चाहिए। उन्होंने बताया कि भागवत की महिमा को केवल भागवत से ही जाना जा सकता है। स्वामी जी ने कहा कि 'राधा शक्ति के बिना श्यामल न पाए', अर्थात राधा रानी की कृपा के बिना श्रीकृष्ण की प्राप्ति संभव नहीं। अंत में भक्तों ने इस्कॉन के प्रसिद्ध कीर्तन व नृत्य कर आनंद प्राप्त किया।

दूध टैंकर की टक्कर से मां-बेटा घायल, भर्ती

अमृत विचार, काकोरी : थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह दुर्गागंज चौराहे के पास बेकाबू दूध टैंकर ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में मां-बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। काकोरी इंस्पेक्टर सतीश राठौर ने बताया कि सुबह करीब 7:15 बजे दुर्गागंज नहर की पुलिया के पास दीपक राठौर और उनकी मां माया राठौर (गांव सनई पढ़री, संडीला, हरदोई) मेडिकल कॉलेज इलाज के लिए बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान दूध के टैंकर ने टक्कर मार दी। पुलिस ने दोनों को एंबुलेंस से सीएचसी काकोरी भेजा, जहां डाक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति देखते हुए ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।

उचक्के ने पार की महिला की झुमकी

अमृत विचार, काकोरी : पारा स्थित बुद्धेश्वर चौराहे पर गुरुवार दोपहर ई-रिक्शा से उतर रही महिला के बैग से अज्ञात युवक ने झुमकी पार कर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली। मायापुरम कॉलोनी निवासी संत कुमारी ई-रिक्शा से उतरकर चालक को किराया दे रही थीं। तभी एक अज्ञात युवक ने उनके बैग से झुमकी निकालकर साथी के साथ दूसरे ई-रिक्शा में बैठकर आलमनगर की ओर फरार हो गया। पीड़िता हरदोई बालामऊ में ननद के बेटे के मुंडन संस्कार कार्यक्रम में जा रही थीं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

महाराजा लाखन पासी का मनाया जन्मोत्सव

अमृत विचार, सरोजनीनगर : नगर पंचायत बंथरा के चेयरमैन प्रतिनिधि रंजीत रावत के नेतृत्व में गुरुवार को बंथरा स्थित कैंप कार्यालय पर महाराजा लाखन पासी का जन्मदिन बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में भारी संख्या में क्षेत्रीय लोग शामिल हुए। चेयरमैन प्रतिनिधि रंजीत रावत ने कहा कि समाज की प्रगति के लिए शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी को अपने बच्चों को शिक्षित करने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब समाज शिक्षित होगा, तभी वह संगठित और सशक्त बन सकेगा। समारोह में राजकुमार, सभासद आशीष गौतम, महेंद्र रावत, राहुल रावत मौजूद रहे।

गैंगरेप का एक और आरोपी मुठभेड़ में घायल

25 हजार का इनामी था आरोपी, तमंचा व खोखे बरामद, फरार भाई समेत दो की तलाश जारी

संवाददाता, सरोजनीनगर

- 11 को घटना के 12 घंटे बाद मुठभेड़ में पकड़े गए थे दो आरोपी

अमृत विचार: हरौनी चौकी से चंद कदम की दूरी पर बाग में 11वीं की छात्रा (17) से सामूहिक दुष्कर्म के एक और आरोपी को बंथरा पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। पैर में गोली लगने से 25 हजार का इनामी बदमाश राजेंद्र उर्फ बाबू घायल हो गया। पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया है। मौके से पुलिस ने एक तमंचा और दो खोखे बरामद किए हैं। पुलिस वारदात में शामिल उसके भाई समेत दो इनामी की तलाश कर रही है। पुलिस ने शनिवार को घटना में शामिल ललित को मुठभेड़ और उसके साथी मेराज को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि 11 अक्टूबर की दोपहर छात्रा गर्भवती बहन की देखरेख के लिए अपने घर जा रही थी। रास्ते में हरौनी पेट्रोल पंप के पास पीड़िता

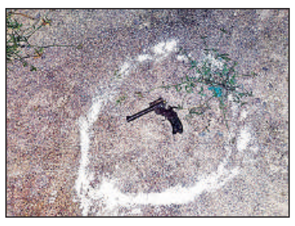

बरामद तमंचा।

परिचित से बाग में टहलते हुए बात कर रही थी। इस बीच छोटू, बाबू, ललित, मेराज और विशाल वहां नशेबाजी कर रहे थे। पांचों वहां पहुंचे। परिचित को मारपीट कर भगाने के बाद किशोरी को बाग में खींचकर सामूहिक दुष्कर्म किया गया था। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर पड़ताल शुरू की। देर रात हरौनी स्टेशन के पास मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से आरोपी ललित कश्यप घायल हो गया था। पुलिस ने ललित और उसके साथी मेराज को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी ने बताया कि फरार आरोपी राजेंद्र उर्फ बाबू, शिवकुमार उर्फ छोटू और विशाल पर 25-25 हजार का इनाम घोषित था। शुक्रवार रात बंथरा पुलिस को सूचना मिली कि वारदात में शामिल आरोपी बंथरा की तरफ जा रहे हैं। इस सूचना पर इंस्पेक्टर राणा राजेश कुमार सिंह टीम के साथ भटगांव पांडेय के पास चेकिंग करने लगे। करीब 12 बजे रेलवे लाइन की ओर जा रहे संदिग्ध को देख पुलिस ने रुकने का इशारा किया, तो बदमाश ने फायरिंग की।

पुलिस की जवाबी फायरिंग में दाएं पैर में गोली लगने से राजेंद्र उर्फ बाबू निवासी हरौनी घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी को अभिरक्षा में अस्पताल में भर्ती कराया। एसीपी कृष्णानगर विकास पांडेय ने बताया कि राजेंद्र के भाई शिवकुमार उर्फ छोटू और पांचवें आरोपी विशाल की तलाश में दबिशें दी जा रही हैं।

घायल आरोपी को सहारा देकर ले जाते पुलिसकर्मी।

मेटा एआई के अलर्ट से पुलिस ने सात मिनट में बचाई छात्र की जान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- खुदकुशी करने से पहले इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट, मेटा ने भेजा अलर्ट
- गर्लफ्रेंड से विवाद के बाद छात्र ने उठाया कदम, काउंसलिंग के बाद सुधरी स्थिति

अमृत विचार : मेटा एआई के अलर्ट से नगराम पुलिस ने गुरुवार को एक छात्र की जान महज सात मिनट में बचा ली। नगराम के ग्राम कपेरा मदारपुर में बीए प्रथम वर्ष का छात्र गर्लफ्रेंड से विवाद के बाद इंस्टाग्राम पर खुदकुशी करने का वीडियो पोस्ट कर दिया। यह पोस्ट देखकर मेटा ने तत्काल पुलिस को अलर्ट भेजा।

नगराम एसओ विवेक चौधरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वीडियो में छात्र ने शीशी की तस्वीर के साथ बैकग्राउंड में डायलॉग चलाते हुए लिखा था कि "आज यह पीकर सबको खुश कर दूंगा", और दिल टूटने तथा रोने वाली इमोजी भी डाली गई थीं। पुलिस ने तुरंत छात्र को रोक लिया। काउंसलिंग के दौरान युवक ने बताया कि विवाद के कारण वह हताश होकर यह कदम उठा रहा था। एसओ और अन्य पुलिसकर्मियों ने समझाइश दी और उसे भावनात्मक रूप से सहारा दिया।

पुलिस की तत्परता और काउंसलिंग के बाद छात्र ने अपनी पोस्ट डिलीट कर दी और भविष्य में ऐसा न करने का वादा किया। एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा ने कहा कि मेटा एआई की तकनीक ने युवाओं की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस घटना से यह साबित होता है कि तकनीक और पुलिस का सहयोग मिलकर समय पर कार्रवाई करने में सक्षम है।

सराफा बाजारों की सुरक्षा में तैनात होंगे पर्याप्त पुलिस बल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- डीजीपी राजीव कृष्ण ने जारी किए सुरक्षा और फुट पेट्रोलिंग के निर्देश

अमृत विचार : डीजीपी राजीव कृष्ण ने त्योहारों के दौरान पुलिस बल को हाई अलर्ट पर रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बाजारों और भीड़भाड़ वाले स्थानों, विशेषकर सराफा बाजारों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने को कहा। इन स्थानों पर एंटी रोमियो स्क्वाड और पीएसी को लगातार सक्रिय रहने के निर्देश भी दिए गए हैं।

डीजीपी ने कहा कि छोटी-सी सूचना को भी गंभीरता से लिया जाए। वरिष्ठ अधिकारी और थाना प्रभारी मौके पर जाकर तुरंत विवाद निस्तारित करें। नई परंपराओं की अनुमति न दी जाए। रिजर्व पुलिस कर्मियों की क्यूआरटी टीम बनायी जाए। रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, बाजार, मनोरंजन स्थल, पार्क और मल्टीप्लेक्स पर बीडीडीएस टीम से चेकिंग कराई जाए। असामाजिक तत्वों की सूची अपडेट रखी जाए। धार्मिक स्थलों के आसपास तड़के पोस्टर चेकिंग और हॉटस्पॉट पर ड्रोन निगरानी हो। नदियों व घाटों पर सतर्क दृष्टि रखी जाए। प्रतिमाओं के विसर्जन जुलूसों में त्रुटिहीन और योजनाबद्ध पुलिस प्रबंध सुनिश्चित किया जाए।

पटाखों को लेकर बरती जाएगी सख्ती

- डीजीपी ने कहा कि सीमा से अधिक मात्रा में विस्फोटक संग्रहण और भंडारण न होने दिया जाए। पटाखों की दुकानों को अस्थायी लाइसेंस नियमानुसार प्रदान करें। दुकानों के पास अग्निरोधक उपाय किए जाएं। आतिशबाजी रिहायशी क्षेत्र में न हो। चेकिंग के समय अधिकारी विस्फोटक पदार्थों की जानकारी रखे। परिवहन और भंडारण नियमानुसार हो। विस्फोटक सामग्री मिलने पर डॉग स्क्वायड भेजा जाए। सोशल मीडिया की सघन निगरानी भी सुनिश्चित की जाए।

वेतन न मिलने से कर्मचारी नाराज

अमृत विचार, काकोरी : लखनऊ के दुबग्गा में ई-बस सेवा गुरुवार को ठप हो गई। बोनस और वेतन न मिलने से नाराज 252 चालक-परिचालक और 92 अन्य कर्मचारी, कुल 344 कर्मियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाकर कार्य का बहिष्कार किया। कर्मचारियों का आरोप है कि दीपावली बोनस और नियमित सैलरी कई महीनों से नहीं दी जा रही है। नई कंपनी हंसा मोबिलिटी ने वेतन घटाकर 7,000 रुपए कर दिया, जबकि पहले 13,000 रुपए मिलते थे। साथ ही भोजन भत्ता और सिंगल ड्यूटी सिस्टम लागू नहीं किया गया। बिना सूचना के पुरानी कंपनी एबोल्ट मोबिलिटी हटाई गई, न ग्रेजुएटी न बोनस का भुगतान हुआ। प्रशासन दीपोत्सव के मद्देनजर अतिरिक्त बसें चलाने की तैयारी कर रहा है, लेकिन हड़ताल के कारण यात्रियों को परेशानी हो रही है।

इंदिरा भवन-जवाहर भवन परिसर में दो दिवसीय दीपावली मेला शुरू

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- दिव्यांगजन के कौशल और सृजनशीलता का मंच है मेला : सुभाष शर्मा

अमृत विचार: इंदिरा भवन-जवाहर भवन परिसर में गुरुवार से दो दिवसीय दीपावली मेला शुरू हुआ। यह मेला पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन विभाग द्वारा आयोजित किया गया है।

मेले का उद्घाटन करते हुए प्रमुख सचिव सुभाष चन्द शर्मा ने कहा कि यह मेला दिव्यांगजन के कौशल, सृजनशीलता और आत्मनिर्भरता का मंच है। इसका उद्देश्य दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा में सशक्त रूप से स्थापित करना है। ऐसे आयोजन न केवल उनके उत्पादों के लिए विपणन मंच प्रदान करते हैं, बल्कि उनके आत्मविश्वास और सामाजिक स्वीकृति को भी बढ़ावा देते हैं।

मेले में प्रदेश भर के 35 संस्थानों और विद्यालयों के दिव्यांगजन एवं उनके प्रशिक्षकों द्वारा निर्मित उत्पाद प्रदर्शित किए गए। इन उत्पादों में पर्यावरण अनुकूल दीपक, मोमबत्तियां, पूजा सामग्री, सजावटी सामान, हस्तनिर्मित आभूषण, वस्त्र, खाद्य सामग्री, हस्तशिल्प और मिट्टी के उत्पाद प्रमुख आकर्षण रहे।

राज्य आयुक्त हिमांशु शेखर झा ने बताया कि यह मेला दिव्यांगजन की स्वावलंबन यात्रा को गति देने का सशक्त प्रयास है और समाज को समावेशी एवं संवेदनशील बनाने का संदेश देता है। यह आयोजन 17 अक्टूबर तक जारी रहेगा।

मेले में संयुक्त निदेशक अमित कुमार सिंह, ब्रजेश कुमार त्रिपाठी, रणजीत सिंह, मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी पवन कुमार द्विवेदी, उपनिदेशक अनुपमा मौर्या, राजेश कुमार मिश्र, उपायुक्त अमित कुमार राय और जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी शशांक सिंह सहित प्रतिभागी संस्थाओं के प्रतिनिधि और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दीपावली की खुशियां गरीब और विधवा महिलाओं तक

अमृत विचार, काकोरी : दीपावली के अवसर पर मरवाह एजुकेशनल फाउंडेशन ने जरूरतमंद और विधवा महिलाओं के घर रौशनी पहुँचाई। कसमंडी रोड स्थित एच.आर.लॉन में आयोजित कार्यक्रम में करीब 700 महिलाओं को राशन सामग्री और साड़ी वितरित की गई। कई महिलाओं ने भावुक होकर कहा कि फाउंडेशन ने घर में दीपावली की खुशियाँ लौटा दीं। डायरेक्टर मनाजिरुल इस्लाम और मार्गदर्शक साबिर साहब ने बताया कि संस्था आगे भी प्रयास जारी रखेगी। कार्यक्रम में काकोरी नगर पंचायत के सभासद मोहम्मद आजाद सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

जंगल से बरामद हुई हत्या में प्रयुक्त कार

संवाददाता, निगोहां

- सनी रावत हत्याकांड में मुख्य आरोपी 12 घंटे की रिमांड पर

अमृत विचार : बहन के प्रेम विवाह की खुन्नस में साले सनी रावत को मौत के घाट उतारने वाले मुख्य आरोपी जीतू यादव को निगोहां पुलिस ने गुरुवार सुबह जिला जेल से 12 घंटे की रिमांड पर लिया। रिमांड के दौरान पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त दूसरी कार मोहनलालगंज के गौरा गांव के पास जंगल से बरामद कर ली। पूछताछ के बाद आरोपी जीतू को पुनः जेल भेज दिया गया।

एसीपी मोहनलालगंज रजनीश वर्मा ने बताया कि

सनी रावत (मृतक)

मोहनलालगंज निवासी सनी रावत (22) की 8 सितंबर को हत्या कर शव निगोहां के

बरामद कार।

बांक नाले में फेंका गया था। हत्याकांड में मृतक के साले जीतू यादव, देवेश यादव उर्फ बोग्गा, संतोष यादव, राजकपूर और जय सिंह आरोपी थे।

मुख्य आरोपी जीतू ने कोर्ट में समर्पण किया था, जबकि अन्य चार को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त एक कार, रॉड और गमछा बरामद किया था, लेकिन दूसरी कार और मृतक का मोबाइल बरामद नहीं हुए थे।

एसओ निगोहां अनुज तिवारी ने गुरुवार सुबह आरोपी जीतू यादव को रिमांड पर लेकर मेडिकल के बाद थाने में पूछताछ की। आरोपी की निशानदेही पर गौरा गांव के जंगल से दूसरी कार बरामद कर ली गई।

पड़ोसियों पर युवक को जहर पिलाने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : डालीगंज के हवेलिया कॉलोनी में पड़ोसियों ने युवक को जहर पिला दिया। युवक किसी तरह भागकर घर पहुंचा और परिजन को घटना की जानकारी दी। आनन-फानन में उसे अस्पताल में भर्ती कराया। जहां गंभीर हालत में इलाज में चल रहा है। हसनगंज पुलिस ने मां की तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मां माला गिहार ने बताया कि 7 अक्टूबर की शाम को पड़ोस में रहने वाले रामू, सुशीला, लतले, ललिता ने मिलकर बेटे रौनक को जहर पिला दिया। उनके चंगुल से छूटकर बेटा दौड़कर घर पहुंचा। लड़के ने बदहवास हालत में बताया कि पड़ोसियों जहर पिला दिया गया है। घरवालों ने उसे अस्पताल लेकर गए। वहां डॉक्टरों ने बताया कि जहर पूरे शरीर में फैल चुका है। फिलहाल युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। आरोप है कि घटना के बाद आरोपी धमकी दे रहे हैं। बोलते हैं कि कोतवाली में दो लाख रुपए दे देंगे हमारा कुछ नहीं होगा।

सख्ती | कंपनियों से मांगा जाएगा डाटा, गेम संचालन करने वाली कंपनियों से पत्राचार कर जुटाई जाएगी डिटेल

ऑनलाइन गेमिंग पर होगी कड़ी निगरानी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लगातार हो रही घटनाओं को देखते हुए साइबर क्राइम सेल करेगी कार्रवाई

अमृत विचार : ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ी कई घटनाओं ने सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा दिया है। जांच में पता चला कि कई देशों में प्रतिबंधित गेम नियमों का उल्लंघन करते हुए भारत में संचालित हो रहे हैं।

इन गेमों से जुड़े लोगों पर निगरानी बढ़ाने के लिए पुलिस अब विशेष तैयारी कर रही है। जेसीपी कानून-व्यवस्था बबलू कुमार ने बताया कि कंपनियों से पत्राचार कर गेम संचालकों का डाटा जुटाया जाएगा। इसके जरिए उन लोगों की पहचान की जाएगी जो रुपये लगाकर गेम खेल रहे हैं। प्रारंभिक तौर पर 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों पर फोकस किया जाएगा।

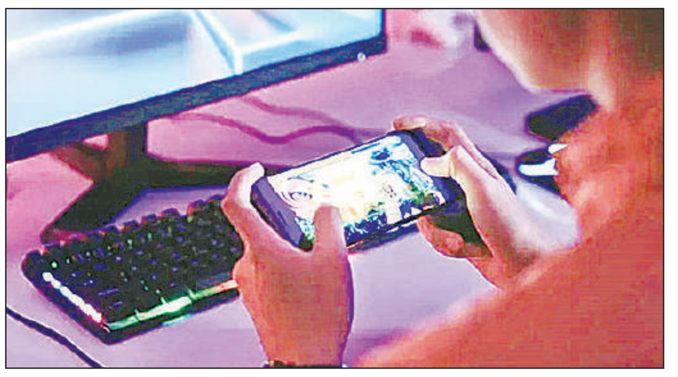

निशाने पर फ्री-फायर और अन्य गेम

- साइबर क्राइम सेल के निशाने पर फ्री-फायर, एविएटर, ड्रीम-11, माय 11 सर्किल, जूपी लूडो, विन्जो गोल्ड जैसे गेम हैं। इनमें हार-जीत की बाजी लगाई जाती है और कई गेम नियमों के अनुसार प्रतिबंधित हैं। टीम इन सभी गेमों की जांच करेगी और आवश्यक कार्रवाई करेगी। पुलिस का कहना है कि यह कदम किशोरों और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अहम है। ऑनलाइन गेमिंग के दौरान किसी भी प्रकार के नुकसान या अनहोनी से बचने के लिए यह निगरानी बेहद जरूरी है।

लोकप्रिय और प्रतिबंधित गेम की पहचान

- टीम पहले यह पता लगाएगी कि कौन से गेम सबसे लोकप्रिय हैं और कौन से देश में प्रतिबंधित हैं। इसके बाद उन प्रतिबंधित गेमों पर कार्रवाई शुरू होगी। कंपनियों से मिले डाटा का उपयोग 18 वर्ष से कम उम्र के किशोरों की पहचान और उन्हें ब्लॉक या अलर्ट करने के लिए किया जाएगा। यह प्रक्रिया जल्द ही लागू होगी। पुलिस ने बताया कि हाल की घटनाओं में किशोर गेम में कैरेक्टर की जर्सी, हथियार और अन्य चीजें खरीदने के लालच में फंस रहे हैं। इसके लिए ऑनलाइन रकम ट्रांसफर करते हैं, कभी-कभी माता-पिता से उधार लेकर भी। इससे किशोर मानसिक दबाव में गलत कदम उठा सकते हैं।

कार्यालय उपनिदेशक (निर्माण)

राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद, उत्तर प्रदेश

तृतीय तल, किसान मण्डी भवन, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ।

पत्रांक– नि0ख0/लखनऊ/ई–निविदा/2025–1664 दिनांक: 16/10/2025

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण)

गड्ढामुक्तिकरण योजनान्तर्गत निम्नलिखित सम्पर्क मार्गो के मरम्मत कार्य हेतु ई–निविदा (E-Tendering) के माध्यम से मण्डी परिषद में वॉछित श्रेणी में पंजीकृत एवं वित्तीय रूप से सुदृढ फर्म/ठेकेदारों से दिनांक 31.10.2025 को अपरान्ह 3:00 बजे तक निविदायें आमंत्रित की जाती है। ई–टेण्डरिंग के माध्यम से आनलाइन निविदा https://etender.up.nic.in पर दिनांक 17.10.2025 की अपरान्ह 1.00 बजे से दिनांक 31.10.2025 की अपरान्ह 3:00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती है जिसकी तकनीकी बिड दिनांक 31.10.2025 को अपरान्ह 3.30 बजे खोली जायेंगी। तकनीकी बिड उपयुक्त पाये जाने के फलस्वरूप वित्तीय बिड खोली जायेगी। तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने हेतु निर्धारित तिथि को सार्वजनिक अवकाश पड़ जाने की स्थिति में तकनीकी एवं वित्तीय बिड अगले कार्य दिवस में खोली जायेंगी:–

क्र0 सं0	कार्य का नाम	निविदा का मूल्य (जी0एस0टी0 सहित) (रूपये में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य की अनुमानित लागत (सिविल कार्य) (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	पंजीकृत ठेकेदारों की श्रेणी
जनपद– लखीमपुर खीरी क्षेत्रान्तर्गत						
1	सं०मा० लखीमपुर बहराइच मार्ग से ग्राम रंगीला नगर तक मरम्मत कार्य। (लं० 0.80 कि०मी०) 2025_RKUMP_1083315_1	3100.00 + 558.00 = 3658.00	2.03	20.30	04 माह	'द'
2	सं०मा० मोतीपुर से पहाड़ा खाँ पुरवा होते हुए ओयल रोड तक मरम्मत कार्य। (लं० 0.52 कि०मी०) 2025_RKUMP_1083317_1	2000.00 + 360.00 = 2360.00	1.27	12.68	04 माह	'द'

नियम एवं शर्ते–
1. ई–निविदा के मूल्य हेतु निर्धारित धनराशि भारतीय स्टेट बैंक, गोमती नगर लखनऊ में उपनिदेशक (निर्माण) मण्डी परिषद, लखनऊ के संचालित खाता संख्या–30394513612 आई०एफ०एस० कोड–SBIN0009916 तथा धरोहर धनराशि खाता संख्या–30394514140 आई०एफ०एस० कोड SBIN0009916 में आनलाइन जमा कराकर जमा रसीद (प्रमाण) ई–निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य हैं।
2. धरोहर धनराशि एवं निविदा मूल्य आनलाइन जमा न किए जाने तथा जमा रसीद ई–निविदा के साथ अपलोड के बिना प्रस्तुत की गयी किसी भी निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा तथा निविदायें प्रथम दृष्टया ही निरस्त कर दी जायेगी।
3. नवीनतम चरित्र प्रमाण पत्र (टी–4), नवीनतम हैसियत प्रमाण पत्र (टी–5) एवं शपथ पत्र (टी–6) पर स्वप्रमाणित पासपोर्ट साइज फोटो तथा मण्डी परिषद विभाग में पंजीकृत / नवीनीकरण होने का साक्ष्य ई–निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य है।
4. ऐसे निविदादाता जिनका अपराधिक रिकार्ड है वह टेण्डर प्रक्रिया में भागीदारी नहीं कर सकेंगे।
5. निविदा के साथ रू0 100.00 का स्टाम्प पेपर रू0 1.00 का रसीदी टिकट लगाकर हस्ताक्षर सहित अपलोड करना अनिवार्य होगा।
6. आयकर तथा लेबर सेस की कटौती नियमानुसार चालू देयकों से की जायेगी।
7. निविदा मूल्य नान रिफण्डेबुल है।

नोट: समस्त नियम व शर्ते ई–निविदा वेबसाइड https://etender.up.nic.in पर देखी व पढ़ी जा सकती है।

उपनिदेशक (निर्माण)

सुविचार

दुष्टों का बल हिंसा है, शासकों का बल शक्ति है, स्त्रियों का बल सेवा है और गुणवानों का बल क्षमा है।

-रामधारी सिंह दिनकर

अमृत विचार

लखनऊ महानगर

www.amritvichar.com

लखनऊ के प्रमुख समाचार

- फर्जी आईपीएस बन 80 करोड़ ठगे, गिरफ्तार II
- एक्सपायर राजभोग, बदबूदार खोया पकड़ा III
- मिठाई नहीं, दीपक है ये जनाब IV

लखनऊ, शुक्रवार,17 अक्टूबर 2025

त्योहारी बारिश में लीजिए 'सिल्वर रेन' का मजा, 'हेलीकॉप्टर' उड़ने को बेकरार

दीपावली में धुआं न धमाका : क्रेकलिंग, स्टार, फुलझड़ी ग्रीन पटाखों से सजा बाजार

संवाददाता, लखनऊ/काकोरी

अमृत विचार : बारुद की गंध थोड़ा कम हुई। इस बार सिर्फ ग्रीन पटाखों का जोर है। त्योहारी बारिश के लिए सिल्वर रेन है जो आसमान में पहुंचकर पानी की बूंदों की तरह रोशनी फेंकती है। हेलीकॉप्टर भी आसमान में उड़ने को बेकरार है। इसकी खासियत यह है कि जमीन से ऊपर की ओर उठता है। आकाश में पहुंचकर अपने दायरे में रंगीन प्रकाश बिखेर देता है। कैमरा पटाखा मानो तस्वीर लेने को आतुर है लेकिन उसमें भी रंगीन रोशनी से आपका सामना होगा। बमबारा है तो ग्रीन पटाखों की जबरदस्त रेंज। दुबग्गा के अमेठिया सलेमपुर थोक पटाखा मंडी में जबरदस्त रौनक है।

मंडी में खरीदारों की उपस्थिति से सुबह से रात तक उड़ता धूल का गुबार बता रहा है कि पटाखा व्यापार इस बार जोरदार है। कम दामों में तमाम ग्रीन वैरायटी बच्चों के लिए भी है। लखनऊ आतिशबाजी वेलफेयर एसोसिएशसन के वरिष्ठ महामंत्री सतीश मिश्र ने बताया कि इस बार ग्रीन पटाखों के खरीदार ज्यादा हैं।

पटाखा दिखाता दुकानदार। अमृत विचार

ग्रीन क्रैकर्स पटाखे खूब बिक रहे हैं। इस साल हुई तेज बारिश ने इस बारूदी कारोबार की गति और आपूर्ति में कमी कर दी है। इसकी वजह से नए पटाखे की मैन्युफैक्चरिंग नहीं हो पाई है। व्यापार ठीक है। स्टार कलर, मल्टी कलर, क्रेकलिंग, स्टार फुलझड़ी, पीकॉक इत्यादि पटाखों की भरमार है। खासतौर पर इन ग्रीन पटाखों में फैंटासी फिश की भी मांग है। यह ग्रीन पटाखा लोगों की पसंद बना हुआ है। 25 पीस में होली जॉली है। यह ऊपर आसमान में जाकर फुलझड़ियों के रूप में फटता है और आवाज करता है। पटाखा कारोबारी इमरान अली भी तमाम रेंज की जानकारी देते हैं। ग्रीन पटाखे लोगों को लुभा रहे हैं।

इस पटाखे का रहा खास आकर्षण।

पशुओं की खातिर न जलाएं तेज आवाज वाले पटाखे

अमृत विचार, लखनऊ : त्योहारों के मौसम में जहां लोग धूमधाम से जश्न मनाते हैं, वहीं इस शोरगुल का असर बेजुबान जानवरों पर बेहद खराब होता है। इसको ध्यान में रखते हुए राजधानी के नवाब वाजिद अली शाह प्राणी उद्यान प्रशासन ने चिड़ियाघर के आसपास रहने वाले लोगों से अपील की है कि वे तेज आवाज वाले पटाखों का उपयोग न करें।

चिड़ियाघर प्रशासन के अनुसार, तेज आवाज वाले पटाखों की धमक से जानवर बुरी तरह सहम जाते हैं। कई बार उनका व्यवहार अचानक बदल जाता है। कुछ जानवर आक्रामक हो जाते हैं, तो कुछ डरे-सहमे कोने में सिमट जाते हैं। इससे उनकी मानसिक स्थिति पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। शेर, बाघ जैसे बड़े जानवरों के अलावा हिरण, पक्षी और बंदर भी इससे प्रभावित होते हैं।

वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि जानवरों की सुनने की क्षमता इंसानों से कहीं अधिक होती है। ऐसे में पटाखों की आवाज उन्हें काफी परेशान कर देती है। लगातार तेज आवाज से उन्हें स्ट्रेस और एंग्जायटी होने लगती है। चिड़ियाघर निदेशक अदिति शर्मा ने कहा कि लोग त्योहारों को मनाएं, लेकिन परिसर के आसपास करीब एक किलोमीटर तक पर्यावरण और जानवरों की भलाई का भी ध्यान रखें। उन्होंने विशेष रूप से चिड़ियाघर और पशु आश्रय के नजदीक रहने वाले लोगों से ध्वनि प्रदूषण से बचने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की।

जरूरत समझें और बनाएं जीवन शैली स्मार्ट... एआई है ना

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः समय के साथ न केवल जीवनशैली में बदलाव आया है, बल्कि घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी अब हाईटेक हो चुके हैं। एआई से लैस ये स्मार्ट डिवाइस न सिर्फ बिजली की बचत करते हैं, बल्कि उपकरणों की कार्यक्षमता भी कई गुना बढ़ा देते हैं। यह नवीनतम एआई प्रणाली ऐसी-वैसी नहीं है। आपकी जरूरत को समझती है और फिर आवश्यकता के मुताबिक काम करती है। डिजाइन देखिए जेब में हाथ डालिए या फिर मोबाइल पर ऑनलाइन भुगतान कीजिए और खरीद लीजिए।

मोबाइल से ऑपरेट करें फ्रिजः एआई आधारित फ्रिज से 30 प्रतिशत तक बिजली की बचत की जा सकती है। घर से बाहर हैं, तो यह फ्रिज मोबाइल एप से भी ऑपरेट कर सकते हैं। जरूरत पड़ने पर नोटिफिकेशन मिलते हैं और फ्रिज को रिमोट से बंद किया जा सकता है, जिससे खराब होने की संभावना कम हो जाती है। कौन सा पार्ट खराब है, अब यह जानकारी भी स्मार्ट एआई तकनीक से तुरंत मिल जाती है। स्मार्ट एनर्जी मोड, होम केयर, स्मार्ट फॉरवर्ड और ट्विन कूलिंग जैसे फीचर्स से भोजन को लंबे समय तक ताजा रखा जा सकता है।

कीमत और साइज के अनुसार उपलब्ध एलईडी

एलईडी साइज	शुरुआती कीमत
43 इंच	22,000 से शुरू
98 इंच	3,00,000 से शुरू

ग्राहकों को नए किस्म के मेबाइल दिखाते दुकानदार। अमृत विचार

एआई वाशिंग मशीन : खुद समझे कपड़ों की जरूरत

- जतिन जौहर बताते हैं कि बाजार में ऐसी वाशिंग मशीनें उपलब्ध हैं जो कपड़ों के वजन और गंदगी को पहचानकर खुद ही पानी, डिटर्जेंट और वॉश टाइम सेट कर लेती हैं। एआई टच पैनल की मदद से वॉश साइकिल और अन्य फीचर्स को ऑपरेट करना बेहद आसान हो गया है। इससे न केवल समय की बचत होती है, बल्कि बिजली और पानी की भी बचत होती है। कुछ कंपनियां अब वाशिंग मशीन पर 20 वर्ष की वारंटी भी दे रही हैं, जो इनकी गुणवत्ता को दर्शाता है।

एलईडी टीवी में एआई की धूम

- आज के समय में फुल एचडी, 4के, क्यू एलईडी टीवी और ओएलईडी की मांग सबसे अधिक है। अब एलईडी टीवी में एआई टेक्नोलॉजी को जोड़ दिया गया है। जिससे यह पुरानी फिल्मों को भी नए और आकर्षक अंदाज में दिखाता है। एआई साउंड सिस्टम की मदद से आवाज को बेहतर और रोचक बनाया गया है, जिससे घर पर ही थिएटर जैसा अनुभव मिलता है।

मोबाइल बिक्री पूरे रंग में, जोरदार कारोबार

- सामान्य माह में लखनऊ में मोबाइल का करीब 80 से 100 करोड़ का कारोबार होता था। अक्टूबर माह में अब तक लखनऊ में मोबाइल बिक्री 150 करोड़ तक पहुंच गई, जो सामान्य दिनों और महीनों की अपेक्षा बेहतर है। अभी तो त्योहारी सीजन शुरू हुआ है। बिक्री का आंकड़ा और बढ़ेगा। मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स मार्केट से कारोबार अच्छा होने की खबर है। एआई टेक्नोलॉजी से लैस घरेलू उपकरण न केवल सुविधा बढ़ा रहे हैं, बल्कि बिजली, पानी और समय की भी बचत कर रहे हैं। दिपावली जैसे त्योहारों के समय इनकी मांग और अधिक बढ़ जाती है, जिससे साफ है कि उपभोक्ता अब स्मार्ट विकल्पों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं।

नीरज जौहर, प्रदेश अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश मोबाइल एसोसिएशन

शहर में आज

- सिटी मॉन्टेसरी स्कूल कानपुर रोड पर यूरेका बाल वैज्ञानिकों के सम्मलेन कार्यक्रम और समापन 4 : 00 बजे। इसमें बच्चों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

राज्यपाल का फर्जी सिफारिश पत्र भेजने वाला गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : सीआइडी ने नौकरी के लिए मुख्यमंत्री कार्यालय में राज्यपाल का फर्जी सिफारिश पत्र भेजने वाले आरोपी को गुरुवार को गिरफ्तार किया। जांच में आरोपी के खिलाफ ठोस साक्ष्य मिलने के आधार पर कार्रवाई की गई। आरोपी को जेल भेज दिया गया है। सीआइडी के इंस्पेक्टर मनोज कुमार शुक्ला ने बताया कि आरोपी प्रमोद कुमार सक्सेना, मूल रूप से लखीमपुर खीरी के भुइफोरवानाथ गढ़ी रोड का निवासी है। वर्ष 2017 में राज्य संपत्ति विभाग में सफाईकर्मी के पद पर नियुक्ति निकली थी। मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव के पास प्रमोद की नौकरी के लिए राज्यपाल की सिफारिश का पत्र सचिव चंद्र प्रकाश के नाम से पहुंचा, जो जांच में फर्जी पाया गया। इसके बाद हजरतगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी और आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

सिटी ब्रीफ

रंजिश में चालक को पीटा, घायल

अमृत विचार, मलिहाबाद : रहीमाबाद के रामपुरवा गांव में पुरानी रंजिश में चालक विनोद कुमार को गांव के दबंगों ने लाठी-डंडों से पीटकर घायल कर दिया। विनोद ने बताया कि गुरुवार सुबह 9 बजे वह दूध लेकर ससपन गांव जा रहे थे। गांव के बाहर राजू, जगदीश और सोनू ने उन्हें रोक लिया और गालियां देने के बाद हमला कर दिया। हमले में विनोद के सिर और हाथ में चोटें आईं। उन्होंने थाना में तहरीर दी। इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और आरोपियों की तलाश जारी है।

लापता बेटे के लिए मांगे 10 हजार रुपये

अमृत विचार, लखनऊ : महानगर निवासी अजय कुमार तिवारी को लापता बेटे की तलाश के दौरान साइबर जालसाजों ने ठगी का शिकार बनाया। आरोपियों ने खुद को जीआरपी अधिकारी बताते हुए पिता से 10,000 रुपये की मांग की। अजय ने बताया कि उनका बेटा अरविंद कुमार तिवारी (28) 25 सितंबर से लापता है। 2 अक्टूबर को उन्हें एक अज्ञात नंबर से कॉल आया, जिसमें कॉल करने वाले ने पैसे भेजने पर ही बेटे को दिखाने की बात कही। वीडियो कॉल पर बेटे को दिखाने की मांग करने पर जालसाज ने इनकार कर धमकियां दी। इंस्पेक्टर महानगर अखिलेश मिश्रा ने कहा कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है और आरोपी की तलाश जारी है।

1.42 लाख लूटने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : बाजारखाला पुलिस ने कलेक्शन एजेंट से 1.42 लाख रुपये का बैग लूटने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से बचे 9,440 रुपये और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद हुई। 19 सितंबर को राजाजीपुरम निवासी कलेक्शन एजेंट अरुण प्रताप सिंह से मोती झील कालोनी के सामने बाइक सवार बदमाशों ने बैग झपटकर लूट लिया था। पुलिस ने 150 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपियों का पता लगाया। गुरुवार को ऐशबाग तिराहा अंबेडकर पार्क के पास पारा न्यू आदर्श विहार निवासी श्रवण कुमार चौरसिया और दुबग्गा शाहपुर भमरौली निवासी सलमान खान को गिरफ्तार किया। दोनों को जेल भेजा गया।

चोरी की स्कूटी संग दो पकड़े गए

अमृत विचार, लखनऊ : कैसरबाग पुलिस ने स्कूटी चोरी करने वाले दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से स्कूटी बरामद की। इंस्पेक्टर अंजनी कुमार मिश्र ने बताया कि कचहरी मोड़ से आरोपियों को पकड़ा गया। आरोपियों में ठाकुरगंज के घासमंडी निवासी सुल्तान खान और मड़ियांव के फैजुल्लागंज निवासी मोहम्मद जुनैद हैं। बरामद स्कूटी आदर्श कुमार कश्यप की है। पुलिस आरोपियों का आपराधिक इतिहास खंगाल रही है।

छत से गिरे किसान की मौत

अमृत विचार, निगोहां : थाना क्षेत्र में बुधवार की देर रात घर की छत से गिरकर किसान की मौत हो गई। एसओ निगोहां अनुज तिवारी ने बताया कि 40 वर्षीय अम्बरीश कुमार बुधवार देर रात अपने घर की छत पर थे। इसी दौरान उनका पैर फिसल गया और वे नीचे गिर पड़े। परिजन ने उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पड़ोसियों ने बताया कि करीब दो वर्ष पहले अम्बरीश कुमार को पत्नी छोड़कर बच्चों शुभी व शुभम के साथ मायके चली गई थी। तब से अम्बरीश मानसिक रूप से परेशान थे। भाई राकेश कुमार ने बताया कि बुधवार शाम अम्बरीश ने शराब भी पी रखी थी। उसी दौरान छत पर चढ़ते समय पैर फिसलने से यह हादसा हुआ। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया।

युवती से दुष्कर्म आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, माल : थाना क्षेत्र में रहने वाली युवती ने दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया है। पीड़िता ने तहरीर में बताया कि करीब चार माह पूर्व गांव के पंकज ने खेत में उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी। बदनामी के डर से पीड़िता ने चुप्पी साधी। प्रताड़ना बढ़ने पर पीड़िता ने आपबीती परिजन को बताई। इसके बाद माल थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस आरोपी को पकड़कर पूछताछ कर रही है।

फर्जी आईपीएस बन 80 करोड़ ठगे, गिरफ्तार

आईएएस व आईपीएस अधिकारी बनकर 150 लोगों से नौकरी के नाम पर भाई-बहनों ने की ठगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सीआईडी व चिनहट थाने की संयुक्त पुलिस ने मास्टरमाइंड को दबोचा

अमृत विचार: गुजरात कॉडर के आईएएस व आईपीएस अधिकारी बन जालसाजी का नेटवर्क यूपी से झारखंड तक फैला। सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर 150 से अधिक लोगों से 80 करोड़ रुपये ठगे गए। छह वर्षों से फरार मास्टर माइंड डॉ. विवेक मिश्रा उर्फ विवेक आनंद मिश्रा को सीआईडी और चिनहट थाने की संयुक्त टीम ने कमता तिराहे से गिरफ्तार किया। गिरोह में उसकी बहनें निधि और विधि मिश्रा भी शामिल थीं। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता डॉ. आशुतोष मिश्रा ने 24 जुलाई 2019 को चिनहट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। डॉ. अभिषेक मिश्रा के मुताबिक डॉ. विवेक मिश्रा, निधि और विधि मिश्रा ने खुद को आईएएस व आईपीएस बताकर नौकरी के नाम पर 150 से अधिक लोगों से 80 करोड़ रुपये ऐंठे। अधिवक्ता ने स्टिंग कर गिरोह का खुलासा किया। इसमें सामने आया कि जालसाज भाई-बहन सोशल मीडिया पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर लोगों को बहकाते थे।

भाई-बहन सोशल मीडिया पर चलाते थे गिरोह: डॉ. आशुतोष के अनुसार डॉ. विवेक से मुलाकात जून 2018 में हुई थी। उसने खुद को 2014 बैच का गुजरात कॉडर का आईपीएस बताया। बाद में पता चला कि वह फेसबुक और व्हाट्सएप पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर नौकरी और शादी के नाम पर पैसा ऐंठता था। विवेक अपनी बहनें निधि और विधि को भी आईएएस/आईपीएस अधिकारी बताता था।

सीआईडी के इंस्पेक्टर रमेश चंद्र तिवारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी झारखंड के बोकारो का निवासी है। उसकी निशानदेही पर साक्ष्य जुटाए गए हैं। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है।

66 करोड़ लोन लेकर फरार होने वाला गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

ईओडब्ल्यू की टीम की गिरफ्त में आरोपी सुनील कुमार भाटिया।

- फर्जी दस्तावेज लगाकर 1993 में की थी हेराफेरी
- ईओडब्ल्यू की टीम ने दिल्ली से दबोचा, 21 वर्ष से था फरार

अमृत विचार: प्रदेशीय औद्योगिक एवं निवेश निगम लि., लखनऊ से 66 करोड़ रुपये का लोन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर हासिल करने वाला आरोपी गुरुवार को गिरफ्तार किया गया। आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) की टीम ने 21 वर्षों से फरार आरोपी सुनील कुमार भाटिया को दिल्ली के अशोक विहार से दबोचा।

ईओडब्ल्यू अधिकारियों के अनुसार, मेसर्स रुहेलखंड एग्रो प्रा. लि. का पंजीकृत कार्यालय पाईवालान चावरी बाजार, दिल्ली में था। प्रवर्तकों, निदेशकों और गारंटर्स ने 1993 में पिकप में फर्जी दस्तावेज बनाकर ऋण के लिए आवेदन किया। प्रदेशीय औद्योगिक एवं निवेश निगम ने लोन पास किया, लेकिन आरोपियों ने किश्तें जमा नहीं की और कंपनी केवल कागजों में संचालित रही। जांच में फर्जीवाड़ा सामने आने पर 2004 में गोमतीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज हुई। शासन ने मामले की जांच ईओडब्ल्यू को सौंप दी थी। अब तक तीन आरोपी दोषी पाए जा चुके हैं। सुनील कुमार भाटिया की गिरफ्तारी के बाद अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। ईओडब्ल्यू की टीम लगातार मामले में कार्रवाई कर रही है और आरोपियों की सम्पत्ति जब्त करने की भी तैयारी कर रही है।

लुटेरा गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ: मदेयगंज पुलिस ने मोबाइल छीनने वाले लुटेरे को गिरफ्तार कर लिया है। इंस्पेक्टर राजेश कुमार सिंह ने बताया कि खदरा निवासी सुमित पांडेय ने 24 सितंबर को मोबाइल लूट की रिपोर्ट दर्ज करायी थी। पड़ताल के दौरान पुलिस ने आरोपी असर निवासी डालीगंज निरालानगर को गिरफ्तार कर लूटा गया मोबाइल बरामद कर लिया है।

ट्रस्ट कोषाध्यक्ष पर 50 लाख रुपये गबन की रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- शौर्य महोत्सव आयोजन, मृतक आश्रित परिजन व समाज सेवा के नाम पर जमा रकम हड़पी
- ट्रस्टियों ने की थी डीसीपी पूर्वी से शिकायत

अमृत विचार: व्यम वरेण्यम फाउंडेशन ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष पर 50 लाख रुपये गबन करने का आरोप लगा है। ट्रस्टियों का आरोप है कि आरोपी ने शौर्य महोत्सव आयोजन, समाज सेवा और मृतक आश्रित परिवारों को दी जाने वाली रकम फर्जीवाड़ा कर हड़प ली। ट्रस्ट बैठक में फर्जीवाड़े की पुष्टि होने पर आरोपी से लेखा-जोखा मांगा गया, लेकिन उसने ट्रस्टियों को धमकाया। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह के आदेश पर विभूतिखंड पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर अमर सिंह ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

विक्रांत खंड-1 निवासी ट्रस्टी डॉ. आशीष प्रताप सिंह ने बताया कि ट्रस्ट के गठन के समय खरगापुर निवासी पंकज सिंह ने सभी ट्रस्टियों के आधार कार्ड व पैन कार्ड लेकर ट्रस्ट बनाया था। पंकज सिंह को सचिव और कोषाध्यक्ष बनाया गया और खाते का संचालन उसकी जिम्मेदारी थी।

31 अगस्त को ट्रस्टियों को आरोपी की करतूतों का पता चला। ट्रस्ट के बैंक ऑफ महाराष्ट्र, विनीतखंड शाखा में समाज सेवा व दान के नाम पर वर्ष 2022 से अब तक 55 लाख रुपये जमा थे। आरोप है कि पंकज सिंह ने शौर्य महोत्सव आयोजन के लिए जमा पांच लाख रुपये समेत 10 लाख रुपये हड़प लिए। इसके अलावा दिसंबर 2024 में दिवंगत हर्षवर्धन सिंह के परिजन को मिलने वाली 5.40 लाख रुपये की सहायता राशि भी उसने दबा ली। यह जानकारी 30 अगस्त को ट्रस्ट बैठक में वीडियो कॉल के माध्यम से सामने आई।

आरोपी ने कार्यालय से लैपटॉप, हार्ड डिस्क और कंप्यूटर भी गायब कर दिए। जब ट्रस्टियों ने वित्तीय जानकारी मांगी, तो पंकज ने धमकी दी। कुल मिलाकर ट्रस्ट का अनुमानित 50 लाख रुपये का गबन हुआ।

विभूतिखंड पुलिस ने डॉ. आशीष प्रताप सिंह की तहरीर पर पंकज सिंह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जाम की समस्या से शहरवासियों को रोज जूझना पड़ता है। गुरुवार को लाटूश रोड पर जाम के चलते रेंगते वाहन। • शुभंकर चक्रवर्ती

साइबर ठग ने मोबाइल का डाटा चोरी कर खाते से उड़ाए 7 लाख

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पीड़िता के पति ने साइबर थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट
- महिला समेत तीन अन्य के खातों से पार किए 6.69 लाख

अमृत विचार: साइबर जालसाजों ने महिला समेत चार लोगों के खातों से कुल 13.69 लाख रुपये उड़ा लिए। कहीं ठगों ने मोबाइल का डाटा चोरी कर खाते साफ किए, तो कहीं मदद के बहाने मोबाइल लेकर रकम उड़ा दी। मामले साइबर थाना, चौक, आलमबाग व कृष्णानगर के हैं। पुलिस ने चारों प्रकरण दर्ज कर साइबर क्राइम सेल की मदद से जांच शुरू कर दी है।

इंदिरानगर के वैभव एंक्लेव निवासी मनोज अग्रवाल की पत्नी किरन का खाता यूनियन बैंक में है। जियो नेटवर्क की दिक्कत पर उन्होंने नया मोबाइल लेकर सिम लगाया तो खाते से रुपये निकलने का मैसेज आया। पासबुक में एंट्री कराने पर पता चला कि 11 दिन में 7 लाख रुपये निकाले जा चुके हैं। मनोज ने बताया कि उन्होंने कभी नेट बैंकिंग या डेबिट कार्ड का प्रयोग नहीं किया। आशंका है कि ठगों ने मोबाइल का डाटा चोरी कर ठगी की। मनोज ने साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी है।

आलमबाग के छोटा बरहा पवनपुरी निवासी सुनील कुमार ने मां को इलाज के लिए लॉरी अस्पताल में भर्ती कराया था। सीटी स्कैन के लिए मेडिकल कॉलेज गेट नंबर-2 पहुंचे तो एक युवती ने अपने बीमार परिचित से बात करने के बहाने मोबाइल मांगा और लेकर भाग गयी। बाद में एटीएम पर पता चला कि खाते से 5.50 लाख रुपये निकाले जा चुके हैं। चौक पुलिस सीसी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

आलमबाग की रुपा महाजन के खाते से भी 94 हजार रुपये उड़ा लिए गए। वहीं, कृष्णानगर निवासी अमरीन बानो के पिता को कॉल कर जालसाज ने रिश्तेदार बनकर 25 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए।

नहीं हुई शव की पहचान, 60 कैमरों की खंगाली गई फुटेज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पारा में हत्या कर बोरे में भरकर फेंका गया था शव

अमृत विचार: पारा के विक्रमनगर ओवरब्रिज के नीचे सब्जी मंडी के पास कूड़े के ढेर में बुधवार को बोरे में भरकर फेंके गए युवक की शिनाख्त अभी तक नहीं हो पायी है। पुलिस ने शिनाख्त के लिए डीसीआरबी के जरिए अन्य जिलों में शव की फोटो भेजी है। जोन छह के नगर-निगम कूड़ा गाड़ी चालकों से पूछताछ की जा रही है। पारा व अन्य इलाकों में पंप्लेट भी चस्पा किए हैं। इसके साथ ही सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफार्म की मदद से पुलिस शव की पहचान कराने का प्रयास कर रही है।

डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि गुरुवार को लापता कुछ युवकों के परिवारवालों ने शव की पहचान के लिए पारा पुलिस से संपर्क किया। उन लोगों को जब शव की फोटो दिखाई गई तो पहचान से इनकार कर दिया। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। शिनाख्त न होने के चलते अभी युवक के शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया है। चेहरे, सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में चोटों के मामूली निशान हैं। गर्दन में कसाव के निशान हैं। पुलिस ने आशंका जताई की मारपीट के बाद युवक की रस्सी से गर्दन कस कर हत्या कर दी गई है।

इंस्पेक्टर पारा सुरेश सिंह ने बताया कि नगर-निगम जोन छह के कूड़ा गाड़ी वाहन चालकों से भी पूछताछ की गई है। आशंका जताई जा रही है कि कूड़ा गाड़ी चालक अंजाने में बोरे में बंद शव को उठाकर ले आए हैं। पुलिस ने घटना स्थल व आस-पास के इलाकों में लगे करीब 60 कैमरों की फुटेज खंगाली है। कूड़ा घर के सामने खम्भे में लगा कैमरा खराब है। जिसकी वजह से शव फेंकने वाली गाड़ी को चिंहित नहीं किया जा सका है। इसके अलावा आईटीएमएस कैमरे की फुटेज में घटनास्थल से एक कार आती और टू व्हीलर गाड़ी जाती हुई नजर आई है। फुटेज में वाहनों का नंबर क्लियर नजर नहीं आ रहा है।

राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष के बेटे को धमकी, रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- संगीतकार है पूर्व अध्यक्ष का बेटा अनुराग, केजीएमयू में आयोजित था कार्यक्रम
- आयोजन कंपनी के अधिकारियों पर बदसलूकी व भुगतान फंसाने का आरोप लगाया

अमृत विचार: राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य अरुण हलदर ने बताया कि उनके बेटे अनुराग हलदर, जो बॉलीवुड गायक और संगीतकार हैं, से केजीएमयू में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बदसलूकी की गई। पूर्व अध्यक्ष के मुताबिक, उन्हें और उनके सहयोगियों को नोएडा की इवेंट कंपनी जेआरएनवाई प्रा. लि. के अधिकारी यशवर्धन गोयल, विक्रांत समेत अन्य लोगों ने जातिसूचक गालियां दीं और भुगतान भी नहीं किया। इस मामले में पूर्व अध्यक्ष ने चौक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अरुण हलदर के अनुसार, कंपनी ने उनके बेटे को 11 अक्टूबर को केजीएमयू में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया। आयोजक यशवर्धन गोयल और विक्रांत ने कार्यक्रम से पहले अनुराग और उसके सहकर्मी पलाश से बातचीत की और बताया कि ध्वनि व प्रकाश व्यवस्था का भुगतान सीधे जूनियर इवेंट्स को किया जाएगा। हालांकि, तैयारी के दौरान जूनियर इवेंट्स ने जबरदस्ती एडवांस भुगतान की मांग की। कार्यक्रम स्थल पर बिजली की भी व्यवस्था नहीं थी, जिसका जानकारी आयोजकों ने नहीं दी। पूछताछ करने पर यशवर्धन और विक्रांत ने बदसलूकी की और धमकी दी।

पूर्व अध्यक्ष ने बताया कि उनके निजी सचिव और सहायक ने मामले को शांत कराने का प्रयास किया, लेकिन आरोपियों ने उनके साथ भी बदसलूकी की। कार्यक्रम के दौरान इन दोनों के व्यवहार से छात्रों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस कमिश्नर से संपर्क करने के बाद मामला शांत हुआ। हालांकि, इसके बाद आरोपी टीम को कॉल कर धमकी देते रहे। उन्होंने कहा, "जो कुछ भी कर सकते हो कर लो, हम यह सुनिश्चित कर देंगे कि तुम अपनी जीविका नहीं कमा पाओगे।"

पूर्व अध्यक्ष ने बताया कि आरोपियों ने उन्हें बंगाली आतंकवादी कहा और उनकी पत्नी के खिलाफ दुष्कर्म की धमकी दी। मंच पर जातिसूचक गालियां दी गईं। पूर्व अध्यक्ष ने इस मामले की सूचना नोएडा पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह को पत्र लिखकर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले को लखनऊ कमिश्नरेट के चौक थाने में ट्रांसफर किया। इंस्पेक्टर चौक नागेश उपाध्याय के अनुसार, कार्यक्रम के दौरान हुए वीडियो, फोटोग्राफी और सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही हैं और मामले की जांच जारी है।

प्लॉट बेचने का झांसा देकर अधिवक्ता से ऐंठे 64.45 लाख

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- जाली आवंटन व कब्जा पत्र दिखाकर फंसाया
- पुलिस ने पूर्व प्रॉपर्टी डीलर समेत चार पर रिपोर्ट दर्ज की

अमृत विचार: एलडीए का प्लॉट बेचने का झांसा देकर जालसाजों ने अधिवक्ता से 64.45 लाख रुपये ऐंठ लिए। आरोपियों ने जाली आवंटन और कब्जा पत्र दिखाकर फंसाया। रजिस्ट्री में आनाकानी पर पीड़ित ने रुपये वापस मांगे तो धमकाया। कोर्ट के आदेश पर गाजीपुर पुलिस ने पूर्व प्रॉपर्टी डीलर समेत चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर दी है।

वृंदावन योजना निवासी अधिवक्ता अमित कुमार निषाद ने बताया कि अगस्त 2024 में उनकी मुलाकात दिलीप सिंह से हुई। उन्होंने प्लॉट दिलाने की बात कहते हुए राहुल कुमार तिवारी से मिलवाया। बताया कि उनके पिता के नाम अप्रैल 2004 में 2152 वर्गफीट का प्लॉट विराजखंड-2 में आवंटित हुआ और कब्जा अक्टूबर 2006 में मिला। एलडीए में 50 लाख जमा होने के बाद रजिस्ट्री होगी।

जाल में फंसाने के लिए आरोपियों ने दस्तावेज भी दिखाए। सौदा 98 लाख में तय हुआ और पीड़ित ने 54.45 लाख ट्रांसफर कर दिए। नवंबर 2024 में 10 लाख नकद देकर एग्रीमेंट किया, जिसमें छह माह में रजिस्ट्री का आश्वासन था। 1 अप्रैल को संपर्क करने पर आरोपियों ने टालमटोल और धमकी दी।

छानबीन पर पता चला कि प्लॉट दूसरे का है। गाजीपुर पुलिस ने दिलीप सिंह, राहुल कुमार तिवारी, नलनी सिंह और देवनाथ केसरी के खिलाफ धोखाधड़ी समेत गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फालोअप — परिजन बताते रहे मोबाइल पर गेम खेलने व बुखार की कहानी

फंदे पर लटकने से हुई थी विवेक की मौत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत का रहस्य गहराया
- अंतिम संस्कार के बाद इंदिरानगर पुलिस घरवालों से करेगी पूछताछ

अमृत विचार: इंदिरानगर के शिवाजीपुरम में 13 वर्षीय विवेक कश्यप की मौत मोबाइल पर फ्री-फायर गेम खेलने के दौरान नहीं, बल्कि फंदा लगाकर आत्महत्या करने से हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हैंगिंग की पुष्टि हुई है। बुधवार को परिवारवाले बुखार और मोबाइल गेम खेलने की कहानी बताते रहे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस का परिवार पर शक गहरा गया। एसीपी गाजीपुर अनिद्य विक्रम सिंह ने बताया कि अंतिम संस्कार के बाद शुक्रवार को घरवालों से पूछताछ की जाएगी।

एसीपी ने बताया कि मां प्रेम कुमारी और बहनें पिंकी, चांदनी व अंजू ने प्रारंभ में पोस्टमार्टम से मना किया था। उनका कहना था कि विवेक तीन-चार दिन से बुखार था और गेम खेल रहा था। दोपहर में बहन अंजू लौटने पर विवेक चारपाई पर अचेत मिला। अनहोनी की आशंका पर पुलिस ने दबाव डालकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

गुरुवार शाम रिपोर्ट से स्पष्ट हुआ कि मौत आत्महत्या से हुई। पुलिस जांच कर रही है कि परिजन क्यों गेम की कहानी बता रहे थे और क्या किसी बात को छिपा रहे थे। विवेक मूल रूप से सीतापुर के नैमिष ठाकुरनगर का रहने वाला था और करीब एक साल से मां व बहनों के साथ शिवाजीपुरम में किराए पर रह रहा था।

इंस्पेक्टर सुनील कुमार तिवारी ने बताया कि विवेक का मोबाइल अभी लॉक है। तकनीकी एक्सपर्ट की मदद से उसे खोलकर हिस्ट्री चेक की जाएगी। प्रारंभिक जांच में गेम खेले जाने की पुष्टि नहीं हुई।

पार्टनरशिप का झांसा देकर 57 लाख हड़पने का आरोप

अमृत विचार, लखनऊ: मौरंग के सरकारी ठेके में पार्टनरशिप का झांसा देकर जालसाजों ने व्यवसायी जितेंद्र पांडेय के 57 लाख रुपये हड़प लिए। आरोपियों ने कौशांबी में ठेका निकालने का झांसा देकर नकद व खाते से करीब 60 लाख रुपये लिए। मई 2023 में डीएम कौशांबी के नाम पर 12 लाख रुपये का ड्राफ्ट भी लिया। विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज व धमकी दी। पुलिस ने मदन गुप्ता, हरवीर सिंह उर्फ काके सरदार और चंदन दीक्षित के खिलाफ धोखाधड़ी और धमकी की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

2 .25 कुंतल पटाखा बरामद, एक गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: दुबग्गा पुलिस और चौक एफएसओ की संयुक्त टीम ने गुरुवार को रायपुर दशहरी गांव स्थित हनुमंत धाम कालोनी में छापेमारी की। यहां 2.25 क्विंटल पटाखों का अवैध भंडारण किया गया था। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

इंस्पेक्टर दुबग्गा अभिनव वर्मा ने बताया कि हनुमंत धाम कालोनी के पास स्थित मकान में अवैध रूप से पटाखों का भंडारण किया गया था। मौके से सआदतगंज के कैंपवेल रोड, मुअज्जमनगर निवासी सत्यम कश्यप को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने तलाशी के दौरान फैक्ट्री मेड 240 पैकेट चरखी, 50 डिब्बे 12 शॉट्स, 36 डिब्बे

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

लाइट क्रिएशन, 149 पैकेट छोटी-बड़ी चकरी, 102 पैकेट पेंटा शॉट्स पटाखा स्काई, 36 पैकेट 1000 ब्यूज वाली चटाई और 40 बॉक्स चकरी बरामद किए। आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

पटाखों का अवैध भंडारण, दो गिरफ्तार

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बन्थरा पुलिस ने बुधवार रात दो स्थानों पर छापेमारी कर भारी मात्रा में अवैध पटाखे बरामद किए और दो युवकों को गिरफ्तार किया। पहला छापा बन्थरा बाजार में मारा गया, जहां 6 पैकेट स्काई शॉट, 1 गत्ता माचिस वाला, 35 पैकेट स्काई शॉट, 20 पैकेट छोटे-बड़े, 23 पैकेट रॉकेट, फुलझड़ियां, अनार और 4 बोरियां देसी पटाखे मिले। वहीं, चनखरा मोड़ के पास एक दुकान से 85 किग्रा अवैध पटाखे बरामद हुए और अल्ताफ खान को गिरफ्तार किया गया।

सिटी ब्रीफ

प्लाटिंग पर चला बुलडोजर तीन निर्माण सील

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विकास प्राधिकरण की टीम ने गुरुवार को चिनहट व गोसाईंगंज में 22 बीघा में दो अवैध प्लाटिंग ध्वस्त की। साथ ही सुशांत गोल्फ सिटी, जानकीपुरम व गुड़म्बा में तीन व्यावसायिक निर्माण सील किए। प्रवर्तन जोन-1 अंतर्गत चिनहट के ग्राम लौलाई में हिमांशु गुप्ता व गणपति बिल्डर्स द्वारा 14 बीघा में अवैध रूप से प्लाटिंग विकसित की गई थी, जिसे टीम ने ध्वस्त किया। गोसाईंगंज के अहिमामऊ में लक्ष्मण मिश्रा व अन्य द्वारा 8 बीघा प्लाटिंग पर बुलडोजर चलाया गया। प्रवर्तन जोन-2 में सुशांत गोल्फ सिटी, ग्राम अहिमामऊ में सेतु वर्मा पत्नी शैलेन्द्र सिंह द्वारा 100 वर्गमीटर निर्माण ध्वस्त किया गया। प्रवर्तन जोन-5 में जानकीपुरम के सैदपुर जागीर में 500 वर्गमीटर और गुड़म्बा में 150 वर्गमीटर निर्माण सील किया गया।

कर्मचारियों की मांगों को लेकर संयुक्त परिषद का धरना

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के प्रांतीय नेतृत्व के निर्देश पर गुरुवार को सरोजिनी नायडू पार्क स्थित कर्मचारी प्रेरणास्थल पर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस दौरान कर्मचारियों ने जिला प्रशासन के माध्यम से मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव को पांच भागों में विभाजित ज्ञापन भेजा। धरने की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष नितिन गोस्वामी और संचालन जिला मंत्री वीरेंद्र तिवारी ने किया। मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष जे.एन. तिवारी और विशिष्ट अतिथि महामंत्री अरुणा शुक्ला थीं। धरने में 300 से अधिक विभागों के कर्मचारियों व आशा बहुओं ने भाग लिया। संयुक्त परिषद ने चेतावनी दी कि यदि 8 नवंबर तक समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो तीसरे चरण का आंदोलन शुरू होगा और 20 जनवरी को विधानसभा घेराव किया जाएगा।

आउटसोर्स कर्मचारियों ने किया हंगामा

अमृत विचार, लखनऊ : राजकीय आयुर्वेदिक अस्पताल में गुरुवार सुबह आउटसोर्स कर्मचारियों ने चार माह से वेतन न मिलने पर हंगामा कर दिया। कर्मचारियों ने अस्पताल गेट पर नारेबाजी कर अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कर्मचारियों का कहना था कि चार महीने से वेतन न मिलने से रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो गया है। बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। कर्मियों ने बताया कि पिछले आठ महीने से पीएफ का पैसा भी नहीं काटा जा रहा है। एक दिन की छुट्टी लेने पर भी वेतन काट लिया जाता है। वेतन भुगतान में देरी पर कर्मचारियों ने नाराजगी जताई और जल्द वेतन देने की मांग की। बाद में प्रशासन द्वारा आश्वासन दिए जाने पर प्रदर्शन समाप्त हुआ।

दीपावली पर्व पर परिवहन निगम मुस्तैद

अमृत विचार, लखनऊ : दीपावली पर्व पर यात्रियों को सुगम और सुरक्षित परिवहन सेवा उपलब्ध कराने के लिए परिवहन निगम ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। निगम मुख्यालय के निर्देश पर लखनऊ क्षेत्र के प्रमुख बस स्टेशनों—आलमबाग, चारबाग, कैसरबाग, अवध और उपनगरीय डिपो—पर 18 से 24 अक्टूबर तक तीनों पालियों में अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित कर दी गई है। क्षेत्रीय प्रबंधक आर.के. त्रिपाठी ने बताया कि प्रत्येक शिफ्ट में अधिकारी संबंधित सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक से समन्वय स्थापित कर यात्री सुविधाएं सुनिश्चित करेंगे। बसों की पर्याप्त उपलब्धता, मार्ग डायवर्जन, हेल्प डेस्क, स्वच्छता, सीसीटीवी निगरानी और खाद्य गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रहेगा। चालक-परिचालकों की ब्रेथ एनालाइजर जांच और यात्रियों से शालीन व्यवहार के निर्देश दिए गए हैं। स्टेशन स्टाफ को बसों में किसी भी ज्वलनशील पदार्थ की रोकथाम की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

एक्सपायर राजभोग, बदबूदार खोवा पकड़ा

खाद्य सुरक्षा एवं औषधीय प्रशासन ने राजेंद्र नगर में 5.57 लाख की मिठाई नष्ट की

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 1,22,650 रुपये का 223 किग्रा काजू बर्फी, सोनपापड़ी व घी सीज

अमृत विचार : खाद्य सुरक्षा एवं औषधीय प्रशासन (एफएसडीए) की टीम ने गुरुवार को राजेंद्र नगर स्थित मां कृपा ट्रेडर्स पर छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की। निरीक्षण में एक्सपायर 22,680 रुपये मूल्य का 252 किग्रा राजभोग नष्ट किया गया। टीम ने सहायक आयुक्त खाद्य विजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में मिल्क केक, कलाकंद, पलीसा, डोडा बर्फी, सोहन पापड़ी, गोंद लड्डू, कराची हलवा, सूची हलवा, फिंगर बर्फी व स्पेशन बर्फी समेत कुल 50 हजार किग्रा और 5,57,440 रुपये मूल्य के खाद्य पदार्थ नष्ट किए। इनके 15 सैंपल जांच के लिए भेजे गए। कारोबारी विजय कुमार गुप्ता को चेतावनी दी गई।

इसके अलावा, आलम नगर स्थित सोना विहार से अशोक कुमार गुप्ता के परिसर से 60 हजार रुपये मूल्य का 150 किग्रा बदबूदार खोया जब्त कर नष्ट किया गया। नादरगंज स्थित श्याम उद्योग से 223 किग्रा काजू बर्फी, सोनपापड़ी व घी मूल्यांकन 1,22,650 रुपये का सीज किया गया। विजय डेयरी, डालीगंज से पनीर और गजानन भोग, कृष्णा नगर से पतीसा समेत कुल 21 खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए गए।

गुडम्बा क्षेत्र के ग्राम भाखामऊ, बेहटा में शमीम ट्रेडर्स से एक्सपायर 16 किग्रा काजू कतली, 6.4 किग्रा लिज्जत पापड़, 36 किग्रा स्मार्ट स्वीट्स ब्रांड पापड़, 11 किग्रा मिक्स आचार, 8.2 किग्रा कचरी सफेद और 3 किग्रा बिस्किट समेत कुल 77.6 किग्रा एवं 43,835 रुपये मूल्य के खाद्य पदार्थ जब्त कर नष्ट किए गए।

सहायक आयुक्त खाद्य ने बताया कि विशेष अभियान में कुल 223 किग्रा खाद्य पदार्थ, मूल्य 1,22,650 रुपये का सीज और 5,077.6 किग्रा, मूल्य 6,01,275 रुपये का मिलावटी खाद्य पदार्थ नष्ट किया गया। सभी कारोबारी को चेतावनी दी गई है। सैंपल फेल होने पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। लोगों से अपील है कि खाद्य पदार्थ खरीदते समय जांच और परख जरूर करें।

राजेंद्र नगर के मां कृपा ट्रेडर्स से एक्सपायर राजभोग नष्ट करती एफएसडीए की टीम

धनतेरस पर व्यापारियों की सुरक्षा के विशेष इंतजाम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- दुकान और बैंक तक आने-जाने के लिए दी जाएगी सुरक्षा
- बाजारों में सादे कपड़ों में गश्त सीसीटीवी से निगरानी

अमृत विचार : धनतेरस से दीपावली तक व्यापारियों और बाजारों की सुरक्षा के लिए पुलिस कमिश्नरेट ने विशेष इंतजाम किए हैं। सराफा और अन्य कारोबारियों के पास नकदी अधिक होने पर उन्हें घर से दुकान और बैंक तक आने-जाने के दौरान सुरक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए व्यवसायियों को संबंधित जोन के डीसीपी और थाने के इंस्पेक्टर को कॉल कर सूचना देनी होगी। राजधानी के सभी बाजारों, खासकर सराफा मार्केट में, सादे कपड़ों में पुलिस की टीम लगातार गश्त करेगी। वहीं, सीसीटीवी कैमरों से पूरे बाजार और संदिग्धों पर नजर रखी जाएगी।

पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर ने इसके लिए आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। निर्देशों के अनुसार, व्यवसायियों की लोकेशन के आधार पर पुलिस कर्मियों को भेजा जाएगा, जो उन्हें सुरक्षित रूप से बैंक, घर और प्रतिष्ठान तक पहुंचाएंगे। बाजारों और चौराहों पर लगे सीसीटीवी कैमरों से संदिग्धों की निगरानी की जाएगी। बैंक के आसपास सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं और बैंक के सीसीटीवी कैमरों को कंट्रोल रूम से जोड़ा गया है। इसके अलावा, स्मार्ट सिटी और सेफ सिटी के सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी होगी। सुबह 10 बजे से पुलिस की ड्यूटी शुरू होगी और देर रात तक गश्त जारी रहेगी।

आलमनगर पहुंची निजी उर्वरक की पहली रैक

अमृत विचार, लखनऊ : अब आलम नगर रेलवे स्टेशन के रैक प्वाइंट पर सहकारी समितियों की तरह निजी क्षेत्र की उर्वरक आएगी। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही की पहल पर गुरुवार को निजी क्षेत्र के लिए हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लि. की 1170 एमटी यूरिया की पहली रैक पहुंची।

जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने प्वाइंट का शुभारंभ करके विक्रेताओं को आवंटन किया। अब तक निजी क्षेत्र की उर्वरक बाराबंकी, सीतापुर व अन्य जिलों के रैक प्वाइंट से आने पर अधिक समय के साथ परिवहन भाड़ा लगता था। बताया कि रबी फसल में किसानों को समस्या नहीं होगी। किसी तरह की समस्या होने पर कंट्रोल रूम नंबर 9198938099 पर कॉल करें। अपने स्थित राजकीय बीज भंडार पर एडीओ कृषि से संपर्क कर सकते हैं।

नटखेड़ा रोड पर ई-रिक्शा चालकों का अतिक्रमण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- व्यापारियों को हो रही परेशानी

अमृत विचार: आलमबाग स्थित नटखेड़ा रोड पर ई-रिक्शा चालकों द्वारा फैलाया गया अतिक्रमण दीपावली पर्व के दौरान व्यापारियों के लिए बड़ी समस्या बन गया है। युवा व्यापार मंडल आलमबाग के अध्यक्ष मनीष अरोड़ा ने बताया कि ग्राहकों को बाजार तक पहुँचने में कठिनाई हो रही है, जिससे व्यापार प्रभावित हो रहा है।

व्यापारियों ने बताया कि उन्होंने चंदरनगर चौकी और डीसीपी मध्य से ई-रिक्शा चालकों के लिए अलग स्थान निर्धारित करने और उन्हें व्यवस्थित रूप से संचालित कराने की मांग की थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ई-रिक्शा चालकों द्वारा दुकानों के सामने खड़े होकर रास्ता जाम करने से अक्सर विवाद की स्थिति बन जाती है।

सड़क पर गलत ढंग से खड़ा ई-रिक्शा।

मुख्य शिकायतें

- ग्राहक रास्ता नहीं पा पाते और लौट जाते हैं। त्योहारी सीजन में व्यापार प्रभावित हो रहा है। प्रशासन से तुरंत हस्तक्षेप की मांग। भीड़ और अतिक्रमण के कारण बाजार की सामान्य गतिविधियां बाधित हो रही हैं। व्यापारियों का कहना है कि अगर प्रशासन जल्द ही कदम नहीं उठाता है तो त्योहारी बिक्री और बाजार की सुरक्षा दोनों प्रभावित होंगे। वे प्रशासन से अपेक्षा कर रहे हैं कि नटखेड़ा रोड पर ई-रिक्शा चालकों के लिए स्थायी स्टैंड बनाए जाएं और अतिक्रमण पर नियंत्रण रखा जाए, ताकि ग्राहकों और व्यापारियों दोनों की सुविधा बनी रहे।

जीपीओ में अब सुबह 10 बजे से होगा डाक सेवा समाधान दिवस

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ जीपीओ में आयोजित होने वाले डाक सेवा समाधान दिवस का समय बदल दिया गया है। अब यह दिवस प्रत्येक माह के पहले और तीसरे शुक्रवार को प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित किया जाएगा। पहले यह सुबह 8 बजे से 11 बजे तक आयोजित होता था। नया समय 17 अक्टूबर 2025 से प्रभावी होगा। डाक सेवा समाधान दिवस की शुरुआत मई 2025 में की गई थी। इसका उद्देश्य डाक सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाना और शिकायत निवारण प्रणाली को सुदृढ़ करना है। इस दिन मुख्य पोस्टमास्टर, लखनऊ जीपीओ की अध्यक्षता में डाक विभाग से संबंधित शिकायतों को सुनते हैं और उनका त्वरित समाधान करने का प्रयास करते हैं। डाक विभाग के अनुसार, जिन शिकायतों का समाधान उसी दिन नहीं हो पाता, उनके निस्तारण तक संबंधित अधिकारी शिकायतकर्ता से संपर्क में रहते हैं और समाधान की प्रक्रिया में उनका सहयोग करते हैं।

युवाओं को शिक्षित ही नहीं प्रशिक्षित भी करना है : महापौर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

सम्मेलन को सम्बोधित करतीं महापौर सुषमा खर्कवाल।

- नगर निगम में आयोजित सम्मेलन में महापौर ने स्वदेशी उत्पाद खरीदने की अपील

अमृत विचार : 'विकसित उप्र @2047-समृद्धि का शताब्दी पर्व' के तहत गुरुवार को लालबाग स्थित नगर निगम मुख्यालय में विशेष सम्मेलन आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश को वर्ष 2047 तक विकसित राज्य के रूप में स्थापित करने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता पर समान रूप से कार्य करना आवश्यक है। हमें युवाओं को केवल शिक्षित ही नहीं, बल्कि प्रशिक्षित भी बनाना होगा ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

महापौर ने कहा कि यदि रिक्शा चालक का बेटा और अधिकारी का बेटा एक ही स्कूल में पढ़ सके, तभी सच्चे अर्थों में समानता और विकास संभव होगा। शिक्षण संस्थानों की फीस को संतुलित करना इस दिशा में पहला कदम है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ने के लिए स्वदेशी अपनाना अत्यंत आवश्यक है। जब हम स्वदेशी उत्पाद खरीदते हैं तो इससे चार से पांच लोगों को रोजगार मिलता है।

महापौर ने लोगों से अपील की कि इस दीपावली स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें और अपने शहर तथा देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएं।

कार्यक्रम में कार्यकारिणी उपाध्यक्ष चरणजीत गांधी, पार्षद दल के उपनेता सुशील तिवारी 'पम्मी', नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, नम्रता सिंह समेत अनेक पार्षद मौजूद रहे।

पदयात्रा के लखनऊ आगमन को लेकर प्रेसवार्ता करती डॉ. रूपरेखा वर्मा।

'एक कदम गांधी के साथ' पदयात्रा कल लखनऊ पहुंचेगी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: वाराणसी से 2 अक्टूबर को राजघाट के लिए रवाना हुई 'एक कदम गांधी के साथ' पदयात्रा 18 अक्टूबर को लखनऊ में प्रवेश करेगी। यह 1,000 किलोमीटर लंबी यात्रा 26 नवंबर को महात्मा गांधी की समाधि राजघाट पहुंचेगी। इसमें पदयात्री 110 पड़ाव डालेंगे और 56 दिन चलते रहेंगे।

पदयात्रा से जुड़ी विस्तृत जानकारी देने के लिए सर्व सेवा संघ के सहयोगी संगठन भारत जन ज्ञान विज्ञान समिति, साझी दुनिया और साझी विरासत ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश प्रेस क्लब में संयुक्त प्रेस वार्ता की। लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति प्रो. रूपरेखा वर्मा ने कहा कि आजादी के बाद लोकतंत्र और संविधान पर सबसे अधिक खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने गांधी की वैचारिक हत्या की आशंका जताई। पूर्व आईएएस आलोक सिंह और हरीश चंद्र ने भी विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि देश की आजादी के लिए शहीदों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और संविधान निर्माताओं ने भारत को धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और समाजवादी देश बनाने का सपना देखा। महात्मा गांधी, भगत सिंह, डॉ. आम्बेडकर, नेहरू, लोहिया, मौलाना आजाद और सरोजनी नायडू ने अपने प्रयासों से समानता, स्वतंत्रता और बन्धुता की व्यवस्था स्थापित की। पदयात्रा 18 अक्टूबर को प्रातः 10:00 बजे मोहनलालगंज से लखनऊ में प्रवेश करेगी।

आधी आबादी ने लिया नए युग की ओर बढ़ने का संकल्प

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एलडीए के शक्ति उत्सव कार्यक्रम में शामिल हुईं महिलाएं व छात्राएं
- छात्राओं के सांस्कृतिक एवं म्यूजिकल प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध हुए लोग

अमृत विचार : मिशन शक्ति के तहत गुरुवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा गोमती रिवरफ्रंट पर आयोजित 'शक्ति उत्सव' में आधी आबादी ने नये युग की ओर बढ़ने का संकल्प लिया। आर्य कन्या इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज एवं श्रीराम एकेडमी की छात्राओं के साथ महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने विजेताओं को सम्मानित किया।

1090 की टीम ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से महिलाओं को हेल्पलाइन नंबर व 1090 पॉवर लाइन वर्क जैसी गतिविधियों में शामिल होने का संदेश दिया। मालविका सिंह ने भरतनाट्यम का लाइव प्रदर्शन किया, जबकि बीबीडी से आयति ने गिटार और यशस्वी ने तबला पर शानदार प्रस्तुति दी। बेटियों को सुरक्षा के लिए परवीन अख्तर ने आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया। अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा, सीपी त्रिपाठी, उप सचिव माधवेश कुमार, एसडीएम संगीता राघव, जोनल अधिकारी वन्दना पाण्डेय एवं प्रोग्रामर प्रेरणा रानी उपस्थित रहे।

रंगोली में उकेरे सुरक्षा साहस व स्वावलंबन के रंग

- मिशन शक्ति थीम पर रंगोली प्रतियोगिता में छात्राओं और महिलाओं ने जमीन पर साहस, सुरक्षा व स्वावलंबन के रंग भरकर आकर्षक आकृतियां बनाई। जूरी पैनल ने सर्वश्रेष्ठ कृतियों का चयन किया। 6-12 वर्ष आयु वर्ग में दिव्या राजपूत को प्रथम, यशिका सिंह द्वितीय और वैष्णवी पाल तृतीय पुरस्कार मिला। 13-18 वर्ष आयु वर्ग में रोशनी, सायसा और मानसी क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहीं। 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में सालिया, महविश और पूजा क्रमशः विजेता बनीं।

शिल्पकला व लजीज व्यंजन

- शक्ति उत्सव में जूट फॉर लाइफ, आशीर्वाद ट्रस्ट, बाला फाउंडेशन, चौतन्य वेलफेयर फाउंडेशन, जेजे फाउंडेशन व सेल्फ हेल्प डेस्क के स्टॉल पर शिल्पकला प्रदर्शनी लगी। नेसकैफे एवं आकांक्षा के स्टॉल पर लोग लजीज व्यंजनों का स्वाद भी ले रहे थे।

सिटी डायरी

विवेक का महापौर ने किया अभिनंदन

विवेक पाण्डेय को सम्मानित करतीं महापौर।

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी के विवेक पाण्डेय द्वारा संग्रहित हनुमान जी के 12,500 चित्रों को इंटरनेशनल बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। इस कीर्तिमान रचने वाले विवेक पाण्डेय का लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने अपने कैम्प कार्यालय में अभिनन्दन किया। महापौर ने उनके सतत आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों की प्रशंसा की। विवेक ने यह सम्मान पवनसुत मारुति नंदन को समर्पित करते हुए इसे सभी हनुमान भक्तों का सम्मान बताया। विवेक पाण्डेय ने 2009 में हनुमान जी की प्रेरणा से सेवा कार्य शुरू किया। 2012 में हनुमत सेवा समिति का गठन कर उन्होंने यह कार्य व्यापक स्तर पर संचालित किया। इसमें सीतापुर रोड पर जरूरतमंद बच्चों के लिए हनुमत पाठशाला का संचालन और कुष्ठ पीड़ितों की सेवा शामिल है। साल 2012 से हर वर्ष राम-हनुमत महोत्सव का आयोजन भव्य रूप में किया जाता है। महोत्सव सदर रामलीला मैदान से शुरू होकर बलरामपुर गार्डन में संपन्न होता है।

पूजा करवातीं मनकामनेश्वर की महंत देव्यागिरि।

नाट्य कला से समाज को संस्कारित किया जा सकता है : महंत देव्या गिरि

अमृत विचार, लखनऊ : बीबीडी के गुरुकुल सदन में गुरुवार को जीजे अकादमी ऑफ ड्रामेटिक आर्ट्स का शुभारंभ हुआ। इसका उद्घाटन मनकामेश्वर मंदिर के महंत देव्या गिरि ने किया। अकादमी में नियमित ड्रामा कोर्स के साथ ही बच्चों के लिए संस्कारशाला भी संचालित की जाएगी। संगीतज्ञ आलोक श्रीवास्तव इस संस्थान के सीईओ और माधवी निगम प्रबंध निदेशक हैं। उन्होंने बताया कि यह निजी क्षेत्र में अपनी तरह की पहली अकादमी है। इसमें एक साल और तीन महीने का ड्रामाटिक सर्टिफिकेट कोर्स और वरिष्ठ नागरिकों के लिए ड्रामेटिक क्लब भी चलाया जाएगा। 5 से 16 वर्ष के बच्चों के लिए समय-समय पर संस्कारशाला आयोजित की जाएगी।

अस्पताल में सामग्री का वितरण करती समाजसेवी ।

समाजसेवियों ने जताया मानवीय सरोकार

अमृत विचार, लखनऊ : दीपावली पर्व के अवसर पर गुरुवार को चंदरनगर स्थित राजकीय अस्पताल में मानवीय पहल देखने को मिली। समाजसेवियों के एक समूह ने अस्पताल में भर्ती जच्चा-बच्चा का हालचाल जाना और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए फल और आवश्यक सुरक्षा किट वितरित की। इस अवसर पर समाजसेवियों में पूजा शुक्ला भसीन, ऋषि भसीन, वीर सिंह और गौरव सहित अस्पताल के अधीक्षक डॉ. शाहिद रजा और अन्य मेडिकल स्टाफ भी मौजूद रहे। समाजसेवी पूजा शुक्ला भसीन ने बताया कि दीपावली के मौके पर नवजात शिशुओं की माताओं को फल और विशेष सुरक्षा किट दी गई।

पारा क्षेत्र में एक डेयरी से भैंस पकड़ कर ले जाते नगर निगम कर्मी।

बंद कराई डेयरी 15 भैंसें पकड़ीं

अमृत विचार, लखनऊ : आईजीआरएस पर दर्ज शिकायतों का संज्ञान लेते हुए गुरुवार को नगर निगम ने जोन-6 अंतर्गत पारा में अवैध डेयरी बंद कराई। डेयरी से 15 भैंस पकड़कर आलमबाग स्थित कांजी हाउस में निरुद्ध किया गया। बताया गया कि जुर्माना अदा करने पर भैंसें छोड़ी जाएंगी। पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव ने बताया कि नगर निगम अधिनियम 1959 के अंतर्गत शहरी सीमा में भैंस पालन पूर्णतः प्रतिबंधित है।

कार्यक्रम

मिशन शक्ति 5 .0 के तहत मनाया दीपदान महोत्सव, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने की कार्यक्रम की शुरुआत

'भिक्षावृत्ति मुक्त लखनऊ' अभियान को सराहा, दिए प्रशस्ति पत्र

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

महिला पुलिस कर्मी को सम्मानित करते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक।

अमृत विचार : केडी सिंह बाबू स्टेडियम में 'मिशन शक्ति 5.0 एवं भिक्षावृत्ति मुक्त लखनऊ' के अंतर्गत गुरुवार शाम दीपदान महोत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया और परिसर में लगे स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने जिला प्रशासन की पहल 'भिक्षावृत्ति मुक्त लखनऊ' की सराहना की।

इस अभियान में योगदान देने वाले महिला कल्याण, नगर निगम, पुलिस, समाज कल्याण, बाल विकास सेवा, पुष्टाहार और डूडा की सात टास्क फोर्स टीमों के 45 कार्मिकों को जिलाधिकारी विशाख जी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसके अलावा स्वैच्छिक संगठन, शिक्षण संस्थान, विशेषज्ञ और व्यापार मंडल के अध्यक्ष को भी प्रशस्ति पत्र दिए गए। मिशन शक्ति 5.0 के तहत पुलिस विभाग और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की 11 महिला कर्मियों को उनकी सक्रिय भूमिका के लिए सम्मानित किया गया। दीपावली के अवसर पर 31 हजार दीये जलाकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद बृजलाल, विधायक जयदेवी, विधायक योगेश शुक्ला, मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र सेंगर, संयुक्त पुलिस आयुक्त बबलू कुमार, सीडीओ अजय जैन, सीवीओ डॉ. सुरेश कुमार समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

111 महिलाओं व पुरुषों को शेल्टर होम भेजा

- जिलाधिकारी ने बताया कि फुटपाथ पर रहने वाले 111 निराश्रित महिलाओं और पुरुषों को रेस्क्यू कर शेल्टर कराया गया। 11 बुजुर्गों को वृद्धा आश्रम में आवासित किया गया। 255 व्यक्तियों को विभिन्न विभागीय योजनाओं से लाभ मिला। 716 बच्चों को विद्यालय और 204 बच्चों को आगंनबाड़ी में नामांकित किया गया, जबकि 273 बच्चों को बाल सेवा एवं 149 बच्चों को स्पांसरशिप योजना से लाभान्वित किया गया।

सिटी ब्रीफ

विद्यार्थी परिषद की कार्यशाला का समापन

अमृत विचार, लखनऊ : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अवध प्रांत के शोध कार्य आयाम व दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ, समाज कार्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय के तत्वाधान में एक दिवसीय शोध कार्यशाला आयोजित हुई। मुख्य अतिथि डॉ. अरुण मोहन शेरी और मुख्य वक्ता अभाविप के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. राज शरण शाही रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. राकेश द्विवेदी ने की। अभाविप अवध प्रांत के शोध कार्य प्रमुख डॉ. जितेंद्र कुमार शुक्ला व संयोजक तान्या तिवारी ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। इसमें 10 से अधिक जिलों के शोधार्थियों ने भाग लिया। अवध प्रांत के प्रदेश मंत्री पुष्पेंद्र बाजपेई, पुष्पा गौतम, विकास तिवारी, लक्ष्मी पांडे, अदिति पॉल, सरिता पाण्डेय, आशुतोष श्रीवास्तव, विराट पांडेय, अंकुर अवस्थी, अभिषेक सिंह समेत छात्र और छात्राएं उपस्थित रहे।

दीपशिखा, देबश्रिता और दीपांशु रहे विजयी

अमृत विचार, लखनऊ : बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के विधि विभाग में द्वितीय बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर इंट्रा मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन संपन्न हुआ। प्रतियोगिता की शुरुआत 14 अक्टूबर को हुई थी, जिसमें 18 टीमों ने भाग लिया। सभी टीमों के प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद दो टीमों का चयन फाइनल के लिए किया गया। विजेता टीम में प्रथम वर्ष की छात्राएं दीपशिखा कुशवाहा, देबश्रिता देवनाथ और दीपांशु गौतम विजयी रहे। मुख्य अतिथि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अधिवक्ता हर्ष चौहान और राम मनोहर लोहिया विश्वविद्यालय के प्रो. प्रेम कुमार गौतम रहे, जबकि अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. सुदर्शन वर्मा ने की। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार चड्ढा, डॉ. सूफिया अहमद, डॉ. अनीस अहमद, डॉ. प्रदीप कुमार सहित शिक्षक, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

डिस्लेक्सिया को लेकर किया जागरूक

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के विशेष शिक्षा संकाय के बौद्धिक अक्षमता विभाग द्वारा "डिस्लेक्सिया पर विद्यालय संवेदनशीलता कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम पीएमश्री बेसिक विद्यालय, खुशहालगंज में किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों, शिक्षकों और समुदाय को डिस्लेक्सिया (पठन कठिनाई) के प्रति जागरूक करना और शिक्षण में समावेशी दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम का आरंभ प्रधानाचार्या अंजलि सक्सेना के स्वागत भाषण के साथ हुआ। इस अवसर पर बौद्धिक अक्षमता विभाग के प्रशिक्षु शिक्षकों और विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा कई आकर्षक गतिविधियां प्रस्तुत की गईं। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रभात फेरी का आयोजन किया गया।

स्कूबा डाइविंग कैंप का सफल समापन

अमृत विचार, लखनऊ : एनसीसी कैडेट्स के लिए आयोजित स्कूबा डाइविंग कैंप का सफल समापन एनसीसी ग्रुप मुख्यालय, गोरखपुर में हुआ। यह कैंप 19 अगस्त से 14 अक्टूबर तक आयोजित किया गया। कैंप का उद्घाटन मेजर जनरल विक्रम कुमार, अतिरिक्त महानिदेशक, एनसीसी निदेशालय, उत्तर प्रदेश ने 19 अगस्त को लखनऊ में किया था। इसका मुख्य उद्देश्य कैडेट्स को साहसिक और जल आधारित गतिविधियों का अनुभव प्रदान करना था। प्रदेश के 11 एनसीसी ग्रुप मुख्यालयों से लगभग 1500 कैडेट्स ने इस कैंप में भाग लिया।

मो. हारिस का हॉकी इंडिया लीग में चयन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश पुलिस हॉकी टीम के होनहार खिलाड़ी मोहम्मद हारिस का चयन हॉकी इंडिया लीग के लिए किया गया है। हारिस ने हाल ही में अपने शानदार प्रदर्शन से सबका ध्यान आकर्षित किया, जिसके चलते उन्हें इस प्रतिष्ठित लीग में खेलने का अवसर मिला।

पीएसी मुख्यालय मीडिया सेल के अनुसार हारिस के खेल में अनुशासन, कौशल और प्रतिबद्धता को देखते हुए हॉकी इंडिया लीग गवर्निंग काउंसिल ने उन्हें टीम में शामिल किया। उनके चयन से न केवल उत्तर प्रदेश पुलिस, बल्कि पूरे प्रदेश को गर्व की अनुभूति हुई। हारिस की इस उपलब्धि को सम्मानित करते हुए उन्हें दो लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इस मौके पर एडीजी पीएसी डॉ. राम कृष्ण स्वर्णकार ने हारिस को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता हमारे पुलिस बल के सभी खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है। हारिस ने साबित किया कि कठिन परिश्रम और समर्पण से किसी भी ऊंचाई को छुआ जा सकता है।

मोहम्मद हारिस

लिवर कैंसर से जंग में मशरूम की सब्जी कारगर

- लविवि शिक्षक की खोज बनी दुनिया में चर्चा का विषय
- मशरूम में पाया जाने वाला तत्व कैंसर कोशिकाओं का तेजी से करता है खात्मा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: आयुर्वेद में कहा गया है कि 'भोजन महाभेषजम' अर्थात भोजन ही महान औषधि है। इसी सिद्धांत को लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ़ फार्मास्यूटिकल साइंसेस के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्राणेश कुमार ने शोध के जरिए साबित किया है। उन्होंने मशरूम में पाए जाने वाले अजिरिडिनस तत्व पर शोध किया, जो हेपेटोसेल्युलर कार्सिनोमा यानी लिवर कैंसर कोशिकाओं को युद्ध स्तर पर मारता है।

डॉ. कुमार के अनुसार, मशरूम दैनिक खानपान का हिस्सा होते हैं, लेकिन यह लिवर कैंसर जैसी घातक बीमारी में भी उपयोगी साबित हो सकता है। शोध टीम ने प्रयोगशालाओं में 18 नए एनोन अजिरिडिनस बनाए, जिनमें हानिकारक प्रभाव कम और कैंसररोधी क्षमता अधिक थी। विशेष रूप से एवाई 128 तत्व कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि को रोकता है और कैस्पेज़-3 व कैस्पेज़-9 के माध्यम से कोशिकाओं के माइटोकांड्रिया को प्रभावित करता है।

डॉ. प्राणेश कुमार

लिवर कैंसर विश्व में मृत्यु के कारणों में छठा स्थान रखता है। इस शोध को टेलर एंड फ्रांसिस जर्नल में प्रकाशित किया गया है और अजिरिडिनस का पेटेंट इंडियन पेटेंट कार्यालय में दर्ज हुआ। डॉ. कुमार का दावा है कि यह खोज भविष्य में लिवर कैंसर की दवा के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मिठाई नहीं, दीपक हैं ये जनाब

बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विवि की पूर्व छात्रा विदुषी के नवाचार ने किया आकर्षित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : शौक जब व्यवसाय बन जाए, तो सफलता अपने आप कदम चूमती है। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय की पूर्व छात्रा विदुषी सक्सेना का नवाचार ऐसा ही है। विदुषी ने अपने शौक और रचनात्मकता को रोजगार में बदला और दिवाली पर करीब 100 से अधिक आकार और आकृतियों वाली खुशबूदार कैंडिल्स तैयार कीं, जिन्होंने लोगों का ध्यान खींचा।

विदुषी की खासियत यह है कि उनकी कैंडिल्स विभिन्न मिठाइयों जैसे लड्डू, इमरती, जलेबी, रसगुल्ला, रसमलाई, गुलाबजामुन, मोदक आदि के आकार में और विभिन्न प्रकार के दीयों, उरली, जारी कैंडिल में बनती हैं। उन्होंने अपने नवाचार को 'फ्लेम एंड फ्लो' के नाम से लॉन्च किया। शुरुआत शौक के रूप में हुई थी, लेकिन दो माह में यह व्यवसाय लाभकारी बन गया।

विदुषी शादी, रिटायरमेंट और बेबी शॉवर जैसे अवसरों पर प्रीमियम क्वालिटी मोमबत्तियों के साथ रेजिन आर्ट और अन्य आर्ट क्राफ्ट का भी कार्य करती हैं। मूलतः बरेली की रहने वाली विदुषी जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग की छात्रा रह चुकी हैं। वह अपने नवाचार का श्रेय माता-पिता और गुरुजनों को देती हैं।

समोसे के आकार में बने दीये।

- अपने अनोखे सोच के दम पर व्यवसाय में नाम करना चाहती हैं विदुषी

विदुषी सक्सेना

आर्डर कैसे करें

- विदुषी के नवाचारी प्रोडक्ट लेने के लिए @flame_andflow इंस्टाग्राम पर संपर्क किया जा सकता है। इसके अलावा ईमेल flameandflow24@gmail.com पर भी ऑर्डर दिए जा सकते हैं।

लविवि में नवग्रह वाटिका की शुरुआत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा से प्रेरित नवग्रह वाटिका की शुरुआत की गई। यह अनोखी वाटिका विज्ञान, संस्कृति और पर्यावरण जागरूकता का सुंदर संगम प्रस्तुत करती है। प्राचीन भारतीय परंपरा के अनुसार नौ ग्रह—सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, राहु और केतु—को मानव जीवन और वनस्पतियों से जोड़ा गया है। प्रत्येक ग्रह का प्रतीक एक पवित्र पौधा है, जिसे आकार, रंग और ज्योतिषीय महत्व के आधार पर चुना गया।

उद्घाटन समारोह में कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि पारंपरिक पारिस्थितिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समन्वय से जैव विविधता संरक्षण के साथ शिक्षा को भी सशक्त बनाया जा सकता है। विभागाध्यक्ष प्रो. गौरी सक्सेना ने बताया कि यह वाटिका छात्रों और आगंतुकों के लिए एक 'जीवंत कक्षा' के रूप में काम करेगी, जहां प्रकृति, ग्रहों और मानव जीवन के बीच सामंजस्य को समझा जा सकेगा।

वाटिका में ग्रहों का प्रतिनिधित्व

- सूर्य : लाल, केंद्र, मदार (कालोट्रोपिस गिगांटिया)
- चंद्र : सफेद, दक्षिण-पूर्व, पलाश (बूटिया मोनोस्पर्मा)
- मंगल : लाल, दक्षिण, खैर (एक्सेसिया कटेचू)
- बुध : हरा, उत्तर, अपामार्ग (एक्रीऐथिंकस)
- बृहस्पति : पीला, उत्तर-पूर्व, पीपल (फिसकस रिलीजीयस)
- शुक्र : सफेद, पूर्व, गूलर (फिसकस रैसेमोसा)
- शनि : काला, पश्चिम, शमी (प्रोसोपीस सीनेरिया)
- राहु : धूसर, दक्षिण-पश्चिम, दूब (सीनोडॉन डैक्टीलोन)
- केतु : धूसर, उत्तर-पश्चिम, कुशा (डेसमोस्टचिया बीपीनाटा)

यह वाटिका विभाग की सौंदर्य वृद्धि के साथ-साथ सांस्कृतिक वनस्पति विज्ञान, ध्यान और पर्यावरण शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगी। भविष्य की पीढ़ियों को प्रकृति और ब्रह्मांडीय ऊर्जा के पारस्परिक संबंध को समझने और सराहने के लिए प्रेरित करने में यह महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

नवग्रह वाटिका का स्वरूप।

नेशनल पीजी कॉलेज के छात्र लोहिया संस्थान में करेंगे इंटर्नशिप

- दोनों संस्थाओं के बीच एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान और नेशनल पीजी कॉलेज के बीच समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर हुए हैं। इसके अंतर्गत नेशनल पीजी कॉलेज के सेंटर ऑफ वोकेशनल एंड फ्यूचरिस्टिक स्टडीज़, बी.वोक, पैरामेडिकल कोर्सेज, ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी, फिजियोथेरेपी, मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी और हॉस्पिटल मैनेजमेंट के छात्र-छात्राओं को इंटर्नशिप का अवसर मिलेगा। छात्र-छात्राएं मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करेंगे, उच्चीकृत लैब उपकरणों और टेस्टिंग प्रक्रिया से परिचित होंगे। ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी में वे ऑपरेशन से पूर्व तैयारियों, सेंसिटाइजेशन और ऑपरेशन के दौरान व बाद की सावधानियों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक प्रो. सी. एम. सिंह ने कहा कि संस्थान हमेशा शैक्षणिक उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति समर्पित रहा है। नेशनल पीजी कॉलेज के मेधावी छात्रों को प्रशिक्षण का अवसर देकर संस्थान स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में कुशल और प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध करा रहा है।

ला मार्टिनियर कॉलेज बना चैंपियन

ट्रॉफी के साथ जीत का जश्न मनाती ला मार्टिनियर कॉलेज की विजेता टीम।

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सूरज के शतक और विवान की घातक गेंदबाजी ने दिलाई जीत

अमृत विचार : 23वीं अविनाश चंद्र चतुर्वेदी मेमोरियल इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में ला मार्टिनियर कॉलेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेंट जोसेफ कॉलेज को पांच विकेट से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मैच गुरुवार को ला मार्टिनियर कॉलेज के खेल मैदान पर खेला गया।

मैच में पहले बल्लेबाज़ी करते हुए ला मार्टिनियर ने 16 ओवर में सभी विकेट खोकर 134 रन बनाए। टीम के सूरज ने 43 गेंदों में विस्फोटक 100 रन की पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 11 छक्के शामिल थे। बाकी बल्लेबाज़ टिक नहीं सके और छह बल्लेबाज़ शून्य पर आउट हो गए। सेंट जोसेफ की गेंदबाज़ी में चार विकेट हासिल किए गए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए सेंट जोसेफ की टीम मात्र 14.5 ओवर में 59 रन पर ऑलआउट हो गई। यश सोमवंशी (13 रन) और अर्णव मिश्रा (12 रन) ही कुछ संघर्ष कर सके। ला मार्टिनियर की गेंदबाज़ी में विवान सिंह ने 5 विकेट झटकते हुए टीम की जीत सुनिश्चित की।

25 तक काली पट्टी बांधेंगे शिक्षक

अमृत विचार, लखनऊ : टीईटी मामले को लेकर शिक्षकों का विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य कर रहे शिक्षक अब 15 अक्टूबर की जगह 25 अक्टूबर तक विरोध जारी रखेंगे। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर देशभर के विभिन्न प्रदेशों में शिक्षक व कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि टीईटी प्रकरण पर वृहद आंदोलन की रणनीति को लेकर दिल्ली में आपसी वार्ता कर रहे हैं। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुशील कुमार पांडे ने प्रदेश के सभी प्रांतीय, मंडलीय, जिला और ब्लॉक पदाधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा कि टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ पूर्व घोषित आंदोलन कार्यक्रम—काली पट्टी बांधकर पठन-पाठन कार्य एवं हस्ताक्षर अभियान-आगामी 25 अक्टूबर 2025 तक जारी रहेगा।

प्रोफेसर ने एक्सेस मॉडल पर रखे विचार

अमृत विचार, लखनऊ : मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग एवं प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मुरैना द्वारा आयोजित 'न्यू टीचिंग पेडागोजी एंड डिजिटल एजुकेशन' विषयक एक दिवसीय ई-संगोष्ठी में लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षक ने अपने विचार रखे। कीनोट स्पीकर के रूप में अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर रवीन्द्र प्रताप सिंह ने अपना एक्सेस मॉडल (एडॉप्ट चेंजेज फॉर क्रिएटिव एजुकेशन टुवड्र्स सस्टेनेबल सोसायटी) प्रस्तुत किया।

डॉ. आरपी सिंह

इस दिशा में उन्होंने शिक्षण की रूपरेखा, शिक्षण प्रविधियों, कक्षा प्रबंधन और मानविकी एवं भाषा शिक्षण से जुड़े प्रोफेशनल्स के दायित्वों पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त डिजिटल ह्यूमैनिटीज और पब्लिक ह्यूमैनिटीज पर चर्चा करते हुए उन्होंने तकनीकी एवं संचार प्रौद्योगिकी द्वारा शैक्षिक पारिस्थितिकी में आए बदलावों की व्याख्या की।

शिक्षिका ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया पलाश मॉडल

अमृत विचार, लखनऊ : फिजी के नाडा स्थित ग्लोबल गिरमिटिया इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ. अलका सिंह ने ऑनलाइन शोध पत्र प्रस्तुत किया। उन्होंने "गिरमिटिया परिवारों और पारिवारिक इतिहास का दस्तावेजीकरण अंतर-सांस्कृतिक संश्लेषण के मानचित्रण हेतु पलाश मॉडल" पर चर्चा की।

डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय की शिक्षिका डॉ. अलका सिंह ने बताया कि 19वीं सदी के उत्तरार्ध और 20वीं सदी की शुरुआत में ब्रिटिश भारत के उत्तर प्रदेश, बिहार और बंगाल के कुछ हिस्सों से अनुबंधित मजदूर, जिन्हें गिरमिटिया कहा गया, को विभिन्न ब्रिटिश उपनिवेशों में भेजा गया। उनका प्रवास, पीड़ा, आघात और विस्थापन नई शुरुआत की गाथाओं के साथ प्रवासी अध्ययनों में जातीय फैलाव का बहुस्तरीय पैटर्न प्रस्तुत करता है।

सिटी डायरी

प्रियंका, शालू और सुदेश ने दिखाया दम

वेटलिफ्टिंग में पदक जीतने वाले खिलाड़ी।

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश पुलिस के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए देशभर में प्रदेश का नाम रोशन किया। अमरावती (आंध्र प्रदेश) में आयोजित ऑल इंडिया पुलिस गेम्स में प्रदेश पुलिस के तीन खिलाड़ियों सुदेश पाण्डेय, शालू और प्रियंका वर्मा ने वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक जीते। स्वर्ण पदक विजेता सुदेश पाण्डेय ने 60 किलोग्राम भार वर्ग में कुल 220 किलोग्राम वजन उठाकर उत्तर प्रदेश पुलिस के लिए स्वर्ण पदक हासिल किया। शालू ने 53 किलोग्राम भार वर्ग में 156 किलोग्राम वजन उठाकर रजत पदक और 69 किलोग्राम भार वर्ग में 186 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक जीता। तीनों खिलाड़ी लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में नियमित रूप से अभ्यास करते हैं। वेटलिफ्टिंग प्रशिक्षक अरविंद कुशवाहा ने बताया कि खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत और समर्पण से यह मुकाम हासिल किया है।

प्रतियोगिता के दौरान वैज्ञानिक प्रयोग करते विद्यार्थी।

यूरेका-2025 का तीसरा दिन रहा रोमांचक

अमृत विचार, लखनऊ : सिटी मोन्टेसरी स्कूल, आनन्द नगर कैम्पस द्वारा आयोजित चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान एवं पर्यावरण ओलम्पियाड 'यूरेका-2025' के तीसरे दिन छात्रों ने विभिन्न रोचक प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर पर्यावरण संरक्षण की भावना को बढ़ाया। क्विज और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन हुआ, जबकि साइंस मॉडल मेकिंग, डूडल मेकिंग और ईको-आर्ट में रचनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा उभरकर सामने आई। यूरेका-2025 का आयोजन 14 से 17 अक्टूबर तक सीएमएस कानपुर रोड ऑडिटोरियम में हुआ, जिसमें नेपाल सहित देश के विभिन्न प्रांतों से 500 से अधिक छात्र भाग ले रहे हैं।

लोक सभा अध्यक्ष से मिलतीं गीता गांधी किंगडन।

सीएमएस प्रबंधक ने लोक सभा अध्यक्ष से की शिष्टाचार मुलाकात

अमृत विचार, लखनऊ : : सिटी मोन्टेसरी स्कूल की प्रबन्धक प्रो. गीता गांधी किंगडन ने नई दिल्ली में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने लखनऊ में आयोजित हो रहे 'अन्तर्राष्ट्रीय मुख्य न्यायाधीश सम्मेलन' में पधारने का निमंत्रण दिया। इस अवसर पर प्रो. किंगडन ने बिड़ला को लखनऊ में नवम्बर माह में आयोजित होने वाले 'न्यायाधीशों के 26वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन' की विस्तृत जानकारी दी।

आशीष नेहरा क्रिकेट एकेडमी की विजेता टीम के खिलाड़ी।

नेहरा एकेडमी ने जीता टी-20 टूर्नामेंट

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. अखिलेश दास गुप्ता टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला आशीष नेहरा क्रिकेट एकेडमी और केवाई स्पोर्ट्स क्लब के बीच जीसीआरजी ग्राउंड पर खेला गया। नेहरा एकेडमी ने केवाई स्पोर्ट्स क्लब को 111 रनों के अंतर से हराकर खिताब अपने नाम किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आशीष नेहरा क्रिकेट एकेडमी ने 217 रन बनाए। जवाब में केवाई स्पोर्ट्स क्लब केवल 106 रन ही बना सकी।

बदलाव

जस्टिन लैंगर आगामी सीजन में भी टीम के हेड कोच रहेंगे

केन बने एलएसजी के रणनीतिक सलाहकार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: आईपीएल 2026 से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स ने सपोर्ट स्टाफ में बड़े बदलाव किए हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन को टीम का रणनीतिक सलाहकार नियुक्त किया गया है। वहीं इंग्लैंड के पूर्व काउंटी क्रिकेटर कार्ल डेनियल क्रो को टीम का स्पिन बॉलिंग कोच बनाया गया। एलएसजी ने स्पष्ट किया कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कोच जस्टिन लैंगर आगामी सीजन में भी टीम के हेड कोच रहेंगे। गेंदबाजी विभाग की कमान पूर्व भारतीय बॉलिंग कोच भरत अरुण के हाथों में बनी रहेगी।

केन विलियमसन का अनुभव टीम की ताकत : 35 वर्षीय विलियमसन अब भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे हैं। उन्होंने 105 टेस्ट मैचों में 33 शतक और 9,276 रन, 173 वनडे में 7,235 रन और 93 टी-20 में 2,575 रन बनाए हैं। उनकी रणनीतिक सोच और शांत स्वभाव टीम के युवा खिलाड़ियों के लिए मार्गदर्शक साबित होंगे। विलियमसन ने कहा, "टीम के पास प्रतिभाशाली स्क्वॉड और बेहतरीन कोचिंग ग्रुप है। आईपीएल का हिस्सा बनना सम्मान की बात है।"

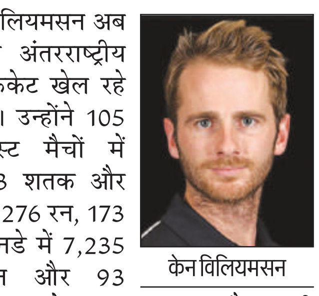
केन विलियमसन

कार्ल क्रो से स्पिन विभाग को मिलेगी धार : क्रो ने 42 प्रथम श्रेणी मैचों में 695 रन और 60 विकेट लिए हैं। आईपीएल में उन्होंने पहले केकेआर के साथ काम किया, जहां टीम के स्पिन आक्रमण को नई दिशा दी। एलएसजी को उम्मीद है कि वह रवि बिश्नोई और अन्य युवा स्पिनरों को नई ऊंचाइयां दिलाएंगे।

हेड कोच जस्टिन लैंगर की योजना : लैंगर ने कहा, "हम हर सीजन उम्मीद और जुनून से शुरू करते हैं। हमारा लक्ष्य है ऐसी फ्रेंचाइज़ी तैयार करना जिस पर खिलाड़ी, समर्थक और परिवार गर्व कर सकें।"

सेंट जोसेफ के वार्षिकोत्सव में पूर्व विद्यार्थी हुए सम्मानित

अमृत विचार, लखनऊ : राजाजीपुरम स्थित सेंट जोसेफ विद्यालय का 39वॉ वार्षिकोत्सव समारोह रंगारंग कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। समारोह में मुख्य सलाहकार, उप मुख्यमंत्री अवनीश कुमार अवस्थी उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत मोमेंट्स, प्लांट और अंगवस्त्र आदि प्रदान कर सेंट जोसेफ समूह की संस्थापक अध्यक्ष पुष्पलता अग्रवाल के साथ प्रबंध निदेशक अनिल अग्रवाल एवं निदेशक नम्रता अग्रवाल द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि अवनीश कुमार अवस्थी ने पूर्व छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया।

अवनीश अवस्थी ने कहा कि किसी भी विद्यालय की पहचान उसके पूर्व छात्रों के द्वारा होती है। नैतिक तथा संस्कार मूल्यों पर आधारित शिक्षा की आवश्यकता है, जिससे देश व समाज को सुयोग्य नागरिक प्राप्त होते हैं। सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों में मुख्य रूप से आदर्श सिंह, शिवांगी मिश्रा, स्पर्श अग्रवाल, शिवम श्रीवास्तव, रेहान अली खान, दीपक सिंह तथा रजत पाण्डेय, शुभम श्रीवास्तव आदि रहे।

गो-हत्या अधिनियम का दुरुपयोग रोकने को क्या किया : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, लखनऊ

- प्रमुख सचिव (गृह) व डीजीपी से व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर बताने को कहा

अमृत विचार : हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने कहा है कि प्रदेश के भीतर गोवंश का परिवहन अपराध की श्रेणी में नहीं आता। हमारे सामने ऐसे मुकदमों की बाढ़ आ रही, जिसमें लोगों को गो-हत्या अधिनियम में फर्जी फंसाया जा रहा है। कोर्ट ने इस पर प्रमुख सचिव (गृह) व डीजीपी से व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर बताने को कहा है कि उक्त अधिनियम के दुरुपयोग को रोकने के लिए क्या किया गया है।

कोर्ट ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि 7 नवंबर तक हलफनामा नहीं आता तो वे कोर्ट में खुद पेश होकर जवाब दें। यह आदेश न्यायमूर्ति अब्दुल मोईन व न्यायमूर्ति एके चौधरी की खंडपीठ ने राहुल यादव की याचिका पर 9 अक्टूबर को पारित किया है। कोर्ट ने पाया कि याची को पुलिस सिर्फ इसलिए परेशान कर रही थी, क्योंकि गाड़ी उसके नाम रजिस्टर्ड थी, जबकि गाड़ी उसका ड्राइवर चला रहा था और उस पर नौ गोवंश परिवहन कर ले जाए जा रहे थे। याची का कहना था कि उन गोवंशों की हत्या का कोई इरादा नहीं था तो ऐसे में उन्हें गो-वध अधिनियम में फंसाना गलत है।

बिहार में राजद-कांग्रेस कर रहे बुर्के की शरारत : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने कहा, विपक्षी दलों के लोग फर्जी वोट डलवाएंगे, लेकिन चेहरा नहीं दिखाना चाहते
- दानापुर व सहरसा में योगी की दहाड़ से गरमाया बिहार का चुनावी माहौल

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को बिहार विधानसभा चुनाव के रण में उतरते ही विपक्ष पर हमलावर नजर आए। दानापुर और सहरसा में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित नामांकन रैलियों में उन्होंने राजद व कांग्रेस को विकास विरोधी बताते हुए कहा कि बिहार जब विकास की बात कर रहा है, तब ये 'बुर्के' की शरारत कर बहस छेड़ रहे हैं।

ये लोग फर्जी वोट डलवाएंगे, लेकिन चेहरा नहीं दिखाना चाहते। योगी ने कहा कि बिहार में विकास की दौड़ को बाधित करने के लिए राजद, कांग्रेस व इंडी गठबंधन के सहयोगी दलों ने विकास बनाम बुर्के की शरारत शुरू की है। जब बिहार विकास की चर्चा कर रहा है तो कांग्रेस, राजद ने बुर्के की नई बहस को बढ़ाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि इन्हें फर्जी पोलिंग का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। राजद व कांग्रेस फर्जी पोलिंग करवाने की चेष्टा कर रहे हैं, लेकिन विदेशी घुसपैठियों को यहां आकर बिहार के नागरिकों, गरीबों व दलितों के अधिकार पर डकैती की छूट नहीं मिलनी चाहिए। यह लोग ईवीएम नहीं, बल्कि पहले के जैसे जबरदस्ती मतदान और मतपत्रों की छिनैती करना चाहते हैं।

बिहार के दानापुर में भाजपा प्रत्याशी रामकृपाल यादव की नामांकन रैली को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

योगी ने कहा कि राजद और कांग्रेस मिलकर बिहार को फिर उसी 'जंगलराज' और अराजकता के युग में ले जाने की कोशिश कर रहे हैं, जिससे वर्ष 1990 से 2005 तक हर बिहारवासी त्रस्त रहा। उन्होंने कहा कि बिहार ने विश्व को लोकतंत्र का पाठ पढ़ाया, लेकिन इन दलों ने इसे अपराध और परिवारवाद की भूमि बना दिया। विकास का पैसा चारा घोटाले में हजम कर लिया गया। योगी ने नीतीश कुमार सरकार के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि बिहार अब लालटेन नहीं, एलईडी की दूधिया रोशनी में आगे बढ़ रहा है। कांग्रेस-राजद के लिए विकास नहीं, परिवार ही सब कुछ है। प्रधानमंत्री मोदी कहते हैं कि 140 करोड़ भारतीय मेरा परिवार हैं, जबकि लालू जी कहते हैं कि राबड़ी देवी का परिवार ही मेरा परिवार है।

राम-जानकी जैसी अटूट है यूपी बिहार की आत्मीयता

योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश और बिहार का रिश्ता भगवान राम और माता जानकी जैसा अटूट है। अयोध्या के श्रीराम मंदिर और बिहार में निर्माणाधीन मां जानकी मंदिर का उल्लेख करते हुए योगी ने कहा कि जब कांग्रेस-राजद कहते थे कि मंदिर नहीं बनेगा, तब हमने कहा था कि अवश्य बनेगा। आज अयोध्या में श्रीराम विराजमान हैं और बिहार में मां जानकी का 900 करोड़ रुपये का मंदिर बन रहा है।

न्यूज ब्रीफ

ओबीसी छात्रों को आज छात्रवृत्ति देंगे मुख्यमंत्री

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को लोकभवन स्थित ऑडिटोरियम में आयोजित छात्रवृत्ति वितरण समारोह में प्रदेश के लगभग पांच लाख छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करेंगे। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) के माध्यम से 4.83 लाख से अधिक छात्रों के बैंक खातों में 126.68 करोड़ की राशि ट्रांसफर करेंगे। वित्तीय वर्ष 2025-26 में पहली बार छात्रवृत्ति वितरण का कार्य सितंबर माह से ही प्रारंभ किया गया है। पहले चरण में 2.5 लाख से अधिक अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) छात्रों को लगभग 62.13 करोड़ की छात्रवृत्ति दी जा चुकी है।

खनन क्षेत्र में यूपी को दूसरा स्थान

अमृत विचार, लखनऊ : भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग के सतत सुधार कार्यक्रमों के चलते राज्य को देश में खनन तत्परता सूचकांक में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। सचिव व निदेशक माला श्रीवास्तव ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशों पर विभाग द्वारा पारदर्शिता, तकनीकी नवाचार और नियमन व्यवस्था में सुधार के कारण राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

मजहब नहीं ले सकता धर्म का स्थान : रंजन

अमृत विचार, लखनऊ : भारत दुनिया का एकमात्र धर्मप्राण देश है। साम्यवादियों ने सबसे अधिक नुकसान भारत का ही किया है। 'धर्म' का स्थान कभी भी 'रिलीजन' या 'मजहब' नहीं ले सकता। यह बातें गुरुवार को गोमतीनगर स्थित सीएमएस सभागार बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वान्त रंजन ने वरिष्ठ पत्रकार व लेखक नरेंद्र भदौरिया की 16वीं पुस्तक 'अमिय' के विमोचन समारोह में कहीं।

ग्रामीण महिलाओं के 5 लाख दीये जगमगाएंगे

अमृत विचार, लखनऊ : दीपोत्सव-2025 में ग्रामीण महिलाओं के हाथों से बने लगभग पांच लाख दीयों से रामनगरी जगमगाएगी। इन दीयों की चमक न केवल दीपोत्सव की दिव्यता को और बढ़ाएगी, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। पर्यटन मंत्री ने गुरुवार को जारी बयान में बताया कि अयोध्या के गौराछार, रामपुरवा और बाराबंकी के भगहर झील क्षेत्र के गांवों की महिलाओं ने पारंपरिक मिट्टी के दीये तैयार किए हैं। अयोध्या के राम कथा पार्क में ग्रामीण महिलाओं को निःशुल्क स्टॉल प्रदान किए जा रहे हैं।

छापे में मिला मिलावटी पनीर-दूध

दीपावली से पहले मिलावटखोर सक्रिय, खाद्य विभाग ने की छापेमारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पनीर निर्माण में रसायन का प्रयोग किए जाने पर 5 प्रतिष्ठानों पर एफआईआर दर्ज
- दो खाद्य सुरक्षा अधिकारी निलंबित, 8 डेयरी व 2 दुकानों के लाइसेंस निलंबित
- बदायूं, गाजीपुर, बुलंदशहर प्रयागराज, संभल, कानपुर सहारनपुर में हुई कार्रवाई

अमृत विचार : प्रदेश में दीपावली से पहले तमाम मिलावटखोर सक्रिय हैं। धर-पकड़ के दौरान मिलावटी पनीर, मावा ही नहीं दूध, देशी घी तक में मिलावटी मिल रही है। ऐसे स्वास्थ्य की नजर से हानिकारक खद्य पदार्थों को मौके पर ही नष्ट कराया जा रहा है। प्रदेशभर में दीपावली के मद्देनजर खाद्य विभाग की छापामारी जारी है और इस कड़ी में आमजन से मिल रहीं शिकायतों पर भी राज्य सरकार कार्रवाई कर रही है।

कार्रवाई के तहत न केवल मथुरा के माठ क्षेत्र के खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेन्द्र कुमार और तहसील गोवर्धन क्षेत्र के मोहर सिंह, को निलंबित कर दिया गया, बल्कि, कई संस्थानों के लाइसेंस रद्द करते हुए उनपर एफआईआर भी दर्ज करायी गई है।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश द्वारा चलाए जा रहे अभियान में अब तक प्रदेशभर में 5,464 निरीक्षण और 2,448 छापों के दौरान 3,369 नमूने एकत्र किए गए हैं। कुल 3,394 क्विंटल मिलावटी खाद्य सामग्री (476 लाख मूल्य) जब्त की गई है, जबकि 1,463 क्विंटल सामग्री (234 लाख मूल्य) नष्ट कराई गई।

सचिव खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉ. रोशन जैकब ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार प्रदेश को मिलावट मुक्त बनाने के उद्देश्य से यह अभियान लगातार प्रभावी परिणाम दे रहा है। 16 अक्टूबर को की गई कार्यवाही में प्रदेश के कई जनपदों में भारी मात्रा में मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त और नष्ट किए गए। उन्होंने कहा कि दीपावली और छठ जैसे त्योहारों के पावन अवसरों पर जनस्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मथुरा में बाजना क्षेत्र की चार डेयरियों में अपमिश्रक का प्रयोग पाए जाने पर चार एफआईआर दर्ज की गईं और छह लाइसेंस निलंबित किए गए। अलीगढ़ में 19,500 किग्रा मिलावटी खाद्य पदार्थ (17.37 लाख रु.) नष्ट कराए गए और 4,188 किलोग्राम सामग्री (23.55 लाख रु.) जब्त की गई। वहीं बदायूं में 2,100 किलोग्राम छेना मिठाई और 960 किलोग्राम पनीर, गाजीपुर में 1,439 किलोग्राम मिलावटी देशी घी, बुलंदशहर में 1,325 किलोग्राम मिलावटी पनीर, प्रयागराज में 5,295 किलोग्राम मिलावटी खाद्य तेल, सम्भल में 2,500 लीटर दूध, सहारनपुर में 1,060 किलोग्राम मिठाइयां तथा कानपुर नगर में 550 किलोग्राम मिलावटी खोया नष्ट कराया गया।

छोटे कारोबारियों, स्टाफ और मजदूरों पर नहीं होगी कार्रवाई : डॉ. जैकब

डॉ. रोशन जैकब ने बताया कि आगरा के गबाना, खैर और मथुरा के बजना क्षेत्र ऐसे संवेदनशील क्षेत्र हैं, जहां बड़ी डेयरियां और पनीर फैक्ट्रियां संचालित हैं, जो मुख्यतः दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में दूध और पनीर की आपूर्ति करती हैं। मुख्यमंत्री की इच्छा के अनुरूप इन क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों में मिलावट के गिरोहों और माफिया तत्वों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए उनकी कमर तोड़ने का अभियान चलाया जाएगा। इसी प्रकार नकली दवाओं के गिरोहों पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को यह स्पष्ट निर्देश दे दिए हैं कि छोटे कारोबारियों जैसे पनीर और मिठाई की छोटी दुकानों, स्टाफ या मजदूरों पर किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जाएगी।

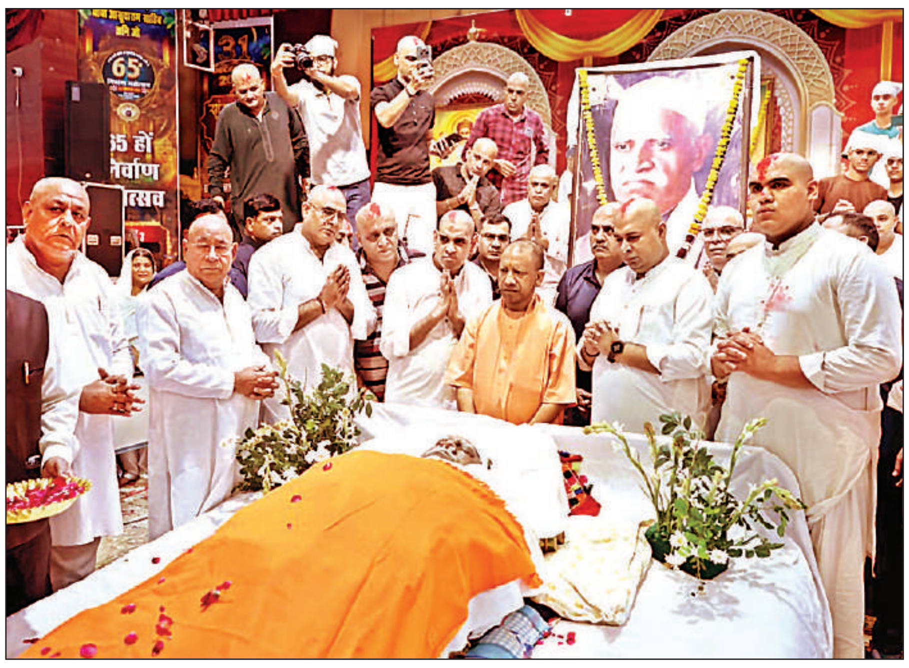
लखनऊ स्थित शिव शांति आश्रम पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ब्रह्मलीन पीठाधीश्वर संत शिरोमणि साईं चांडूराम के पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन कर अर्पित की श्रद्धांजलि, साथ में अन्य।

मुख्यमंत्री योगी ने किए संत शिरोमणि साईं चांडूराम के अंतिम दर्शन

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को लखनऊ स्थित शिव शांति आश्रम पहुंचे और पीठाधीश्वर संत शिरोमणि साईं चांडूराम जी के पार्थिव शरीर के दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। योगी ने संत शिरोमणि के चरणों में नमन करते हुए कहा कि सिंधी समाज के प्रमुख धर्मगुरु का निधन न केवल अनुयायियों के लिए, बल्कि पूरे आध्यात्मिक जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। मुख्यमंत्री ने संत शिरोमणि साईं चांडूराम के पार्थिव शरीर पर केसरिया अंगवस्त्र ओढ़ाया और पुष्पांजलि अर्पित की। गौरतलब है कि संत शिरोमणि साईं चांडूराम बुधवार को ब्रह्मलीन हो गए थे। आश्रम परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ ने अश्रुपूरित नेत्रों से संत शिरोमणि को अंतिम विदाई दी। उन्होंने संत के अनुयायियों और शोकाकुल श्रद्धालुओं से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

सरकार की प्रशंसा कुछ लोगों को अच्छी नहीं लगी

अमृत विचार, लखनऊ : बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) द्वारा बीती 9 अक्टूबर को राजधानी स्थित कांशीराम स्मारक स्थल पर संपन्न श्रद्धांजलि सभा में सरकारी बसों के प्रयोग को लेकर उठे सवालों पर मायावती ने विरोधियों सपा-कांग्रेस को 'खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे' की कहावत से जवाब देते हुए तीखा हमला बोला है, उन्होंने कहा कि हमारी स्वस्थ राजनीति, सरकार की प्रशंसा लोगों को अच्छी नहीं लगी, इन दलों में राजनीतिक ईमानदारी और साहस नहीं है। बसपा प्रमुख, गुरुवार को माल एवन्यू स्थित पार्टी के प्रदेश कार्यालय में यूपी स्टेट व उत्तराखंड प्रभारियों को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि रैली में बसपा के समर्थक अपना धन खर्च करके दूर-दूर से आए थे।

घाटे की भरपाई उपभोक्ता से करने की साजिश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है किपावर कारपोरेशन की कार्यप्रणाली में नीतिगत खामियों के चलते घाटा होने से उसकी भरपाई उपभोक्ता से करने की साजिशें हो रही है। सपा प्रमुख ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि प्रदेश में 10 सितंबर से 6 अक्टूबर तक 1.74 लाख नए बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन हुए जिसमें बढ़ी दरों की वजह से 37,043 आवेदकों के मामले लंबित रह गए। विद्युत उपभोक्ता परिषद ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर के सम्बंध में अंतिम निर्णय तक आवेदकों से ली गई धनराशि वापस देने का भी अनुरोध किया है। विद्युत अधिनियम 2003 में उपभोक्ता को प्रीपेड या पोस्टपेड मीटर में चुनाव का प्रावधान है, लेकिन विभागीय मनमानी चल रही है।

दुश्मन से निपटने को तैयार सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलें

लखनऊ में तैयार ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप लांच करेंगे राजनाथ और योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : दुश्मनों के छक्के छुड़ाने को लखनऊ में सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलें तैयार हैं। राजधानी के डिफेंस कॉरिडोर में तैयार ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप की रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को लांचिंग करेंगे। भारत और रूस संयुक्त रक्षा उपक्रम के तहत लखनऊ के भटगांव में स्थापित संयंत्र में ब्रह्मोस मिसाइलों का निर्माण किया जा रहा है।

भटगांव संयंत्र में एक साल में अभी लगभग 100 सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलें तैयार की जाएंगी। आगे चलकर इसमें बढोत्तरी करते हुए 1500 तक करने की तैयारी है। इन मिसाइलों की खासियत यह है कि ये ध्वनि की गति से लगभग तीन गुना रफ्तार से 400 किलोमीटर तक मार करती हैं। इसे जमीन, हवा, और समुद्र से लांच किया जा सकता है। यह मिसाइल रडार से बचकर सटीक निशाना लगाती है।

रक्षा मंत्री ने इसी साल 11 मई को इस संयंत्र की शुरुआत की थी। इसके बाद इसमें मिसाइलों का निर्माण शुरू किया गया।

कानपुर में 1500 करोड़ की लागत से स्थापित गोला-बारूद संयंत्र में उत्पादन शुरू

उत्तर प्रदेश में लखनऊ, कानपुर, अलीगढ़, आगरा, चित्रकूट व झांसी में रक्षा औद्योगिक गलियारे के छह नोड की स्थापना की गई है। कानपुर में अडाणी डिफेंस सिस्टम एंड टेक्नालाजी लिमिटेड ने 1500 करोड़ रुपये की लागत से गोला-बारूद उत्पादन का संयंत्र स्थापित किया है। इसमें भी गोला-बारूद का उत्पादन शुरू कर दिया गया है। अलीगढ़ में भी एमिटेक इलेक्ट्रानिक्स लि. द्वारा उन्नत इलेक्ट्रानिक वारफेयर सिस्टम और सैटेलाइट उपकरणों का निर्माण किया जा रहा है।

मृतक आश्रितों को दिए अनुकंपा नियुक्ति पत्र

अमृत विचार, लखनऊ : महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग मंत्री बेबी रानी मौर्य ने छह मृतक आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति पत्र प्रदान की। अनुकम्पा नियुक्ति पाने वालों में रश्मि शर्मा को कनिष्ठ सहायक (मेरठ), सलिल बाजपेयी को कनिष्ठ सहायक (पीलीभीत), सिद्धार्थ सिंह कनिष्ठ सहायक (औरैया), शरद कुमार चतुर्थ श्रेणी (चन्दौली), कु. शिखा सविता कनिष्ठ सहायक (औरैया) और लक्ष्य उपाध्याय चतुर्थ श्रेणी (कासगंज) शामिल हैं।

मृतक आश्रित को अनुकंपा नियुक्ति पत्र प्रदान करतीं मंत्री बेबी रानी मौर्य।

मानसिक दिव्यांगों के पुनर्वास को मिला अनुदान

अमृत विचार, लखनऊ : शासन ने प्रदेशभर में मानसिक मंदित एवं मानसिक रूप से प्रशिक्षित दिव्यांगजनों के पुनर्वास के लिए संचालित एमआर होम (आश्रय गृह सह-प्रशिक्षण केंद्र) व हाफ वे होम व लांग स्टे होम चलाने वाली 15 स्वैच्छिक संस्थाओं को 2.12 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत की है। इस अनुदान से लखनऊ, बदायूं, बरेली, गोरखपुर, फर्रुखाबाद और आजमगढ़ जनपदों की संस्थाएं लाभान्वित होंगी। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार, यह राशि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रथम किश्त के रूप में स्वीकृत की गई है। 12 एमआर होम संचालित संस्थाओं को कुल 1.73 करोड़ और तीन हाफ वे व लांग स्टे होम संचालित संस्थाओं को 38.50 लाख की राशि दी गई है। यह राशि अनुदान समिति की संस्तुति के आधार पर स्वीकृत की गई है।

निराश्रित अनाथ नहीं, अब राज्याश्रित

अमृत विचार, लखनऊ : श्रम एवं सेवायोजन विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. एमके शन्मुगा सुन्दरम् ने कहा कि अटल आवासीय विद्यालयों को देश के आदर्श रेजिडेंशियल स्कूल के रूप में विकसित किया जाएगा। साथ ही कहा कि अब तक "निराश्रित-अनाथ" कहे जाने वाले विद्यार्थियों को आगे से "राज्याश्रित" कहा जाएगा, जिससे उन्हें सम्मानजनक सामाजिक पहचान प्राप्त हो सके। प्रमुख सचिव, गुरुवार को उप्र. भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड कार्यालय में अटल आवासीय विद्यालय समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में लिए गए निर्णय की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि आगामी सत्र से अटल आवासीय विद्यालयों में प्रवेश परीक्षा केंद्रीकृत रूप से सीबीएसई पैटर्न से आयोजित की जाएगी, ताकि सभी विद्यालयों में एकरूपता बनी रहे। प्रत्येक विद्यालय में "इनोवेशन लैब" स्थापित की जाएगी।

उम्मीद | बीपी संस्था के पास लाइसेंस न होने पर 2018 में लगी थी रोक

दिसंबर तक पशुओं की वैक्सीन बनाने का दावा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 2023 से चल रही लाइसेंस और लैब विकसित करने की प्रक्रिया

अमृत विचार : बादशाहबाग स्थित पशुपालन निदेशालय में वर्ष 2018 से बंद पड़ा पशु जैविक औषधि यानी बीपी संस्थान तमाम कवायद के बाद भी वैक्सीन बनाने का लाइसेंस नहीं ले पाया है। जबकि औषधि महानियंत्रक (दिल्ली) से लाइसेंस लेने के लिए परीक्षण के तौर पर बनाकर दी गईं वैक्सीन भारतीय पशु-चिकित्सा अनुसंधान संस्थान बरेली के मानकों पर पास हो चुकी हैं। लेकिन, मानकों पर फेल हुई पुरानी लैब विकसित नहीं हो पाई है। इस कारण करोड़ों की वैक्सीन बाहर से ही खरीदी जा रही हैं।

> लैब के कार्य तेजी से चल रहे हैं। इसकी नियमित समीक्षा कर रहे हैं। लगभग कार्य पूर्ण हो गए हैं। मशीन व उपकरण लगाए जा रहे हैं। हरहाल में दिसंबर 2025 तक लैब चालू करने का लक्ष्य रखा है। लाइसेंस मिलते ही वैक्सीन बनाएंगे। इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर भी बनेंगे।
>
> -संगीता तिवारी, अपर निदेशक बीपी संस्थान, पशुपालन निदेशालय

हालांकि नये आये अफसरों से बीपी संस्थान चालू होने की उम्मीद दिख रही है। नियमित समीक्षा और कार्य तेज करते हुए दिसंबर 2025 तक हाईटेक लैब तैयार करके लाइसेंस लेने का दावा किया है और आधुनिक मशीनों से पशुओं की गला घोटू रोग की एचएस, लंगड़ियां यानी ब्लैक क्वार्टर की बीक्यू, खूनी दस्त की ईटीवी और स्वाइन फीवर जैसी वैक्सीन निर्मित की जाएंगी। बाहरी खरीद से विभाग की निर्भरता खत्म होगी और सरकार के करोड़ों रुपये बचाएंगे। इसके अलावा लंपी रोग समेत अन्य वायरल व बीमारियों की शोध करके वैक्सीन बनाई जाएंगी। जो बाहर से गुणवत्तायुक्त होंगी।

निरीक्षण में फेल हो गई थी ब्रिटिश काल की लैब

बीपी संस्थान में वर्ष 1945 से ईटीवी, एचएस, बीक्यू, स्वाइन फीवर, एफआई, पूल पॉक्स, पीपीआर व एचएस-2 ऑयल वैक्सीन बनती थीं। उस समय लाइसेंस की अनिवार्यता नहीं थी न ही हाईटेक लैब व आधुनिक मशीनें थीं। इस कारण वर्ष 2018 में औषधि महानियंत्रक ने वैक्सीन बनाने पर रोक लगा दी थी। विभाग ने वर्ष 2023 में लाइसेंस लेने की प्रक्रिया शुरू करके वैक्सीन बनाकर दिखाई थी। इस क्रम में औषधि महानियंत्रक की टीम के निरीक्षण में पुरानी लैब फेल होने पर लाइसेंस नहीं मिला। तब सरकार ने करीब 14 करोड़ रुपये से आधुनिक लैब विकसित करने की स्वीकृति दी थी। इसमें करीब तीन किस्तों में 6 करोड़ रुपये मिल चुके हैं।

आधुनिक लैब के मुख्य उपकरण व मशीनें

- वॉटर फॉर इंजेक्शन प्लांट
- धूल-मिट्टी न जमने के लिए दीवारों पर ई-पॉक्सी कोडिंग
- तापमान नियंत्रित रखने के लिए एचवी एसी प्लांट
- बायलर, ऑटोमेटिक फिलिंग एंड बॉटलिंग मशीन

इतनी तैयार की जा सकती हैं वैक्सीन

- एचएस : तीन करोड़
- बीक्यू : एक करोड़
- स्वाइन फीवर : तीन लाख
- ईटीवी : चार लाख

आंगनबाड़ी के 69,206 रिक्त पदों पर जल्द होगी भर्ती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने प्रदेश के सभी जिलों में आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं आंगनबाड़ी सहायिकाओं के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए समय-सारिणी निर्धारित करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि समय सारिणी में प्रत्येक चरण के लिए समय-सीमा और तिथियां तय की जाएं, ताकि पूरे प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया में एकरूपता बनी रहे। भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाए।

उन्होंने हिदायत दी कि इससे पूर्व इन पदों को भरने के लिए सभी जिलों में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समिति का गठन कर लिया जाए। इससे पूर्व इन पदों को भरने के लिए सभी जिलों में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समिति का गठन कर लिया जाए। मुख्य सचिव ने ये निर्देश बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग के कार्यों समीक्षा के दौरान दिए। मुख्य सचिव एसपी गोयल ने चेतावनी देते हुए कहा कि पीड़ितों को सहायता देने के मद्देनजर प्रकरण अनावश्यक रूप से किसी भी स्तर पर लंबित न रहें। अनावश्यक रूप से अधिक समय तक प्रकरण को लंबित रखने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

एसीएस ने दिया रिक्त पदों का ब्योरा

अपर मुख्य सचिव महिला कल्याण लीना जौहरी ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के 7,952 तथा आंगनबाड़ी सहायिकाओं के 61,254 पद रिक्त हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के रिक्त पदों में 2,123 पूर्व चयन प्रक्रिया से आच्छादित पद, 306 नव सृजित आंगनवाड़ी केंद्रों से संबंधित पद और 5,523 मिनी आंगनबाड़ी कार्यकत्री के पदों को मुख्य आंगनबाड़ी कार्यकत्री पद में परिवर्तित पद शामिल हैं। इसी प्रकार, आंगनबाड़ी सहायिकाओं के रिक्त पदों में 38,994 सेवानिवृत्ति, मृत्यु आदि कारणों से रिक्त पद और 22,260 मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों को मुख्य केंद्रों में अपग्रेड किए जाने से नव सृजित पद सम्मिलित हैं। कुल मिलाकर 69,206 रिक्त पदों को शीघ्र भरने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

जो कुछ भी हम हैं, वह हमारे विचारों का परिणाम है।

–महात्मा बुद्ध

फिर गरमाएगा गाजा

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा हमास को दी गई धमकी कि यदि वह हथियार नहीं डालता है, तो उसके विरुद्ध जल्दी और शायद अधिक हिंसक 'निर्णायक कार्रवाई' होगी, ने पश्चिम एशिया में फिर से तनाव बढ़ा दिया है। बड़ी मुश्किल से बातचीत शुरू हुई थी और शांति की उम्मीद बढ़ी थी, लेकिन ट्रंप के बयान ने फिर से हालात तनावपूर्ण बना दिए हैं। बेशक, हमास की हालिया कारगुजारियां निंदनीय हैं, लेकिन ट्रंप की भाषा और रुख भी कूटनीतिक दृष्टिकोण से उचित नहीं हैं। प्रश्न उठता है, क्या उनकी धमकी से क्षेत्र में शांति आएगी या इससे हिंसा और गहराएगी? हमास की हरकतों, नेतन्याहू की चालबाजियों तथा ट्रंप के तेवरों से गाजा का विवाद एक बार फिर विस्फोटक मोड़ पर खड़ा हो गया है। ट्रंप की नीति किसी हिंसक विवाद में परंपरागत मध्यस्थता की रीति से सर्वथा भिन्न है। इजराइल को लगभग बिना शर्त समर्थन देने वाले ट्रंप फिलिस्तीनी मुद्दे को सुरक्षा के बजाय आतंकवाद के चश्मे से देख रहे हैं, जिसके चलते उनकी चेतावनी से हमास झुकने के बजाय और उग्र हो सकता है। ऐसी स्थितियों में किसी भी पक्ष की चरम प्रतिक्रिया पूरे क्षेत्र को फिर से युद्ध की आग में झोंक सकती है। शांति प्रक्रिया में शामिल होने की हामी के बावजूद, हमास ने हथियार डालने पर कभी कोई स्पष्ट सहमति नहीं दर्शाई। उसकी हिंसक गतिविधियां शांति प्रक्रिया में बाधक हैं। यदि वह निरस्त्रीकरण नहीं करता, तो शांति का एकमात्र विकल्प बहु-स्तरीय वार्ता और क्षेत्रीय गारंटी तंत्र बनाना ही रह जाता है। इसमें केवल अमेरिका या इजराइल नहीं, बल्कि मध्यस्थ देशों की सक्रिय भूमिका आवश्यक है।

कतर, तुर्किए और मिस्र इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। कतर लंबे समय से हमास का आर्थिक सहयोगी और मध्यस्थ रहा है, तुर्किए की पहचान मुस्लिम विश्व में प्रभावशाली और अपेक्षाकृत स्वतंत्र आवाज के रूप में है, वहीं गाजा की सीमा से सटे होने के कारण मिस्र की भौगोलिक स्थिति उसे वार्ता और सुरक्षा प्रबंधन दोनों में केंद्रीय भूमिका निभाने के योग्य बनाती है।

सुरक्षा और शासन के लिए न्यूनतम स्थायित्व से पहले फिलिस्तीनी प्राधिकरण की गाजा में वापसी संभव नहीं, जबकि इन देशों के साझा प्रयासों से एक 'क्षेत्रीय निगरानी ढाँचा' जरूर तैयार किया जा सकता है, जो हमास के सीमित निरस्त्रीकरण, युद्ध विराम की निगरानी और नागरिक पुनर्निर्माण का काम कर सके या फिर गाजा में ऐसी निष्पक्ष अंतर्राष्ट्रीय या अरब शांति सेना की तैनाती की जा सकती है, जिसका कार्य केवल सुरक्षा ही नहीं, बल्कि पुनर्वास और प्रशासनिक संक्रमण की देखरेख भी हो। भारत के पास अंतर्राष्ट्रीय शांति अभियानों में साख और अनुभव दोनों हैं, वह इस बल में रचनात्मक भूमिका निभा सकता है। यदि इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू शांति प्रक्रिया को केवल सैन्य दृष्टि से देखेंगे, तो अंतर्राष्ट्रीय दबाव और आंतरिक असंतोष बढ़ना तय है। इस प्रकरण से साफ है कि आतंकवाद और राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-साथ राजनयिक संवाद, मध्यस्थता और मानवीय संवेदना को भी समान महत्व देना आवश्यक है। स्थायी शांति तभी संभव होगी, जब धमकियों की भाषा छोड़कर बातचीत की भाषा को फिर से स्वीकार किया जाए।

प्रसंगवश

सर सैयद की विरासत को बचाने की जरूरत

आज सर सैयद अहमद खां की जयंती है। उन्हें याद करते हुए एक बात और याद आती है। सर सैयद का मानना था, 'मैं समझता हूं इंसान की रूह बगैर तालीम के चितकबरे संग-ए-मरमर की तरह है, जब तक संगतराश उसे नहीं तराशता, उसके खूबसूरत बेल-बूटे छुपे रहते हैं। यही हाल इंसान की रूह का है। तालीम ही इंसान की रूह को खूबसूरत बनाती है।' अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के संस्थापक आधुनिक भारत के निर्माताओं में से एक, सर सैयद एक शिक्षक, समाज सुधारक और राजनीतिज्ञ थे, जिन्होंने भारत के मुसलमानों के लिए आधुनिक शिक्षा की शुरुआत की थी। उनका पूरा नाम सैयद अहमद बिन मुनतक्वी खां था, लेकिन लोग उन्हेंक सम्मान से सर सैयद और सर सैयद अहमद खां के नाम से पुकारते थे।

खालिद जीलानी

बरेली

सर सैयद का जन्म 17 अक्टूबर' 1817 को दिल्ली में हुआ था। इनके नाना मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर के दरबार में वजीर और दादा सैयद हादी, मुंसिफ थे। 1842 में भारत के आखिरी मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर ने उन्हें 'जवाद-उद-दौला' का खिताब दिया था। 1857 क्रांति की असफलता के चलते सर सैयद का घर तबाह हो चुका था और खानदान के कई लोग भी इस क्रांति में मारे गए। उनकी मां को जान बचाने के लिए करीब एक सप्ताह तक घोड़े के अस्तबल में छुपे रहना पड़ा। इसके बाद वे पूरी तरह अंग्रेज़ों और उनके शासन के खिलाफ हो गए। अंग्रेज शासकों ने साजिश के तहत स्कूल की किताबों को उर्दू, फारसी से अंग्रेजी में बदल दिया, जिसका मुस्लिम समुदाय ने विरोध किया और अंग्रेजी भाषा में पढ़ने से इनकार कर दिया। बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर दिया और यहीं से मुस्लिम समाज स्कूल और शिक्षा से दूर होता गया।

अंग्रेजी के बिना बड़े ओहदों पर नौकरी मिलना बंद हो गई और समाज बेरोजगारी व अशिक्षा की ओर बढ़ता गया। सन् 1857 की क्रांति, सर सैयद अहमद के जीवन की अहम घटना थी। उन्हें मुगल दरबार में अच्छा ओहदा मिला था। उसके बावजूद उन्होंने मुगल दरबार छोड़कर ब्रिटिश हुकूमत में नौकरी कर ली और बनारस के स्माल काज कोर्ट के जज से रिटायर हुए। अंग्रेजों ने सेवा व ईमानदारी को देखते हुए उन्हें 'सर' की उपाधि से विभूषित किया। नौकरी में रहते हुए मुरादाबाद, बरेली, गाजीपुर और अलीगढ़ में उन्होंने कई आधुनिक स्कूल, कॉलेजों और संगठनों की स्थापना की। आधुनिक शिक्षा के चलते उन पर अंग्रेजों के वफादार होने का इल्जाम लगाया गया, फतवे लगे।

सर सैयद के दूरदर्शी होने का पता इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने इसका अंदाजा लगा लिया था कि मुस्लिम समुदाय के लिए खासकर उत्तर भारत में सामाजिक और राजनीतिक वजूद बनाए रखने के लिए अंग्रेज़ी भाषा एवं आधुनिक विज्ञान में निपुणता और कौशल प्राप्त करना होगा। सर सैयद उन रहनुमाओं में से थे, जिन्होंने पिछड़े, निर्धन मुस्लिम समाज के सशक्तिकरण में शिक्षा की क्रांतिकारी भूमिका को अहम माना। वे न केवल आधुनिक भारत के महान राष्ट्र निर्माता थे, बल्कि एक महान समाज सुधारक भी थे। विभिन्न स्कूलों की शुरुआत करके उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के निर्माण की भूमिका तैयार कर दी थी। मुसलमानों में वैज्ञानिक चेतना का निर्माण और पश्चिमी ज्ञान को भारतीयों को अपनी भाषा में उपलब्ध कराने के लिए उन्होंने 1863 में 'साइंटिफिक सोसाइटी' की स्थापना की। 1866 में 'साइंटिफ़िक सोसाइटी' की मैग्जीन 'अलीगढ़ इंस्टिट्यूट गजेट' की शुरुआत की, जिसके जरिए पारंपरिक मुस्लिम समाज की सोच बदलने में उन्हें कामयाबी मिली।

महानगरों की कुरीतियां गांव तक पहुंचना घातक

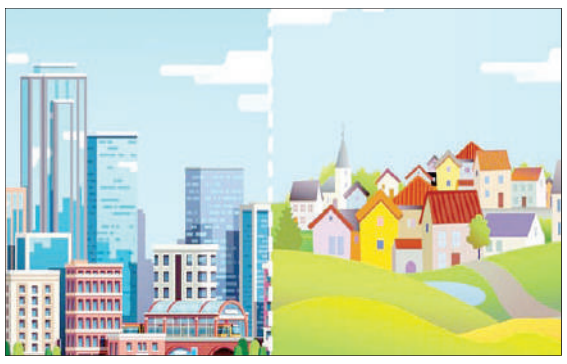

विवेक सक्सेना

अयोध्या

महानगरों में व्याप्त कुरीतियां छोटे शहरों और गांव तक पहुंच रही हैं। परिणाम स्वरूप पारिवारिक विघटन, विवाह विच्छेद, बुजुर्गों की उपेक्षा और रिश्तों में कड़वाहट बढ़ रही है।

महानगरों में व्याप्त भौतिकवादी दृष्टिकोण, अपराध की प्रवृति और विलासी जीवन शैली जैसी कुरीतियां अब छोटे शहरों व गांव तक पहुंच रही हैं। जो सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि से अत्यंत घातक सिद्ध हो रही हैं। इसके परिणाम स्वरूप पारिवारिक विघटन, विवाह विच्छेद, बुजुर्गों की उपेक्षा और रिश्तों में कड़वाहट बढ़ रही है। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने भी अब सार्वजनिक मंच पर न सिर्फ इसको लेकर चिंता व्यक्त की है, बल्कि युवाओं को इनसे दूर रहने की अपील के साथ-साथ महिलाओं व युवतियों को अपनी मर्यादा पहचानने और उसमें रहने की नसीहत भी दी है। इसमें सबसे ज्यादा घातक माना जा रहा है, समाज में तेजी से बढ़ता लिव-इन-रिलेशनशिप का चलन।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने 13 अक्टूबर को डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में युवाओं और खासतौर पर बेटियों को इससे बचने की नसीहत दी। उन्होंने कहा, अगर लिव-इन रिलेशनशिप का परिणाम देखना है, तो अनाथालय जाइए, जहां 15-20 साल की बेटियां एक-एक साल के बच्चों को लेकर लाइन में खड़ी हैं। मैं लखनऊ में गई थी। तीन कमरों में बेटियों से मिली, उनके हालात देखकर आंखें नम हो गईं। बेटियों को लुभावने झांसे में नहीं आना चाहिए। इससे पूर्व उन्होंने बलिया में जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में और वाराणसी के महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के दीक्षांत समारोह में भी यही दोहराया।

इस मुद्दे पर वह कितनी गंभीर और चिंतित हैं इसका अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि वो मंच से बेटियों के साथ-साथ अभिभाभकों को भी नसीहत दे रही हैं कि बेटे-बेटी की पूरी जानकारी रखें। यह उनका कर्तव्य ही नहीं अधिकार भी है। बेटों पर अंकुश लगाएं। युवाओं से राज्यपाल का, महिला, मां और दादी के रिश्ते का हवाला देते हुए इससे दूर रहने की मार्मिक अपील करना कि इससे दूर रहें, दर्शाता है कि यह समस्या विकराल रूप ले रही है। जो पूरे समाज के लिए चिंताजनक है।

लिव-इन रिलेशनशिप, जो कभी महानगरों की चीज समझी जाती थी, अब लखनऊ, मुरादाबाद, कानपुर, बरेली और गोरखपुर जैसे शहरों में भी सामान्य होती जा रही है। इसी पृष्ठभूमि में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल का यह बयान सिर्फ नैतिक सलाह नहीं, समाज की चिंता और बेचैनी की झलक भी है। एक साल में उत्तर प्रदेश के कई जिलों से लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़ी घटनाएं सुर्खियों में आई हैं। अब गांवों और कस्बों से भी लिव-इन के केस आने लगे हैं। जो चलन कभी सिर्फ मेट्रो सिटी तक सीमित था, अब अर्धशहरी इलाकों में आम होता जा रहा है। समाजशास्त्रियों का मानना है कि लिव-इन रिलेशनशिप व्यक्ति और समाज के बीच बढ़ती दूरी का परिणाम है। संयुक्त परिवार की जगह अब एकल परिवार ने ले ली है। युवा आर्थिक रूप से स्वतंत्र हैं, पर भावनात्मक रूप से अकेले। ऐसे में वे जुड़ाव और सुरक्षा रिश्तों में खोजते हैं। सवाल यह है कि क्या राज्यपाल का यह सिर्फ नैतिक संदेश है या एक सामाजिक चेतावनी? आर्थिक आत्मनिर्भरता ने बेटियों को निर्णय की शक्ति दी है, लेकिन जब एक रिश्ते में कोई कानूनी या सामाजिक सुरक्षा न हो, तो नुकसान की संभावना बढ़ जाती है।

लिव-इन रिलेशनशिप पर कानून और न्यायपालिका की सोच भी पिछले कुछ सालों में बदली है। सुप्रीम कोर्ट ने नौ मार्च 2025 को अपने एक अहम फैसले में कहा कि अगर दो सक्षम वयस्क लंबे समय तक साथ रहते हैं, तो माना जाएगा कि उन्होंने यह रिश्ता अपनी मर्जी से चुना है और इसके परिणामों से परिचित हैं। महिलाएं आर्थिक रूप से स्वतंत्र हैं और अपने जीवन के निर्णय लेने में सक्षम हैं, लेकिन हकीकत यह है कि जब रिश्ता टूटता है, तो जिम्मेदारी और संरक्षण का सवाल सामने आ जाता है। खासकर तब, जब महिला गर्भवती हो या आर्थिक रूप से निर्भर हो।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि देश में लिव-इन पार्टनर से जुड़े विवादों और आत्महत्याओं के मामलों में तीन वर्षों में 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पीड़ितों में अधिकांश महिलाएं 18 से 28 वर्ष की थीं। इनमें सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के मामले थे। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का बयान इसी टकराव की जमीन पर खड़ा दिखता है। एक ओर बदलती सामाजिक हकीकत, दूसरी ओर पारंपरिक चिंता। क्या सिर्फ चेतावनी या मार्मिक अपील से युवाओं का व्यवहार बदलेगा, या उन्हें रिश्तों को लेकर शिक्षित करने, संवाद बढ़ाने और सुरक्षा देने की जरूरत है?

लिव-इन पर समाज का नजरिया धीरे-धीरे बदल रहा है, पर उसमें पारिवारिक जिम्मेदारी और भावनात्मक समझ की कमी है। अदालतें इसे व्यक्तिगत चुनाव मान रही हैं, पर समाज अब भी इसे पारंपरिक मापदंडों से आंकता है। ये मुद्दा समाज के लिए एक जटिल और विवादास्पद विषय है। इसमें आधुनिकता और स्वतंत्रता के साथ कई सामाजिक, नैतिक और पारिवारिक चुनौतियां भी शामिल हैं। भारतीय समाज में पारंपरिक रूप से विवाह को पवित्र संबंध माना जाता है, जबकि लिव-इन-रिलेशनशिप इस परंपरा के विपरीत है। यह रिश्तों को व्यक्तिगत स्वतंत्रता और समानता के रूप में देखता है, जिसे युवा पीढ़ी अपनाने लगी है, हालांकि परिवार और समाज अब भी इसे पश्चिमी प्रभाव मानकर अस्वीकार करते हैं। यहां यह कहना उचित होगा कि लिव इन पूरी तरह घातक नहीं, लेकिन अनियोजित या गैर-जिम्मेदार ढंग से निभाया गया ऐसा रिश्ता युवाओं खासतौर पर महिलाओं और समाज के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकता है।

आमने

छापुर गांव में शिव मंदिर तोड़ा गया था और मुझे इस बात से गहरा दुख पहुंचा है। आजकल कुछ लोग नफरत फैलाने की राजनीति कर रहे हैं। ऐसे लोग समाज को तोड़ रहे हैं। एक पूर्व सांसद के नजदीकी ने मुझे 'आतंकवादी' और 'मुल्ली' कहकर पुकारा।

–**इकरा हसन**, सपा सांसद

सामने

मेरे घर में भी बहनें, बेटियां और माता हैं। उनके प्रति भी गलत बातें कही गईं, लेकिन हमने कभी हताश और निराश होकर राजनीति नहीं की। यह सपा सांसद का फर्स्टेशन है, जो अब बाहर निकल रहा है। लोगों की भावनाएं अगर किसी ने व्यक्त की हैं, तो हम गलत भाषा का समर्थन नहीं करते। –**प्रदीप चौधरी**, पूर्व भाजपा सांसद

बिहार में 'पढ़ाई, कमाई व दवाई' बन रहा मुद्दा

मनोज कुमार सिंह

साहित्यकार

बिहार के लोगों को पढ़ाई, कमाई और दवाई के लिए प्रदेश से बाहर जाना पड़ता है। बिहार चुनाव में इन वजहों से हो रहा पलायन मुद्दा बन रहा है।

पढ़ाई-लिखाई दवाई और कमाई के लिए पलायन करना आम बिहारियों की लंबे समय से फितरत बन चुकी है। बिहार के लोगों को पढ़ाई, कमाई और दवाई के लिए अपने पड़ोसी राज्यों की राजधानियों सहित देश के दूसरे महानगरों में जाना पड़ता है। राजनीतिक दलों के नेता इस बार चुनाव में जनता से वादा कर रहे हैं कि हम ऐसी नीतियां बनाएंगे, जिसमें पढ़ाई, कमाई और दवाई के लिए किसी भी बिहारी को बाहर नहीं जाना पड़ेगा। पलायन का नारा 2020 के चुनाव में तेजस्वी यादव द्वारा उछाला गया था और इस बार चुनाव में लगभग सभी राजनीतिक दल अपने अपने मंचो से उछाल रहे हैं। पढ़ाई-लिखाई, दवाई और कमाई का वादा और भाषण चुनावी मंचों से उछाला जा रहा है। अहम यह है कि यह छलावा देने का कोरा नारा होगा या जमीन पर खरा उतरेगा, यह आने वाले भविष्य में तय होंगे। परंतु वादे के रूप में उठाया गया यह बुनियादी और गंभीर विषय बिहार और पूर्वांचल के बुद्धिजीवियों, राजनीतिक, आर्थिक विश्लेषकों और स्वाभिमानी चरित्र के राजनीतिज्ञों के लिए चिंतन-मनन और गहराई से आत्म-विश्लेषण करने का विषय जरूर बन गया है।

जब डार्विन अपने देश के लोगों को समझा रहे थे कि हम बंदर की औलाद हैं। उससे हजार साल पहले चाणक्य और चंद्रगुप्त के बिहार में नालंदा, बोधगया, विक्रमशिला जैसी ज्ञान की एक दर्जन महान ध्वजपताकाएं फहरा रही थीं और जिसकी गूंज पूरी दुनिया में फैली हुई थी। इस देश के कोने-कोने से एवं दुनिया के तमाम देशों से लोग अपनी ज्ञान पिपासा को शांत करने के लिए इन विश्वविद्यालयों में अध्ययन के लिए आते रहते थे। ह्वेनसांग और फाह्यान के संदर्भो जैसे अनगिनत उदाहरण इतिहास के पन्नों में खोजने खंघालने पर हमें मिल जाएंगे, जो पवित्र पावन भूमि ऋषभदेव से लेकर महावीर स्वामी जैसे चौबीस तीर्थंकरों और सत्य, अहिंसा, करुणा, दया, परोपकार की साक्षात प्रतिमूर्ति महात्मा बुद्ध जैसे सर्वश्रेष्ठ बौद्धिक आध्यात्मिक और दार्शनिक चेतना से परिपूर्ण व्यक्तित्वों की सृजनात्मक रचनात्मक और मानवतावादी चिंतनधारा और ज्ञान गंगा से निरंतर अभिसिंचित होती रही और आज भी पूरा विश्व इन महापुरुषों के दिव्य ज्ञान और दर्शन से दिव्यालोकित हो रहा है।

आज उसी बिहार का नौजवान बेहतर जिंदगी की आस में, बेहतर शिक्षा के लिए इलाहाबाद विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय जैसे देश के अन्य शिक्षण प्रशिक्षण संस्थानों में पढ़ाई-लिखाई के लिए दर-दर भटकता रहता है। यह गहन अध्ययन और चिंतन का विषय है कि जिस धरती पर पूरी दुनिया से अपनी ज्ञान क्षुधा तृप्त करने के लिए लोग आते रहते थे, आज उसी माटी के लोग शिक्षा ग्रहण करने के लिए देश के दूसरे राज्यों के शिक्षण संस्थानों में भटक रहे हैं। मेरा स्पष्ट अभिमत है कि देश के सर्वोच्च नीति नियंताओं की नीयत में खोट, दूरदर्शितापूर्ण नीतियों का अभाव और शिक्षा के ईमानदारी से विकेंद्रीकरण न करने के कारण इस तरह की जलालत और जहालत भरी परिस्थितियां उत्पन्न हुईं।

देश के हर नागरिक को दुनिया की सबसे बेहतर गुणवत्तापरक और आधुनिक शिक्षा उसकी भाषायी परिसीमा, जनपदीय चौहद्दी, आंचलिक आंगन और क्षेत्रीय चहारदीवारी के भीतर प्राप्त होनी चाहिए। देश के सर्वोच्च नीति नियंताओं की शिक्षा के प्रति उदासीनता, कामचलाऊ नजरिया और ईमानदारी से शिक्षा का विकेंद्रीकरण न कर पाने के कारण पूरे पूर्वांचल और बिहार में शिक्षा के लिए छात्रों और नौजवानों में यह भटकाव देखने को मिलता है। आज पूर्वांचल और बिहार के लोगों को उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा के लिए अपने घर से हजारों मील दूर जाना पड़ता है। इस देश का बेहतर भविष्य चाहने वाले नेताओं को बेहतर शिक्षा केंद्रों के विस्तार और विकेंद्रीकरण पर सारी संकीर्णताओं का परित्याग कर विचार करना चाहिए।

इस दिशा में स्वर्गीय राजीव गांधी द्वारा देश के हर जनपद में नवोदय विद्यालय स्थापित करने की पहल शिक्षा के विकेंद्रीकरण की तरफ ठोस और सकारात्मक और क्रांतिकारी कदम था। इसी तर्ज पर पढ़ने वाले विद्यार्थियो की संख्या को ध्यान में रखकर पूर्वांचल और बिहार में भारतीय उच्च शिक्षा के शिक्षण संस्थानों, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) और भारतीय प्रबन्धन संस्थान (IIM) पर्याप्त मात्रा में स्थापित करने चाहिए। यहां यह भी ध्यान देने लायक है कि देश सेवा, समाज सेवा और जन सेवा का हवाला देकर राजनीति करने वाले राजनीतिक सूरमा अपनी औलादों को इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया, जर्मनी और अन्य यूरोपीय देशों में पढने के लिए भेजकर इस देश की महान ज्ञान परंपरा के साथ ही साथ समानता जैसे पवित्र संवैधानिक मूल्यों का भी अपमान करते हैं।

जिन पंचवर्षीय योजनाओं द्वारा देश के विकास के लिए शानदार विकास की योजनाएं, परियोजनाएं बनाई और चलाई गईं और यह सत्य है कि इन विकास योजनाओं द्वारा देश ने विकास के क्षेत्र में कई कीर्तिमान स्थापित किए, परंतु यह समग्र और संतुलित नहीं रहा। देश के नीति निर्माताओं द्वारा हर बार पंचवर्षीय योजनाओं की उद्घोषणाओं में बार-बार यह उल्लेख किया जाता रहा कि देश का समग्र सर्वांगीण और संतुलित विकास शासन सत्ता का संकल्प है।

सोशल फोरम

सुंदरता क्या है?

मानव सभ्यता के आरंभ से ही एक प्रश्न बार-बार उठता रहा है, सुंदरता क्या है? क्या यह केवल चेहरे की कोमलता है? अनुपात और संतुलन है? या यह कोई ऐसा भाव है जो दिल में उठता है और शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता? यह प्रश्न गुफाओं की चित्रकला से लेकर आधुनिक कला दीर्घाओं तक हर युग को उलझाता रहा है।

डॉ. सत्यजीत साहू

ब्लॉगर

प्लेटो के लिए सुंदरता सत्य और भलाई का प्रतिबिंब थी, जबकि अरस्तू ने इसे संतुलन और अनुपात से जोड़ा। मध्ययुगीन संतों ने कहा, सुंदरता वही है जो ईश्वर के निकट ले जाए। वहीं आधुनिक कलाकारों ने कहा, सुंदरता तो वही है जो आंखों और दिल को छू ले, चाहे वह परंपरागत मानदंडों से मेल खाए या नहीं। हर युग का अपना तर्क रहा और हर तर्क ने पिछले को चुनौती दी।

इको कहते हैं, सुंदरता का इतिहास एक सीधी रेखा नहीं, बल्कि एक बहुरंगी मोजेक है। यह किताब केवल कला और चित्रों की सूची नहीं, बल्कि एक दर्पण है, जिसमें इंसान की इच्छाएं, भय, आस्था और कल्पना झलकती है। सुंदरता कभी गणितीय रही, कभी आध्यात्मिक, कभी भावनात्मक और कभी विद्रोही।

सुंदरता केवल राजमहलों, कैथेड्रल या गैलरी तक सीमित नहीं रही। यह आम लोगों की वेशभूषा, संगीत, कविता और त्योहारों में भी रही। एक किसान के खेत में खिले फूल भी उतने ही सुंदर माने गए, जितना किसी कलाकार की उत्कृष्ट कृति। यानी सुंदरता केवल देखने की चीज नहीं, बल्कि जीने का अनुभव भी है।

इको पूछते हैं, "क्या सुंदरता का कोई सार्वभौमिक रूप है? या यह केवल नजर और समय पर निर्भर करता है?" इस किताब में वे हमें दिखाते हैं कि हर युग ने अलग-अलग जवाब दिए और शायद सुंदरता की यही बदलती परिभाषाएं उसकी सबसे बड़ी खूबसूरती हैं।

सुंदरता की परिभाषा का पहला व्यवस्थित रूप ग्रीस में ही उभरा। यह वह सभ्यता थी, जहां दार्शनिक, गणितज्ञ और कलाकार सबने मिलकर कहा, 'सुंदरता वही है जिसमें सामंजस्य और अनुपात हो।' यूनानी मूर्तियों को देखिए, देवताओं के शरीर इतने संतुलित कि मानो हर मांसपेशी गणितीय हिसाब से तराशी गई हो। प्लेटो ने कहा कि सुंदरता केवल आंखों से देखने की चीज़ नहीं, बल्कि सत्य और भलाई का प्रतिबिंब है। उनके अनुसार सुंदरता किसी आदर्श रूप (आइडियल फॉर्म) की झलक है, जो इस भौतिक दुनिया से परे है। यानी हम फूल को सुंदर मानते हैं, लेकिन वह केवल उस 'आदर्श सुंदरता' का प्रतिबिंब है, जो हमारे मन में बसी है।

सामयिकी

अजरबैजान का समर्थन भारत की बड़ी जीत

ऑपरेशन सिंदूर का मसला हो या कश्मीर का, अजरबैजान हर मौके पर पाकिस्तान के साथ खड़ा होता है और भारत को नीचा दिखाने की कोशिश करता है, लेकिन इसे भारत सरकार की कूटनीति ही कहेंगे कि अजरबैजान ने कॉन्फ्रेंस ऑन इंटरैक्शन एंड कॉन्फिडंस बिल्डिंग मेजर्स इन एशिया (सीआईसीए) की अध्यक्षता भारत को देने का समर्थन किया है। उसका यह कदम चीन के लिए बड़ा झटका है, क्योंकि सीआईसीए में चीन का दबदबा रहा है। चीनी नेतृत्व चाह रहा था कि अजरबैजान के बाद इस संगठन की अध्यक्षता का मौका उसे मिले, लेकिन अजरबैजान के रुख ने बाजी ही पलट दी है। अजरबैजान के प्रस्ताव को भारत से नजदीकी बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। भारत के कारण ही अजरबैजान को शंघाई सहयोग संगठन की सदस्यता नहीं मिल पाई थी, जबकि चीन ने इसके लिए पुरजोर प्रयास किया था।

डॉ. विकास शुक्ला

कानपुर

अजरबैजान और आर्मेनिया की दुश्मनी जगजाहिर है। आर्मेनिया भारत के करीब है। दोनों देश हर मंच पर एक-दूसरे के हितों का समर्थन करते हैं। यूरोप का छोटा सा देश आर्मेनिया भारत का सबसे बड़ा हथियार आयातक है। भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट वित्तीय वर्ष 2023-24 में अब तक के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जो 21,083 करोड़ रुपये के आसपास है। मौजूदा वित्तीय वर्ष 2024-25 की शुरुआत तक आर्मेनिया द्वारा भारत से हथियारों की कुल खरीद 600 मिलियन डॉलर तक पहुंच गई।

भारत ने आर्मेनिया को एंटी-टैंक गाइडेड रॉकेट, बुलेट-प्रूफ जैकेट, नाइट-विजन गॉगल्स, तोपखाने और गोला-बारूद, छोटे हथियार और उन्नत हथियार-लोकेटिंग रडार भी दिए हैं। पिनाका सिस्टम आर्मेनिया की तोपखाने की क्षमताओं को बढ़ाते हैं। इसके साथ ही कई तरह के उत्पाद हैं, जो भारत से आर्मेनिया को निर्यात किया जाता है। आर्मेनिया और भारत की करीबी की वजह से ही अजरबैजान भारत से नाराज रहता है और लगातार हर मंच पर भारत का विरोध करता है, हालांकि उसके विरोध की परवाह भारत ने कभी नहीं की। उल्टे कई मौकों पर भारत ने उसे झटके दिए। इसका असर है कि अब भारत के प्रति उसका नजरिया बदलने लगा है।

खास बात यह है कि अजरबैजान भारत की तरह ही एक धर्मनिरपेक्ष देश है और वह हर मौके पर भारत के खास मित्र इजराइल का समर्थन करता है। माना जा रहा है कि उसे भारत के करीब लाने में इजराइल की भूमिका अहम है। अजरबैजान चाहता है कि उसे किसी भी स्थिति में शंघाई सहयोग संगठन में शामिल किया जाए। चीन इसके लिए लगातार प्रयास भी करता रहा है, लेकिन भारत के विरोध के कारण ऐसा नहीं हो पा रहा है। भारत के कड़े रुख के बाद भी सीआईसीए फोरम में चीन की अनदेखी करने के अजरबैजान के फैसले से पूरी दुनिया चकित है और इसे भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत के रूप में देख रही है।

इस सीआईसीए फोरम में अफगानिस्तान, अजरबैजान, बहरीन, बांग्लादेश, कंबोडिया, चीन, ईरान, इराक, इजराइल, जॉर्डन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, मंगोलिया, पाकिस्तान, फिलिस्तीन, कोरिया, रूस, श्रीलंका, तजाकिस्तान, थाईलैंड, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात, वियतनाम और उज्बेकिस्तान सदस्य हैं। अजरबैजान चाहता है कि अगली बैठक भारत में हो और अध्यक्षता भारत करे। परंपरागत तौर पर चीन ही अब तक इसकी अध्यक्षता करता रहा है, हालांकि अजरबैजान इस बार अध्यक्ष है और उसने भारत का नाम प्रस्तावित कर दिया है। ऐसे में इस प्रस्ताव को कोई खारिज नहीं कर सकता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

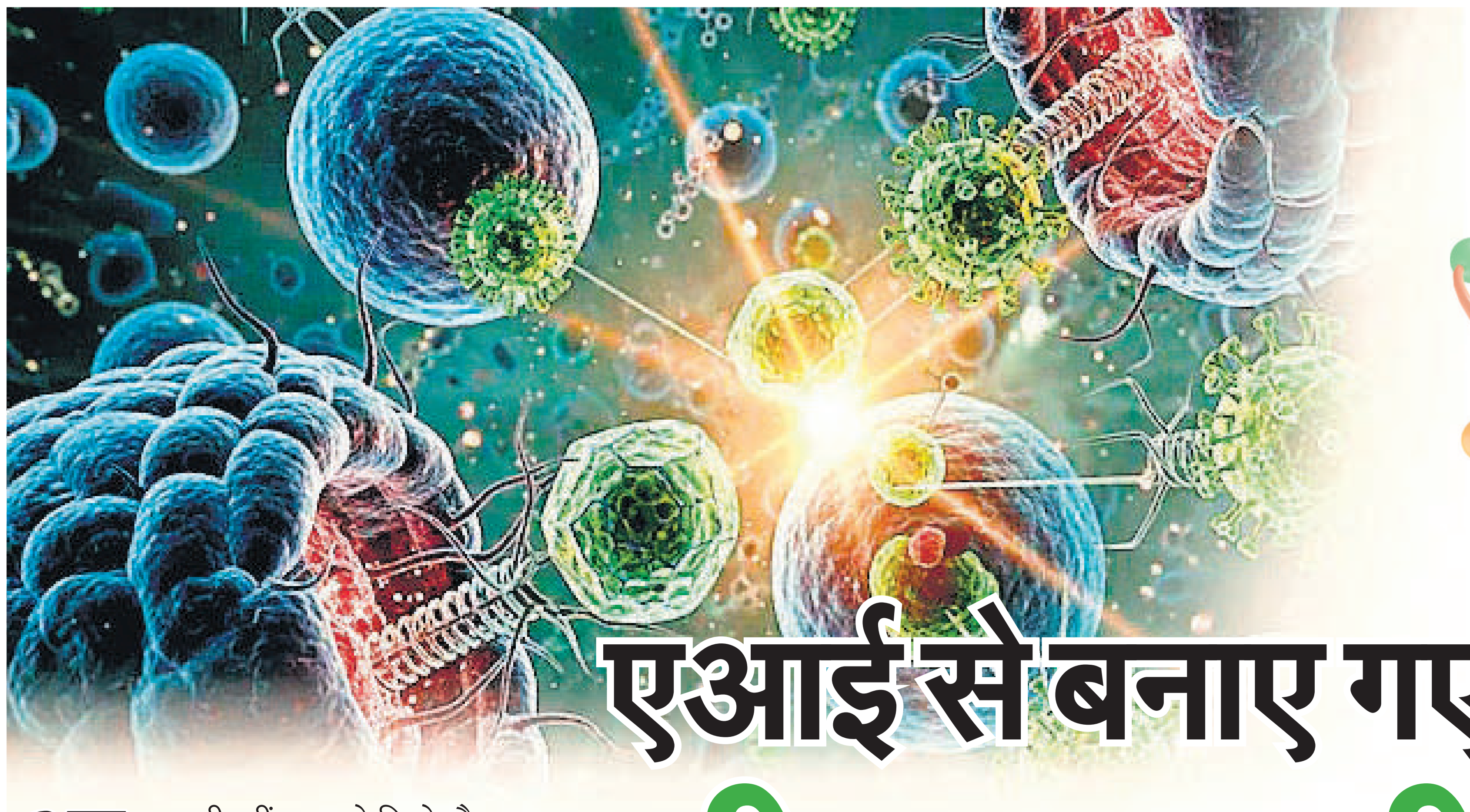

एआई से बनाए गए नए जीवाणुभक्षी वायरस

आमजन ही नहीं बहुत पढ़े-लिखे और बुद्धिजीवी भी खुद को इस बात से बिल्कुल बेखबर रखते हैं कि सिंथेटिक बायोलॉजी में शोधकार्य में लगे हुए बायोलॉजिस्ट्स अपनी प्रयोगशाला में क्या गुल खिला रहे हैं? इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग करते हुए उन्होंने नए तरह के विषाणुओं का सृजन किया है। अभी यह सब लैब और कम्प्यूटरों तक सीमित है, लेकिन कल की क्या खबर? इन नए विषाणुओं का बाद में एक प्रयोगशाला में परीक्षण किया गया था। इनमें से कुछ कृत्रिम बुद्धिमत्ता-निर्मित वायरस ने बैक्टीरिया को सफलतापूर्वक संक्रमित किया, जिससे यह साबित हुआ कि जनरेटिव कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल कार्यात्मक आनुवंशिक सामग्री उत्पन्न कर सकते हैं। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय और पालो ऑल्टो स्थित आर्क इंस्टीट्यूट के शोधकर्ताओं ने इस उपलब्धि को पूर्ण जीनोम का पहला जनरेटिव डिजाइन बताया।

रणबीर सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

एमआईटी टेक्नोलॉजी रिव्यू का हवाला देते हुए, एनवाईयू लैंगोन हेल्थ के जीवविज्ञानी जेफ बोके ने इसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता डिजाइन किए गए जीवन रूपों की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। एमआईटी टेक्नोलॉजी रिव्यू के अंक ऑनलाइन, फुल टेक्स्ट पीडीएफ, फ्री उपलब्ध हैं, जिसे कोई भी एक्सेस करके डाउनलोड कर सकता है। इस टेक्नोलॉजी के अनेक पहलुओं और इसके संभावित दुरुपयोग के बारे में भी विश्व के अग्रणी विज्ञान जर्नल्स में बहुत समय से शोध लेख और टिप्पणियां प्रकाशित हो रही हैं। बोके ने बताया कि वायरस ने प्राकृतिक संस्करणों की तुलना में एआई से कृत्रिम नए जीन, छोटे जीन अर्थात वायरल सब-यूनिट्स भी बना सकते हैं। वायरस के भीतर नाभिक नहीं होता और न ही इसमें डीएनए होता है। इसमें समझने वाली बात है कि वायरल प्रोटीन्स, जिनसे एक विषाणु की रचना होती है और जिसके ऊपरी आवरण पर स्पाइक्स जैसे रिसेप्टर या ग्राही होती हैं, जो सभी काम करते हैं अर्थात बड़े, होस्ट जीव में प्रवेश करके इसके टिश्यूज की कोशिकाओं में प्रवेश करते हैं और अपनी संख्या बढ़ाकर कोशिका की संरचना पर कब्जा कर इसकी तोड़-फोड़ करते हैं। जब कोई वायरस कण अपने मेजबान से स्वतंत्र होता है, तो वह एक वायरल जीनोम या आनुवंशिक पदार्थ से बना होता है, जो कैप्सिड नामक एक प्रोटीन आवरण के भीतर होता है। वायरस का लक्ष्य अपनी प्रतिकृति बनाता होता है। यह सब जानने के लिए प्रमुख विषाणुओं की रचना और वायरस-होस्ट संबंधों के बारे में अध्ययन करना होता है, जो एक जटिल शास्त्र है। बैक्टीरिया अर्थात जीवाणु कोशिकाओं में भी न्यूक्लियस या केंद्रक नहीं होता। इन्हें प्रोकैरियोट्स कहा जाता है, जिसका अर्थ है कि इनका आनुवंशिक पदार्थ किसी झिल्ली से घिरे केंद्रक में बंद नहीं होता। इसके बजाय इनका डीएनए न्यूक्लियॉइड नामक एक क्षेत्र में पाया जाता है, जो किसी झिल्ली से घिरा नहीं होता। इन दोनों सूक्ष्मजीवियों में बड़े प्राणियों से प्रतिक्रिया करने हेतु या चिपककर इसे अपना घर बनाने हेतु डीएनए बाइंडिंग प्रोटीन्स होती हैं। इस संबंध में हैजा या कॉलरा के जीवाणु को ही लें, जिसका बहुत अध्ययन किया गया है।

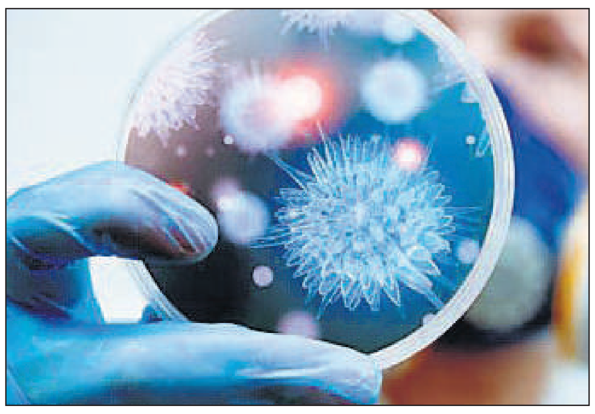

स्टैनफोर्ड टीम ने चैट-जीपीटी के समान एक बड़े भाषा मॉडल, इवो नामक अपने कृत्रिम बुद्धिमत्ता सिस्टम का उपयोग करके 302 पूर्ण जीनोम डिजाइन किए। फिर इनका परीक्षण ई-कोलाई जीवाणु प्रणालियों में किया गया। इनमें से 16 डिजाइनों ने बैक्टीरिया की प्रतिकृति बनाने और उन्हें मारने में सक्षम कार्यशील बैक्टीरियोफेज उत्पन्न किए। आर्क इंस्टीट्यूट लैब का नेतृत्व करने वाले ब्रायन ही ने उस अद्भुत क्षण को याद किया, जब लैब प्लेटो अर्थात पेट्री डिश के अवलोकन से स्पष्ट क्षेत्रों का खुलासा हुआ, जिसमें वायरस के हमले से बैक्टीरिया मर गए थे। अर्थात कृत्रिम विषाणु ने कुदरती विषाणु को मार दिया। यह वास्तव में आश्चर्यजनक है।

एआई को लगभग 20 लाख बैक्टीरियोफेज

एआई को लगभग 20 लाख बैक्टीरियोफेज अर्थात जीवाणुभक्षियों पर प्रशिक्षित किया गया था, जिसमें पीएचआई एक्स 174 जीवाणुभक्षी पर ध्यान केंद्रित किया गया था। यह 5000 बेस और 11 जीन वाला एक छोटा डीएनए वायरस है। आनुवंशिक पैटर्न और जीन क्रम का विश्लेषण करके, इस प्रणाली ने पूरी तरह से नए जीनोम प्रस्तावित किए हैं। सिंथेटिक बायोलॉजी के अग्रणी जे. क्रेग वेंटर ने इन कृत्रिम जीनोमों को धारण करने वाली कोशिकाओं के निर्माण में मदद की है। उन्होंने इस दृष्टिकोण को परीक्षण और त्रुटि प्रयोगों का एक तेजी से उभरता संस्करण बताया, यह समझाते हुए कि उनके पहले के काम में आनुवंशिक ज्ञान को मैन्युअल रूप से जोड़ना शामिल था। एआई निर्मित कृत्रिम विषाणुओं को एक खास प्रयोजन से बनाया गया है ताकि हम पारंपरिक और समयसाध्य प्रक्रियाओं को बाईपास करते हुए तेजी से ऐसी नई प्रोटीन संरचनाओं और जीनोम का डिजाइन कर पाएं, जिससे नई, असरदार की खोज में एआई का प्रयोग किया जा सके। दवा खोज, जैव प्रौद्योगिकी और जीवाणु संक्रमण के उपचार में इससे तेजी से काम किया जाना संभव हो सकता है। इस तकनीक का इस्तेमाल खेती और जीन थेरेपी तक हो सकता है।

इस माह तीन धूमकेतु गुजरेंगे पृथ्वी के करीब से

अक्टूबर का महीना धूमकेतुओं को निहारने और वैज्ञानिक खोज के लिहाज से खास होने जा रहा है, जो स्याह आसमान को रोशन करते प्रतीत होंगे। पृथ्वी के करीब आ रहे इन धूमकेतुओं के नाम 3 आई/एटलस, सी/2025 आर 2 स्वान व सी/2025 ए 6 लेमन है। सी/2025 ए 6 को नग्न आंखों से देखे जाने की संभावना वैज्ञानिकों ने जताई है।

बबलू चंद्रा
नैनीताल

यूं तो धूमकेतुओं को वर्ष में कई बार देखने का मौका मिलता है, लेकिन एक माह के दौरान तीन-तीन धूमकेतुओं को देखा जाना दुर्लभ खगोलीय घटना है। जिस कारण दुनियाभर के धूमकेतुओं पर अध्ययन करने वाले खगोलविदों के लिए यह महीना और भी खास होने जा रहा है। उम्मीद है कि इस बार धूमकेतुओं के कुछ नए रहस्य उजागर हो सकेंगे। इनमें सबसे अधिक चर्चाओं में धूमकेतु सी/2025 ए 6 लेमन है। इसके नग्न आंखों से देखे जाने की संभावना को लेकर खगोल प्रेमियों समेत वैज्ञानिकों की दूरबीनें अभी से इस पर टिकी हैं। यदि इसकी चमक की रंगत बढ़ी तो यह वर्ष के सर्वाधिक खूबसूरत धूमकेतुओं में शुमार हो जाएगा।

सौर मंडल के भीतर घुसा यह धूमकेतु

इन दिनों यह धूमकेतु पश्चिम के आकाश में सूर्यास्त के बाद देखा जा सकता है। इधर, दुर्लभ धूमकेतु 3 आई/एटलस पर नासा की नजर बनी है। दरअसल यह धूमकेतु हमारे सौरमंडल के बाहर का है, जो जबरन हमारे सौरमंडल के भीतर घुस आया है। नासा के अनुसार यह तीसरी बार है, जो बाहर से हमारे सौरमंडल में घुस आया है। इससे पहले सिर्फ दो पिंड ऐसे हैं, जो हमारे सौरमंडल में प्रवेश कर गए हैं। पृथ्वी के नजदीक आ रहे 3 आई/एटलस के पृथ्वी या किसी अन्य ग्रह से टकराने की आशंका से वैज्ञानिकों ने फिलहाल इंकार किया है। नासा की कई दूरबीनों से इसकी निगरानी की जा रही है। 3 आई/एटलस की खोज इसी वर्ष एक जुलाई को हुई थी। इसे बिना दूरबीन के देखा जाना संभव नहीं है। सी/2025 आर 2 (स्वान) को इन दिनों दूरबीन की मदद से देखा जा सकता है। इसे 20 अक्टूबर के आसपास आसमान में नग्न आंखों से देखे जाने की संभावना भी जताई जा रही है। बहरहाल इसके हमारे करीब आने के बाद ही वास्तविकता सामने आएगी। इस धूमकेतु की खोज पिछले माह 11 सितंबर को हुई थी।

धूमकेतुओं का मैराथन जैसा होगा अक्टूबर

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज), नैनीताल के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे बताते हैं कि धूमकेतुओं के लिए यह महीना मैराथन जैसा है। इस माह तीन धूमकेतु हमारे करीब से गुजरने जा रहे हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से यह महीना रोमांचक होने जा रहा है। धूमकेतुओं के बारे में कुछ नए रहस्यों का खुलासा हो सकता है। बहरहाल मौसम और आसमान के लिहाज से अक्टूबर खास माना जाता है, तो दुनिया के हर हिस्से से धूमकेतुओं पर नजर रहेगी।

विज्ञान फैक्ट

सोते समय हमें गंध क्यों नहीं लगती

मानव मस्तिष्क की कार्यप्रणाली हमेशा से वैज्ञानिकों के लिए जिज्ञासा का विषय रही है। विशेषकर नींद के दौरान हमारी इंद्रियों का काम करने का तरीका कई शोधों में परखा गया है। इसी दिशा में 2004 में अमेरिका के ब्राउन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने एक महत्वपूर्ण अध्ययन किया। इस प्रयोग में 20 से 25 वर्ष आयु वर्ग के 3 स्वस्थ पुरुषों और 3 स्वस्थ महिलाओं को शामिल किया गया। प्रतिभागियों को गहरी नींद में विभिन्न प्रकार के उत्तेजनाओं से जगाने का प्रयास किया गया। अध्ययन के दौरान पाया गया कि जब उन्हें तेज आवाज सुनाई गई, तो सभी लोग अचानक जाग गए, लेकिन जब उन्हें गंध दी गई, चाहे वह तेज हो या हल्की, उसका उनकी नींद पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। इससे शोधकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि सोते समय हमारी सुंघने की शक्ति लगभग निष्क्रिय हो जाती है, जबकि हमारी श्रवण-इंद्रिय सक्रिय बनी रहती है।

रोचक किस्सा

इल्या इवानोव

आप सोच रहे होंगे कि जैक पार्सन्स के कारनामों से ज्यादा पागलपन और क्या हो सकता है। हालांकि सोवियत जीव-विज्ञानी इल्या इवानोव ने उन्हें कड़ी टक्कर दी। 1924 में बोल्शेविक सरकार ने इवानोव को संकर मानव-वानर प्रजनन के उद्देश्य से देश छोड़ने की अनुमति दी। 1926 की गर्मियों में इवानोव, जो अब पेरिस में थे, ने नोरा नाम की एक चिम्पांजी में एक महिला का अंडाशय प्रत्यारोपित किया और उसे मानव शुक्राणु से निषेचित करने का प्रयास किया। उसी वर्ष नवंबर में, उन्होंने अफ्रीका की यात्रा की और तीन चिम्पांजी को और अधिक मानव शुक्राणुओं से निषेचित किया। फिर जब कोई भी चिम्पांजी गर्भवती नहीं हुई, तो उन्होंने रणनीति बदली और इसके बजाय ऐसी सोवियत महिलाओं को खोजने की कोशिश की, जो स्वेच्छा से चिम्पांजी के शुक्राणु से निषेचित होने को तैयार हों, जिसके लिए उन्होंने कम से कम पांच स्वयंसेवक जुटाए। हालांकि प्रयोग पूरी तरह से शुरू होने से पहले ही, वैज्ञानिकों को स्टालिनवादी तरीके से हटाने के कारण उन्हें कजाकिस्तान भेज दिया गया, जहां पहुंचने के दो साल के भीतर ही उनकी मृत्यु हो गई।

एपलाचियन वर्षावन: पूर्वी अमेरिका का जंगल

एपलाचियन वर्षावन पूर्वी अमेरिका में फैला हुआ है, जो एपलाचियन पर्वत श्रृंखला के साथ लगभग 3,50,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विस्तारित है। यह अपने अद्भुत जैव विविधता के लिए जाना जाता है। इसमें 2000 से अधिक पेड़ प्रजातियां और कई प्रकार के वन्यजीव पाए जाते हैं। इसमें काले भालू, सैलामैंडर और प्रवासी पक्षी शामिल हैं, जो जंगल में आश्रय, भोजन और प्रजनन के लिए निर्भर रहते हैं। जंगल की वनस्पतियां भी बेहद आकर्षक हैं। रॉडोडेंड्रोन की झाड़ियां घने और सुंदर फूलों वाले मार्ग बनाती हैं, जबकि प्राचीन हैमलोक के जंगल सदियों से यहां की शांति और सौंदर्य को बनाए रखते हैं। ये हरित क्षेत्र न केवल प्राकृतिक सुंदरता बढ़ाते हैं, बल्कि जल प्रवाह को नियंत्रित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एपलाचियन वर्षावन में कई विशिष्ट और संकटग्रस्त प्रजातियां भी पाई जाती हैं। इनमें लाल भेड़िया, जो दुनिया के सबसे संकटग्रस्त शिकारियों मंत से एक है और हेलबेंडर, एक विशाल सैलामैंडर, जो जंगल की साफ और तेज बहती नदियों में पाया जाता है, शामिल हैं। ये प्रजातियां जंगल की पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

यह जंगल केवल पारिस्थितिकी का अद्भुत स्थल ही नहीं है, बल्कि इसका सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व भी अत्यधिक है। चेरोकी और लंबी जैसी आदिवासी समुदाय यहां सदियों से रहते आए हैं। इन समुदायों और जंगल के बीच का रिश्ता आज भी जीवित है। साथ ही एपलाचियन वर्षावन कटाई, आक्रामक प्रजातियों और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। इस अद्वितीय जंगल की रक्षा और संरक्षण आवश्यक है ताकि इसकी पारिस्थितिकी, वन्यजीव और जल संसाधन आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रहें। एपलाचियन वर्षावन प्रकृति की ताकत और विविधता का जीवंत प्रतीक है।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	83,467.66	25,585.30
बढ़त	862.23	261.75
प्रतिशत में	1.04	1.03

सोना 1,31,600 प्रति 10 ग्राम
चांदी 1,84,000 प्रति किलो

अमृत विचार
लखनऊ, शुक्रवार, 17 अक्टूबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

अशोक लेलैंड को मिला 1,937 बस का ऑर्डर

नई दिल्ली। वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी अशोक लेलैंड को तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम से 1,937 बसों का ऑर्डर मिला है। अब तक कंपनी ने तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम को 21,000 बसों की आपूर्ति कर चुकी है। अशोक लेलैंड ने कहा कि प्रत्येक वाहन को नवीनतम एआईएस 153-मानकों के अनुरूप चेसिस प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है, जो भारत सरकार द्वारा निर्धारित नवीनतम सुरक्षा और प्रदर्शन मानकों का पालन करता है। अशोक लेलैंड की राष्ट्रीय बिक्री प्रमुख (एमएचसीवी) माधवी देशमुख ने कहा कि तमिलनाडु हमेशा से हमारे लिए महत्वपूर्ण बाजार रहा है और यह ऑर्डर हमारे ग्राहकों द्वारा अशोक लेलैंड की प्रौद्योगिकी और प्रदर्शन में रखे गए भरोसे का प्रमाण है।

रूबिकॉन रिसर्च 28% बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। दवा कंपनी रूबिकॉन रिसर्च लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 485 रुपये से 28% की बढ़त के साथ गुरुवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 27.85% की बढ़त के साथ 620.10 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। एनएसई पर 27.83% की तेजी के साथ 620 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 9,917.97 करोड़ रुपये रहा। रूबिकॉन रिसर्च लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को बोली के अंतिम दिन 103.90 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 1,377.5 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य दायरा 461-485 रुपये प्रति शेयर था।

केनरा रोबेको 5% की बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 266 रुपये के मुकाबले 5% से अधिक बढ़त के साथ गुरुवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई और एनएसई पर शेयर ने 5.35% चढ़कर 280.25 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 6,056.31 करोड़ रुपये रहा। केनरा रोबेको के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बोली के अंतिम दिन गत सोमवार को 9.74 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने 1,326 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 253-266 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया था।

दूसरे दिन सेंसेक्स 862, निफ्टी 262 अंक चढ़ा

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद के बीच वैश्विक बाजारों में रही तेजी

- विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से भी स्थानीय शेयर बाजार को मिला समर्थन

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार में तेजी का सिलसिला गुरुवार को भी जारी रहा और बीएसई सेंसेक्स 862 अंक चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी 25,585 अंक के स्तर पर पहुंच गया। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद के बीच वैश्विक बाजारों में तेजी से बाजार बढ़त में रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों के पूंजी प्रवाह से भी बाजार की तेजी को समर्थन मिला।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 862.23 अंक चढ़कर 83,467.66 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,010.05 अंक तक चढ़ा था। पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 261.75 अंक बढ़कर 25,585.30 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक में सबसे ज्यादा 2.67 प्रतिशत की तेजी आई। इसके अलावा टाइटन, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा मोटर्स और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, इटर्नल और इन्फोसिस के शेयर नुकसान में रहे। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों में 2,377 शेयर लाभ में रहे जबकि 1,810 शेयरों में गिरावट रही। वहीं 147 शेयर के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

आईएमएफ के भारतीय वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाए जाने से बाजार की धारणा हुई मजबूत

लेमन मार्केट्स डेस्क के शोध विश्लेषक गौरव गर्ग ने कहा कि भारतीय शेयर बाजारों में गुरुवार को बढ़त जारी रही। सेंसेक्स 900 अंक चढ़ा और निफ्टी चार महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। बैंक शेयरों में मजबूती और मजबूत वैश्विक संकेतों से यह बढ़त हासिल हुई। उन्होंने कहा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और आईएमएफ द्वारा भारत की वृद्धि दर के अनुमान (वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 6.6 प्रतिशत) को बढ़ाए जाने से बाजार धारणा मजबूत हुई। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि सकारात्मक वैश्विक संकेतों और भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता को लेकर नई उम्मीद बंधने से उत्साहित घरेलू शेयर बाजारों ने अपनी बढ़त को जारी रखा। वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में मांग में सुधार की उम्मीद, एफआईआई निवेश के शुरुआती संकेत, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नरम नीतिगत टिप्पणियों और डॉलर सूचकांक में नरमी से बाजार धारणा को और बल मिला। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल आज व्यापार वार्ता के लिए अमेरिका में भारतीय प्रतिनिधिमंडल से जुड़ेंगे। भारत ने अमेरिका से ऊर्जा आयात बढ़ाने का संकेत दिया है। भारतीय टीम व्यापार वार्ता के लिए पहले ही वाशिंगटन में है।

डीआईआई ने 4,650.08 करोड़ के शेयर खरीदे

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.57 प्रतिशत बढ़कर 62.26 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 68.64 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 4,650.08 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सेंसेक्स बुधवार को 575.45 अंक के लाभ में रहा था जबकि निफ्टी में 178.05 अंक की तेजी रही थी।

स्मॉलकैप और मिडकैप में भी दिखी तेजी

छोटी कंपनियों का बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 0.47 प्रतिशत और मझोली कंपनियों से जुड़ा मिडकैप 0.29 प्रतिशत चढ़ा। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी 2.49 प्रतिशत, जापान का निक्की 1.27 प्रतिशत और चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.10 प्रतिशत चढ़ा। हांगकांग का हैंग सेंग नुकसान में रहा। यूरोपीय बाजारों में दोपहर कारोबार में तेजी का रुख रहा। बुधवार को अमेरिकी बाजारों में ज्यादातर बढ़त के साथ बंद हुए।

दिवाली से पहले सोने में उछाल

आभूषण के बजाय छड़ और सिक्के खरीद रहे हैं ग्राहक

मुंबई, एजेंसी

- एमसीएक्स में दिन में सोने की कीमत 1,28,395 रुपये प्रति 10 ग्राम रही

व्यापारियों ने गुरुवार को कहा कि दिवाली और शादी के मौसम से पहले सोने की कीमतें अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर हैं, लेकिन इससे उपभोक्ता मांग में कोई कमी नहीं आई है। हालांकि, कई लोग आभूषणों की बजाय ठोस सर्राफा को तरजीह दे रहे हैं।

एमसीएक्स में दिन में सोने की कीमत 1,28,395 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। मुंबई के प्रसिद्ध झावेरी बाजार में उम्मेदलाल तिलोकचंद झावेरी ज्वेलर्स के मालिक वृषांक जैन ने कहा कि सोने की कीमतें हर दिन बढ़ रही हैं और लोग इस पर नज़र रख रहे हैं और निवेश के लिए आ रहे हैं। आभूषणों की मांग धीमी हुई है, लेकिन लोग सोने की छड़ें और सिक्के खरीद रहे हैं। इस त्योहारी मौसम और शादी के मौसम से पहले हम सोने और चांदी की छड़ों की काफी मांग देख रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई खरीदार अग्रिम बुकिंग या सोने के सिक्के खरीदकर मौजूदा कीमतों पर ही खरीदारी कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें आने वाले दिनों में सोने और चांदी की कीमतों में और तेज़ी आने की उम्मीद है। जैन ने कहा कि उपभोक्ता अक्सर सोने को एक दीर्घकालिक निवेश के रूप में देखते हैं और भारत में इसका गहरा सांस्कृतिक महत्व भी है क्योंकि धनतेरस जैसे त्योहारों और शादियों जैसे अवसरों पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है। झावेरी बाज़ार में आए एक ग्राहक देवरस भाई परमार ने जैन की बात से सहमति जताई। परमार ने कहा कि दिवाली के दौरान सोना खरीदना शुभ माना जाता है और यह एक निवेश है। आपात स्थिति में हम सोने के बदले नकद प्राप्त कर सकते हैं... मेरे परिवार में हर दिवाली पर सोना खरीदने की परंपरा रही है।

इन्फोसिस का लाभ 13% बढ़कर 7,364 करोड़ पर

नई दिल्ली, एजेंसी

सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस का चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 13.2% बढ़कर 7,364 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 6,506 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था। इन्फोसिस ने गुरुवार को शेयर बाजारों को जुलाई-सितंबर 2025 तिमाही के वित्तीय नतीजों की सूचना दी।

वित्त वर्ष 2025-26 की सितंबर तिमाही में इन्फोसिस की परिचालन आय 8.6 प्रतिशत बढ़कर 44,490 करोड़ रुपये हो गई। एक साल पहले की समान अवधि में उसकी परिचालन आय 40,986 करोड़ रुपये थी। इसके साथ ही कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने वृद्धि पूर्वानुमान की निचली सीमा को बढ़ाकर दो-तीन प्रतिशत करने की घोषणा की। जून तिमाही में यह सीमा एक-तीन प्रतिशत निर्धारित की गई थी।

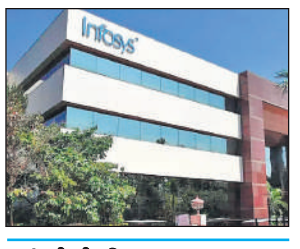

- कंपनी की परिचालन आय 8.6% बढ़कर 44,490 करोड़ रुपये

आलोच्य अवधि में कंपनी का परिचालन मार्जिन सालाना और तिमाही आधार दोनों में 21 प्रतिशत पर स्थिर रहा। इस दौरान इन्फोसिस का मुक्त नकदी प्रवाह शुद्ध लाभ का 131 प्रतिशत रहा जो 9,677 करोड़ रुपये के बराबर है। बड़े सौदों का कुल अनुबंध मूल्य (टीसीवी) 3.1 अरब डॉलर यानी लगभग 27,525 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने इस तिमाही में कर्मचारियों की संख्या 8,203 बढ़ाकर 3,31,991 कर दी जो जून तिमाही के अंत में 3,23,788 थी। इसके साथ ही इन्फोसिस ने अपने शेयरधारकों के लिए प्रति शेयर 23 रुपये का अंतरिम लाभांश घोषित किया जो पिछले वर्ष की तुलना में 9.5 प्रतिशत अधिक है।

यूरोप ने की चीनी पर चालबाजी, भारत को 18 हजार करोड़ का झटका

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- बीबीएयू के रसायन शास्त्री प्रो. कमान सिंह ने किया दावा

अमृत विचार: विश्व में सर्वाधिक चीनी उत्पादन और खपत करने वाला देश भारत है। विश्व बाजार में भारतीय चीनी को दोयम दर्जा का साबित कर गत 20 वर्षो से अधिक समय से प्रतिबंधित कर दिया गया। अमेरिका और यूरोपीय संघ के देशों ने विश्व व्यापार संगठन की आड़ लेकर भारतीय चीनी के पीएच वैल्यू पर सवाल खडे किए। जिसके परिणाम स्वरुप भारतीय चीनी का विदेशों में होने वाला निर्यात प्रभावित होता रहा है और देश को अरबों रुपए के राजस्व का नुकसान उठाना पड़ा है। यह कहना है बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र के प्रोफेसर डॉ. कमान सिंह का जो भारतीय चीनी की लड़ाई वैश्विक स्तर पर जीत चुके हैं।

प्रो. सिंह ने अपने प्रयोगों से वैश्विक स्तर पर साबित कर दिया है कि भारतीय चीनी पूरी तरह वैज्ञानिक आधार पर सही है, बल्कि यूरोप और अन्य देशों के मुकाबले अधिक गुणवत्ता पूर्ण है। प्रो. सिंह कहते हैं कि करीब दो दशकों की लड़ाई के बाद इंटरनेशनल कमीशन फार यूनिफार्म मेथड आफ सुगर एनालिसिस ने इसे स्वीकार कर लिया है। जिसके बाद भारत विदेशों में अपने गुणवत्ता पूर्ण चीनी के दावों के साथ निर्यात आरंभ कर सकता है। प्रो. कमान सिंह बताते हें कि भारत में करीब 270 से 280 लाख टन चीनी का उत्पादन होता है। वह बताते हैं कि औसत 4,300 रुपए से 4500 रुपए प्रति क्वींटल चीनी बेचा जाता है। जबकि यूरोपीय यूनियन ने भारतीय चीनी को हतोत्साहित करने के लिए पीएच वैल्यू का बहाना करके इसे 3500 रुपए पर बेचने का दबाव बनाया। वह बताते हैं कि 60 लाख टन चीनी की खपत प्रति वर्ष देश में होती है। यदि बाकी चीनी को अंतरराष्ट्रीय बाजार में निर्यात किया जाए तो प्रति वर्ष 700 करोड़ का राजस्व लाभ होगा। जबकि गत 2002 से अबतक लगभग 17,500 करोड़ से अधिक का नुकसान देश को हो चुका है।

विदेशी कोल्ड ड्रिंक कंपनियों ने भी नहीं लिया चीनी

भारत में कारोबार कर करोड़ों का मुनाफा कमाने वाली कोल्ड ड्रिंक कंपनियो ने भी भारतीय चीनी लेने से इंकार कर दिया। उन्होंने यूरोप के फैलाए हुए झूठ का सहारा लेते भारतीय किसानों का करोड़ों रुपए का नुकसान किया है।

कैसे की गई साजिश

अंतरराष्ट्रीय बाजार में गुणवत्ता निर्धारण के लिए 7 पीएच वैल्यू अपनाया गया है। किन्तु वैज्ञानिक ढंग से इसका पीएच 6.4 ही होना चाहिए। गुणवत्ता निर्धारण के लिए 7 पीएच मान रख देने पर चीनी का रंग सफेद नही रहता है और यह दोयम दर्जे की चीनी के रूप में दिखेगी। यह अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक साजिश के तहत किया गया, जिससे भारत अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा न कर सके।

ईसी से अंतिम सूची में सुधार की अपेक्षा

बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर की कवायद को आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में बताया सटीक

- आयोग बोला- अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद किसी मतदाता ने अपील नहीं की

नई दिल्ली, एजेंसी

निर्वाचन आयोग (ईसी) ने गुरुवार को बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद को 'सटीक' बताते हुए सुप्रीम कोर्ट से कहा कि याचिकाकर्ता राजनीतिक दल और गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) केवल इस प्रक्रिया को बदनाम करने के लिए झूठे आरोप लगाकर संतुष्ट हैं। आयोग ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद से नाम हटाने के खिलाफ किसी मतदाता ने अपील दायर नहीं की है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर रैलियों के कारण राजनीतिक दलों के सुनवाई से अनुपस्थित रहने का संज्ञान लेते हुए कहा कि वह निर्वाचन आयोग से अपेक्षा करता है कि वह बिहार में एसआईआर के बाद तैयार की गई अंतिम मतदाता सूची में टाइपिंग संबंधी त्रुटियों और अन्य गलतियों की एक जिम्मेदार प्राधिकार के रूप में जांच करे और सुधारात्मक उपाय प्रस्तुत करे।

बिहार में एसआईआर कराने के आयोग के 24 जून के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करने का अनुरोध करते हुए आयोग ने कहा कि याचिकाकर्ताओं के 'छिपे हुए इरादे' हैं और वे राजनीतिक दलों के चुनावी हितों के लिए एसआईआर प्रक्रिया, अंतिम मतदाता सूची और आयोग को बदनाम करने के लिए केवल 'झूठे आरोप' लगाकर संतुष्ट हैं।

आयोग ने कहा कि बूथ स्तरीय एजेंटों (बीएलए) की नियुक्ति को छोड़ दें तो राजनीतिक दलों ने यह सुनिश्चित करने में कोई योगदान नहीं दिया कि पात्र मतदाताओं को अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाए।

यमन में भारतीय नर्स की फांसी पर रोक, कोई प्रतिकूल कार्रवाई नहीं

सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया गया कि यमन में हत्या के जुर्म में मृत्युदंड पाने वाली भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की फांसी पर रोक लगा दी गई है और कोई प्रतिकूल कार्रवाई नहीं हो रही है। केंद्र की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ को बताया कि इस मामले में एक नया मध्यस्थ सामने आया है। पीठ ने पूछा कि फांसी का क्या हुआ? याचिकाकर्ता संगठन 'सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल' के वकील ने बताया कि फिलहाल फांसी पर रोक लगा दी गई है। यह संगठन प्रिया को कानूनी सहायता प्रदान कर रहा है। वेंकटरमणी ने कहा कि एक नया मध्यस्थ सामने आया है। एकमात्र अच्छी बात यह है कि कुछ भी प्रतिकूल नहीं हो रहा है। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि मामले की सुनवाई स्थगित की जा सकती है। पीठ ने कहा कि इसे जनवरी 2026 में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करें। यदि परिस्थिति की मांग हो, तो पक्षकारों के लिए शीघ्र सुनवाई के लिए आवेदन करने का विकल्प खुला रहेगा।

ऑनलाइन जुए पर देशव्यापी प्रतिबंध लगाने के अनुरोध पर होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने जवाबदेही और प्रणालीगत परिवर्तन केंद्र (सीएएससी) द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति व्यक्त की, जिसमें केंद्र सरकार को ऐसे ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी मंचों पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया है, जो सामाजिक और ई-स्पोर्ट्स गेम्स की आड़ में चल रहे हैं। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने गुरुवार को सीएएससी के वकील विराग गुप्ता की दलीलों पर गौर किया और 17 अक्टूबर को याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई। याचिका में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी, सूचना एवं प्रसारण, वित्त एवं युवा मामले और खेल मंत्रालयों को ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम, 2025 के प्रचार और विनियमन के प्रावधानों तथा राज्य विधानसभाओं द्वारा बनाए कानूनों की सामंजस्यपूर्ण व्याख्या के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया गया है, ताकि सामाजिक और ई-स्पोर्ट्स गेम की आड़ में ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी के खेल पर रोक लगाई जा सके।

पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण संबंधी तेलंगाना की याचिका खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों को 42% आरक्षण देने संबंधी सरकारी आदेश पर रोक लगाने के हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने तेलंगाना हाईकोर्ट के नौ अक्टूबर के आदेश के खिलाफ दायर राज्य की याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने सरकारी आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी। पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण बढ़ाने के सरकारी आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राज्य को चार सप्ताह में अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। कुछ याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट में कहा था कि 42% आरक्षण देने से निकायों में ये 67% होता है। यह न्यायालय द्वारा तय 50% आरक्षण की सीमा का उल्लंघन है।

ममता पर अवमानना कार्यवाही की याचिका वापस लेने की दी अनुमति

सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में दिए गए फैसले पर प. बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा की कथित टिप्पणी को लेकर उनके खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू करने का अनुरोध करने वाली याचिका गुरुवार को वापस लेने की अनुमति दे दी। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ को सूचित किया गया कि अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने मुख्यमंत्री के खिलाफ आपराधिक अवमानना शुरू करने की सहमति नहीं दी है। तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने प. बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) द्वारा आयोजित 2016 की भर्ती प्रक्रिया को अमान्य करार देने के कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा था। मुख्यमंत्री ने फैसले की आलोचना करते हुए कुछ टिप्पणियां की थीं।

पायलट के पिता विमान दुर्घटना की न्यायिक जांच के लिए पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

एयर इंडिया के दिवंगत कैप्टन सुमित सभरवाल के पिता पुष्करराज और भारतीय पायलट संघ ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है और 12 जून को अहमदाबाद में एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई 171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के मामले की जांच शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में कराने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। इस हादसे में 260 लोग मारे गए थे। शीर्ष अदालत ने 22 सितंबर को कहा था कि दुर्घटना पर एएआईबी की रिपोर्ट के कुछ पहलुओं से पायलटों की चूक के संकेत मिले है।

भगोड़ों को वापस लाने को निश्चित प्रणाली जरूरी

- केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने राज्यों से अंतर्राष्ट्रीय स्तर की जेल कोठरी बनाने का किया आग्रह

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि आर्थिक और साइबर अपराधियों, आतंकी गतिविधियों में शामिल लोगों और अन्य भगोड़ों के प्रति कठोर रवैया अपनाना चाहिए ताकि उन्हें भारतीय न्याय प्रणाली के दायरे में लाया जा सके। सीबीआई द्वारा आयोजित भगोड़ों का प्रत्यर्पण - चुनौतियां और रणनीतियां विषय पर सम्मेलन को शाह ने संबोधित किया।

शाह ने सभी राज्यों से एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर की जेल कोठरी स्थापित करने का आग्रह किया ताकि विदेशी अदालतों में भगोड़ों द्वारा दी जाने वाली निम्न स्तर की जेल की दलीलों को खारिज किया जा सके। उन्होंने कहा कि न केवल भ्रष्टाचार, अपराध और आतंकवाद के विरुद्ध, बल्कि भारत के बाहर से सक्रिय अपराधियों के विरुद्ध भी कतई बर्दाश्त नहीं करने का दृष्टिकोण अपनाया जाना चाहिए।

सीबीआई के आयोजित सम्मेलन में एक महिला अधिकारी को सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक प्रदान करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

उन्होंने कहा कि सभी भगोड़ों को कानून के दायरे में लाने और इसके लिए निश्चित तंत्र स्थापित करने के प्रयास किए जाने चाहिए। चाहे वे आर्थिक अपराधी हों, साइबर अपराधी हों, आतंकवादी गतिविधियों में शामिल हों या संगठित अपराध नेटवर्क का हिस्सा हों, प्रत्येक भगोड़े के विरुद्ध कठोर रवैया अपनाया जाना चाहिए ताकि उन्हें भारतीय न्याय प्रणाली के समक्ष लाया जा सके। इसके लिए समय आ गया है। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने इसके लिए अचूक उपाय किए हैं ताकि कोई भी अपराधी कानून की पकड़ से बच न पाए। भारत न केवल सीमाओं की सुरक्षा के लिए, बल्कि कानून को भी मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

इंटरपोल से नोटिस जारी कराने का समय कम हुआ : सीबीआई

नई दिल्ली। सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद ने कहा कि किसी भगोड़े को हिरासत में लेने के लिए इंटरपोल से रेड नोटिस जारी करने के अनुरोधों पर कार्रवाई का समय औसतन 14 से घटकर तीन महीने रह गया है। सूद ने कहा कि वर्तमान में एजेंसियों के पास इंटरपोल नोटिस जारी करने के केवल आठ प्रस्ताव लंबित हैं, जिनमें सबसे पुराना प्रस्ताव एक महीने पहले का है। भगोड़ों के खिलाफ इंटरपोल नोटिस प्राप्त करने में हाल की सफलताओं के बावजूद, अभी बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। भारत के विभिन्न देशों के पास 338 प्रत्यर्पण अनुरोध लंबित हैं। उन्होंने कहा कि अकेले इस वर्ष 35 भगोड़ों को भारत लाया गया है।

निर्वाचन आयोग ने मतदान के दौरान पर्दानशीं महिलाओं की पहचान के कदम का किया बचाव

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने मतदान केंद्रों पर पर्दानशीं महिलाओं को लेकर उठाए अपने कदम का बचाव करते हुए गुरुवार को कहा कि वह 1994 में लिए निर्णय को लागू कर रहा है, जब टीएन शेषन निर्वाचन आयोग के प्रमुख थे। कुछ विपक्षी दलों ने आयोग से बिहार के मतदान केंद्रों पर पर्दानशीं महिलाओं की पहचान सत्यापित करने के निर्देश को वापस लेने की मांग की है।

आयोग के प्रवक्ता ने कहा कि अक्टूबर 1994 में निर्वाचन आयोग ने मतदान केंद्रों पर पर्दानशीं महिला की पहचान को सम्मानजनक तरीका अपनाने का आदेश दिया था। यह आदेश 21 अक्टूबर 1994 को जारी हुआ था। आदेश में कहा गया था, केंद्र में पर्दानशीं महिलाओं की पहचान को अलग घेरा बनाया जाना चाहिए। 1994 में, आयोग ने रीति-रिवाजों के कारण महिला मतदाताओं के कम मतदान पर चिंता व्यक्त करते हुए यह आदेश दिया था। आयोग ने कहा कि केंद्रों पर पर्दानशीं महिला मतदाताओं की गरिमापूर्ण पहचान को विशेष व्यवस्था की जा रही है।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का बेहतरीन उदाहरण ऑपरेशन सिंदूर: राजनाथ

पुणे, एजेंसी

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को ऑपरेशन सिंदूर को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का बेहतरीन उदाहरण बताते हुए कहा कि इस मिशन के दौरान सशस्त्र बलों द्वारा इस्तेमाल किए अधिकतर उपकरण स्वदेशी थे। सिंह ने कहा कि भारत ने अब उस बाधा को तोड़ दिया जो आजादी के बाद से बनी थी और सरकार ने देश के भीतर हथियारों के निर्माण को जोर शोर से बढ़ावा दिया है।

उन्होंने कहा कि 10 वर्षों में रक्षा उत्पादन 46,000 करोड़ से बढ़कर 1.5 लाख करोड़ रुपये हो गया है। सरकार का लक्ष्य 2029 तक घरेलू रक्षा विनिर्माण को तीन लाख करोड़ और रक्षा निर्यात को 50,000 करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। केंद्रीय मंत्री ने पुणे में सिम्बायोसिस स्किल्स एंड प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के छठे दीक्षांत समारोह में कहा कि हमने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। शुरुआती दौर में मुश्किल था क्योंकि हम व्यवस्था को बदलने की कोशिश कर रहे थे। हमने देश में ही हथियारों के निर्माण को बढ़ावा दिया है। यह आसान नहीं था क्योंकि हम दूसरे देशों से हथियार खरीदने के आदी थे। न तो घरेलू स्तर पर हथियारों का उत्पादन करने की राजनीतिक इच्छाशक्ति थी और न ही रक्षा निर्माण को बढ़ाने के लिए कोई कानूनी ढांचा था।

पुणे में एक विवि के छठे दीक्षांत समारोह में शामिल रक्षामंत्री राजनाथ सिंह व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस।

रूस के ताबड़तोड़ मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद अंधेरे में डूबा पूरा यूक्रेन

ऊर्जा संयंत्रों पर निशाना, कीव में भी बिजली गुल, जेलेंस्की ने ट्रंप से मांगी मदद

कीव, एजेंसी

रूस ने बुधवार रात यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों पर सैकड़ों ड्रोन और दर्जनों मिसाइलों से हमला किया। इन हमलों के बाद यूक्रेन के ज्यादातर हिस्सों में बिजली गुल हो गई और अंधेरा छा गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से और अधिक वायु रक्षा प्रणाली एवं लंबी दूरी की मिसाइलों की मांग की है। यूक्रेन की राष्ट्रीय ऊर्जा संचालक कंपनी यूक्रेनेर्गो के मुताबिक ड्रोन एवं मिसाइल हमलों के बाद आठ यूक्रेनी क्षेत्रों में बिजली काटनी पड़ी। देश की सबसे बड़ी निजी ऊर्जा कंपनी, डीटीईके ने राजधानी कीव में बिजली गुल होने की सूचना दी और कहा कि हमलों के कारण उसे मध्य पोल्टावा क्षेत्र में प्राकृतिक गैस निष्कर्षण रोकना पड़ा। जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने रात भर में यूक्रेन पर 300 से ज्यादा ड्रोन और 37 मिसाइलें दागीं। उन्होंने रूस पर क्लस्टर हथियारों का इस्तेमाल करने और ग्रिड की मरम्मत में लगे आपातकालीन कर्मचारियों एवं इंजीनियरों को निशाना बनाने के लिए एक ही लक्ष्य पर बार-बार हमले करने का आरोप लगाया।

नाटो पहल के जरिए यूक्रेन को ज्यादा मदद देगा नॉर्वे

ओस्लो। नॉर्वे की योजना यूक्रेन के लिए नाटो-समन्वित सहायता पैकेज में दो अरब नॉर्वेजियन क्रोनर (19.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर) प्रदान करना है। यह जानकारी नॉर्वे सरकार ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर ने कहा कि नॉर्डिक देश यूक्रेन के लिए रक्षा उपकरण सुरक्षित करने वाले पैकेज का वित्तपोषण करने के लिए यूरोपीय देशों के समूह में शामिल हो रहा है। कई यूरोपीय देश अमेरिका के नेतृत्व वाली नयी पहल, प्राथमिकता प्राप्त यूक्रेन आवश्यकता सूची (पीयूआरएल) के तहत योगदान का समन्वय कर रहे हैं। यह एक ऐसा कार्यक्रम है जिसके माध्यम से नाटो सहयोगी यूक्रेन के लिए सैन्य सहायता का वित्तपोषण सीधे अमेरिकी हथियार भंडार से करते हैं। इससे पहले नॉर्वे ने पीयूआरएल पैकेज में 1.5 अरब नॉर्वेजियन क्रोनर का योगदान दिया था। पीयूआरएल पहल को आधिकारिक रूप से 14 जुलाई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और नाटो महासचिव मार्क रूटे ने शुरू किया था।

गाजा युद्धविराम के बाद अब ट्रंप का जोर रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने पर

वाशिंगटन। इजराइल-हमास के बीच युद्धविराम समझौता होने के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अब वह रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। ट्रंप इस दिशा में रूस पर दबाव बढ़ाने के लिए यूक्रेन को लंबी दूरी की टॉमहॉक मिसाइल देने पर विचार कर रहे हैं ताकि मॉस्को को वार्ता के लिए राजी किया जा सके। ट्रंप ने अपने 2024 के चुनाव अभियान में यूक्रेन और गाजा के युद्धों को समाप्त कराने का वादा किया था और तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन की नीतियों की कड़ी आलोचना की थी। हालांकि, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से सीधे वार्ता कराने की उनकी कोशिशें अब तक नाकाम रही हैं। गाजा में युद्धविराम के बाद ट्रंप ने कहा कि अब उन्हें उम्मीद है कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने की दिशा में भी प्रगति होगी।

बांग्लादेश : अपदस्थ प्रधानमंत्री हसीना के लिए मृत्युदंड की मांग

- अभियोजन पक्ष ने लगाया मानवता के क्रूर अपराधों का आरोप

ढाका। बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के मुख्य लोग अभियोजक ने पिछले सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान हुई मौतों के लिए बृहस्पतिवार को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मृत्युदंड देने की मांग की।

उन्होने आरोप लगाया कि पिछले वर्ष बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों के दौरान मानवता के खिलाफ किए गए अपराधों की हसीना मास्टरमाइंड और प्रमुख सूत्रधार थीं। हसीना (78) के खिलाफ बांग्लादेश में कई मुकदमे चल रहे हैं। पिछले साल अगस्त में देश में बड़े पैमाने पर छात्र आंदोलन के बाद उन्हें सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल 15 जुलाई से 15 अगस्त के बीच हसीना सरकार द्वारा प्रदर्शनकारियों पर की गई कार्रवाई के दौरान 1,400 लोग मारे गए थे।

हमास ने दो बंदियों के अवशेष इजराइल भेजे

गाजा सिटी। हमास ने दो और मृत बंधकों के अवशेष प्राप्त किए हैं, जिनकी पहचान इजराइली नागरिक इनबार हैमन और मुहम्मद अल-अतरश के रूप में हुई है। बुधवार रात उनके शव दो ताबूतों में इजराइल भेज दिए। हिब्रू मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार दोनों ताबूतों को रेड क्रॉस ने गाजा सिटी में हमास से एकत्र किया था, फिर एक बाहरी सीमावर्ती क्षेत्र में इजराइली रक्षा बल के सैनिकों को सौंप दिया, जिन्होंने उन्हें गाजा पट्टी से बाहर निकाला और उनके परिवारों को दे दिया।

अमेरिका: कर्मचारियों की बर्खास्तगी पर रोक

सैन फ्रांसिस्को। अमेरिका की एक संघीय न्यायाधीश ने ट्रंप प्रशासन को शटडाउन के दौरान संघीय कर्मचारियों को बर्खास्त करने से अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। कैलिफोर्निया के उत्तरी जिले की न्यायाधीश सुज़ैन यवोन इल्स्टन ने बुधवार को अस्थायी रोक का आदेश जारी करते हुए कहा कि ये गतिविधियां कानून के विपरीत हैं। यह निषेधाज्ञा प्रशासन द्वारा कर्मचारियों की संख्या में कमी लाने के लिए 4,000 से ज्यादा संघीय कर्मचारियों को नोटिस जारी करने के कुछ ही दिनों बाद आई है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा0, मंडल रेल प्रबंधक हज़रतगंज, लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

1.	ई-निविदा सूचना सं0	1186-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता- उत्तर रेलवे- लखनऊ-तृतीय कॉल दिनांक- 16.10.2025
2.	कार्य का नाम	लखनऊ मंडल के अंतर्गत विभिन्न रेलवे कॉलोनियों में स्थित विभिन्न प्रकार के रेलवे आवासों की विधुत परिसंपत्तियों की मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य।
3.	अनुमानित लागत	रु. 1,01,91,976.91/- (एक करोड़ एक लाख इक्यानवे हजार नौ सौ छिहत्तर रुपये एवं इक्यानवे पैसा)
4.	ई-निविदा की कीमत	शून्य
5.	बयाना राशि	रु. 2,01,000/- (दो लाख एक हजार रुपये मात्र)
6.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	12 माह।
7.	ई-निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि	दिनांक 11.11.2025 को 15:00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15:00 बजे के बाद वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/सा0, उत्तर रेलवे, हज़रतगंज, लखनऊ के कार्यालय में।
8.	प्रस्ताव की वैधता	ई-निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन।
9.	उत्तर रेलवे की वेबसाइट	अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर चेक की जा सकती है।

नं. 1186-वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता - उत्तर रेलवे - लखनऊ-तृतीय कॉल दिनांक- 16.10.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3206/25

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना सं. 47/2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते हैः-

क्रम सं.-1, कार्य का विवरणः विलासपुर रोड-रूद्रपुर सिटी अनुभाग के मध्य डब्ल्यू-बीम मेटल क्रैश बैरियर फेन्सिंग का शेष कार्य। (स्वीकृत कार्य के अन्तर्गत रूद्रपुर सिटी-रामपुर अनुभाग के मध्य 130 किमी/घंटा की गति बढ़ाने तक के मद्देनजर सेफ्टी फेन्सिंग (88.12 किमी.) का प्रावधान। अनुमानित लागत रूपयों मेंः ₹ 9,05,07,593.65, बयाना राशि रूपयों मेंः ₹ 6,02,500/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः 06 माह। **क्रम सं.-2,** कार्य का विवरणः इज्जतनगर मंडल में समइं/काशीपुर के अधिकार क्षेत्र में लेवल क्रासिंग-सड़क, गेट लॉज आदि का रखरखाव। अनुमानित लागत रूपयों मेंः ₹ 74,10,380.40, बयाना राशि रूपयों मेंः ₹ 1,48,200/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः 12 माह। **क्रम सं.-3,** कार्य का विवरणः इज्जतनगर मंडल में समइं/पीलीभीत के अधिकार क्षेत्र में लेवल क्रासिंग-सड़क, गेट लॉज आदि का रखरखाव। अनुमानित लागत रूपयों मेंः ₹ 78,91,623.02, बयाना राशि रूपयों मेंः ₹ 1,57,800/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः 12 माह। **क्रम सं.-4,** कार्य का विवरणः **(1)** रामनगर स्टेशन पर लिनिन स्टोरेज, सफाई सामग्री एवं सुपरवाइजर रूम के साथ लालकुआँ स्टेशन पर लाउन्ड्री के लिये तेल भंडारण कक्ष का प्रावधान। **(2)** काठगोदाम स्टेशन पर बायो-टॉयलेट अपशिष्ट परीक्षण सुविधाओं के लिये कमरों का निर्माण। अनुमानित लागत रूपयों मेंः ₹ 48,30,648.94, बयाना राशि रूपयों मेंः ₹ 96,600/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः 06 माह। **क्रम सं.-5,** कार्य का विवरणः वमइं/I/इज्जतनगर के अधिकार क्षेत्र में पीलीभीत, रूद्रपुर सिटी एवं काठगोदाम अनुभाग में इज्जतनगर मंडल में समपारों पर ओवरहेड टैंक के साथ नल के पानी की आपूर्ति का प्रावधान। अनुमानित लागत रूपयों मेंः ₹ 73,95,145.19, बयाना राशि रूपयों मेंः ₹ 1,47,900/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः 06 माह। **क्रम सं.-6,** कार्य का विवरणः टनकपुर यार्ड, इसके पहुंच मार्गो एवं इज्जतनगर मंडल के समइं/पीलीभीत अनुभाग में विभिन्न स्थानों पर अतिक्रमण को रोकने के लिये बाउंड्री वॉल का निर्माण। अनुमानित लागत रूपयों मेंः ₹ 8,23,69,325.17, बयाना राशि रूपयों मेंः ₹ 5,61,900/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः 12 माह।

(1) ई-निविदा दिनांक **06-11-2025** को 15:00 बजे तक आनलाइन जमा कर सकेंगे।

(2) ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाईट *www.ireps.gov.in* पर देखें।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इन्जी.), इज्जतनगर

मुजाधि/डब्लू-297

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

आतंकवाद को बर्दाश्त न करें गुट निरपेक्ष आंदोलन के देश

कंपाला (युगांडा), एजेंसी

- विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कंपाला में चीन और पाकिस्तान पर साधा परोक्ष निशाना

भारत ने बृहस्पतिवार को गुटनिरपेक्ष आंदोलन (नाम) के सदस्य देशों से आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने का आह्वान किया और कहा कि जो भी इसे किसी भी रूप में प्रायोजित करता है और न्यायोचित ठहराता है या इस पर पर्दा डालने का काम करता है, आतंकवाद उलटा उसे ही नुकसान पहुंचाएगा।

यहां नाम की 19वीं मध्यावधि मंत्रिस्तरीय बैठक में भारत की ओर से वक्तव्य देते हुए विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि आतंकवाद एक साझा खतरा है जिसका समाधान केवल गहन अंतरराष्ट्रीय सहयोग से ही किया जा सकता है। उन्होंने कहा, दशकों से भारत बर्बरतापूर्वक किए गए सीमा पार आतंकवादी हमलों का शिकार रहा है, सबसे हालिया हमला 22 अप्रैल 2025 को हुआ, जब जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी गई। सिंह ने कहा कि इस आंदोलन का लगभग हर सदस्य आतंकवाद द्वारा उत्पन्न चुनौती से अवगत है और इसका मुकाबला करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पाकिस्तान का परोक्ष रूप से उल्लेख करते हुए कहा, हालांकि, यह अत्यंत खेद की बात है कि जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहलगाम आतंकवादी हमले पर विचार-विमर्श किया, तो एक सदस्य देश ने अपराधी (द रेजिस्टेंस फ्रंट) का बचाव करने के लिए इस हद तक प्रयास किया कि उसने उसके बारे में किसी भी सार्वजनिक उल्लेख को हटाने की मांग तक कर दी। पाकिस्तान के सदाबहार मित्र चीन का परोक्ष रूप से उल्लेख करते हुए सिंह ने कहा, दुर्भाग्य से हमारे पास एक और सदस्य देश है जो इस देश की कार्रवाई का बचाव करता है।

काबुल में जल्द ही खुलेगा भारतीय दूतावास

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में भारतीय दूतावास अगले कुछ दिनों में ही खुल जाएगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरूवार को यहां साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में इस बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि काबुल में जून 2022 से भारत का तकनीकी मिशन काम कर रहा है और अगले कुछ दिनों में इसकी जगह दूतावास खुल जाएगा। उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की हाल ही में संपन्न हुई यात्रा के दौरान भारत ने काबुल में दूतावास खोलने की घोषणा की थी। विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने मुत्ताकी के साथ वार्ता के दौरान भारत के इस निर्णय की जानकारी दी थी। भारत के इस महत्वपूर्ण कूटनीतिक कदम को अफगानिस्तान के साथ संबंधों के मजबूत होने के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। भारत ने अफगानिस्तान में अफगान तालिबान के सत्ता पर काबिज होने के बाद अपने काबुल स्थित दूतावास को बंद कर दिया था।

पाक पर काबुल में ड्रोन हमले का आरोप

इस्लमाबाद। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि पाकिस्तान ने एक दिन पहले काबुल में ड्रोन से दो हमले किए थे। बुधवार को किए गए ये हमले दोनों देशों द्वारा कई वर्षों में उनके बीच हुई सबसे भीषण झड़पों के बाद संघर्षविराम की घोषणा से ठीक पहले हुए। काबुल पुलिस प्रमुख के प्रवक्ता खालिद जदरान ने बताया कि शहर में पहला निशाना एक नागरिक का घर था, जबकि दूसरा एक बाजार था। एक अस्पताल के चिकित्सकों ने कहा था कि पांच लोग मारे गए हैं।

आवश्यकता है

दिव्य कृपाल महाविद्यालय गोसवा मल्लावाँ हरदोई में विज्ञान संकाय के अन्तर्गत बी0एस0सी0 पाठ्यक्रम में रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान, वनस्पतिविज्ञान, भौतिक विज्ञान व गणित में सात - सात पद, तथा परास्नातक भौतिक विज्ञान में -04 पद

योग्यता व वेतन यूजीसी व ल0वि0वि0 मानक के अनुसार।

आवेदन

divyakripalpgcollege@gmail-com

मो0-9161797179 पर भेजे।

प्रबंधक - श्री राकेश कुमार वर्मा

उ.प्र. पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लिमिटेड

UPPTCL

ई-निविदा सूचना दिनांक 15.10.2025

निविदा संख्या एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण

1. अति-अल्पकालिक ई-निविदा संख्या 14-वि0पा0 खं0 (प्र0) ल0 / 2025-26, विद्युत पारेषण खण्ड- I, लखनऊ के क्षेत्रान्तर्गत बिजनेस प्लान वर्ष 2025-26 के तहत 132 के0वी0 उपकेन्द्र एस0जी0पी0जी0आई0 पर भूमि के समतलीकरण सम्बन्धी कार्य। निविदा प्रपत्र शुल्क रू0 590.00 एवं धरोहर धनराशि रू0 2000.00 मात्र। 2. अति-अल्पकालिक ई-निविदा संख्या 15-वि0पा0खं0 (प्र0) ल0/2025-26, विद्युत पारेषण खण्ड I, लखनऊ के क्षेत्रान्तर्गत बिजनेस प्लान वर्ष 2025-26 के तहत 220 के0वी0 उपकेन्द्र हरदोई रोड पर अनुरक्षण सम्बन्धी कार्य हेतु विभिन्न प्रकार के मेल एवं फीमेल आर्म ऐसेम्बली, फीमेल कान्टेक्ट, रोटेटिंग हेड ऐसेम्बली की आपूर्ति। निविदा प्रपत्र शुल्क रू0 590.00 एवं धरोहर धनराशि रू0 2000.00 मात्र। ई-निविदा की अन्तिम तिथि-24.10.2025 समय 16:00 बजे। विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र वेबसाइट-http//etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। अग्रेतर समस्त सूचनाएँ बेबसाइट पर ही प्रदर्शित की जायेगी। **कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत पारेषण खण्ड-प्रथम, कमरा सं0 115-120, पारेषण भवन, विभूति खण्ड-II, निकट मन्त्री आवास, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (उ0प्र0) 'राष्ट्र हित में बिजली बचायें'**

पत्रांक: 1429/वि0पा0ख0.(प्र0)ल0/ई-निविदा दिनांक: 15.10.2025

कार्यालय नगरपालिका परिषद हाटा, (कुशीनगर)

पत्रांक - 521 (iii)/ न0पा0प0हाटा/ 2025-26 दिनांक - 09 अक्टूबर 2025

ई-निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका परिषद हाटा (कुशीनगर) में 15वां वित्त आयोग (सामान्य बुनियादी अनुदान)/राज्य वित्त की धनराशि से जनहित में विभिन्न निर्माण कार्यो हेतु पंजीकृत ठेकेदारों से ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा दिनांक-14.10.2025 से दिनांक -21.10.2025 तक आनलाईन बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दोपहर 12.00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती है। ई-निविदा के संबंध में निविदादाता कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। निविदा की टेक्निकल बिड दिनांक-24.10.2025 को पूर्वान्हन 12.00 बजे निविदा समिति के समक्ष खोली जायेगी।

अधिशासी अधिकारी
नगरपालिका परिषद हाटा
(कुशीनगर)

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/फ्रेट, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से सम्बंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ-उ०रे०-मण्डल- वाणिज्य/उ०रे०
नीलामी सूची सं०/ लौट सं०	MSS-LKO-AYC-PS-134-25-1 (Misc-Static-Services-Parcel Scanner)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	15.10.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	31.10.2025 at 10:00 hrs.
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	31.10.2025 at 10:30 hrs.
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है	E- Auction Module of www.ireps.gov.in

सं.: C/ParcelScanner/eauction/2025/SJK Date:- 15.10.2025 3201/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अश्विनी वैष्णव ने खातीपुरा रेलवे स्टेशन का दौरा किया

- यात्रियों की सुविधाएं बढ़ाने तथा आधुनिकीकरण पर दिया जोर

नई दिल्ली। रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को खातीपुरा रेलवे स्टेशन का दौरा किया। राजस्थान में यात्रियों की सुविधा बढ़ाने तथा आधुनिक और कुशल रेल सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण पहलों की शुरुआत की। ये पहल राज्य के रेल इंफ्रास्ट्रक्चर को रूपांतरित करने और यात्रियों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम हैं। अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्थान के 65 रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिए किए गए विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इनमें रामसर, सिवानी, लूनी, पृथ्वीराज पुर और भगत की कोठी जैसे स्टेशन शामिल हैं। इन सुधारों में प्रतीक्षालयों का आधुनिकीकरण, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता सुविधाएं, स्पष्ट साइनबोर्ड और दिव्यांगजन के अनुकूल इंतजाम शामिल हैं, जिससे स्टेशन और अधिक सुरक्षित, स्वच्छ और यात्रियों के अनुकूल बन गए है।

फ्रांस : सरकार बचाने में कामयाब रहे लेकोर्नू

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू के खिलाफ संसद में लाया गया अविश्वास प्रस्ताव बृहस्पतिवार को कुछ मतों के अंतर से विफल हो गया। यह अविश्वास प्रस्ताव लेकोर्नू की नई सरकार को गिराने के साथ फ्रांस को गहरे राजनीतिक संकट में धकेल सकता था।

नेशनल असेंबली में हुए इस मतदान से सियासी संकट से जूझ रहे लेकोर्नू की मौजूदा बाधा दूर हो गई है। उनकी अगली बड़ी चुनौती यूरोपीय संघ की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (फ्रांस) के लिए 2026 का बजट संसद के शक्तिशाली लेकिन गंभीर रूप से विभाजित निचले सदन से इस वर्ष के अंत से पहले पारित करवाना होगा। लेकोर्नू की सरकार के बचने से राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को नेशनल असेंबली को फिर से भंग करने और अचानक विधान सभा चुनाव कराने की तत्काल जरूरत भी नहीं पड़ेगी, जो एक खतरनाक विकल्प था। हालांकि इसके बारे में फ्रांसीसी नेता ने पहले ही संकेत दे दिया था कि अगर लेकोर्नू सत्ता से बाहर हो गए तो वह इस पर अमल कर सकते हैं।

पाकिस्तान में टीटीपी के 34 आतंकी मारे गए

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने कई अभियानों में प्रतिबंधित संगठन टीटीपी के 34 आतंकवादियों को मार गिराया। सेना ने बृहस्पतिवार को इसकी जानकारी दी। सेना की मीडिया शाखा, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर), ने एक बयान में कहा कि ये अभियान सोमवार और बुधवार के बीच प्रांत के विभिन्न हिस्सों में आतंकवादियों की कथित मौजूदगी के बाद चलाए गए। इसमें कहा गया है कि ये अभियान उत्तरी वजीरिस्तान, दक्षिणी वजीरिस्तान और बन्नू जिलों में चलाए गए।

कार्यालय, नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा, अम्बेडकरनगर।

पत्रांक - 284 /न0पं0कि0/2025-26 दिनांक-16.10.2025

सार्वजनिक सूचना

विषय - नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा क्षेत्रान्तर्गत/सटे ग्रामीण क्षेत्रों में कूड़ा प्रबन्धन/डम्पिंग हेतु अस्थाई भूमि अनुबन्ध पर लिये जाने के सम्बन्ध में।

एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा क्षेत्रान्तर्गत प्रतिदिन काफी मात्रा में कूड़ा एकत्रित होता है। जिसके निस्तारण हेतु नगर पंचायत में आवश्यक भूमि (डम्पिंग ग्राउण्ड) उपलब्ध न होने से कूड़े को निस्तारित करने में अत्यधिक समस्या आ रही है। नगर पंचायत का सीमा विस्तार भी किया जा चुका है, तथा विस्तारित क्षेत्रान्तर्गत भी कोई भूमि उक्त कार्य (डम्पिंग) हेतु उपलब्ध नहीं है। सीमा विस्तार के फलस्वरूप कूड़े की मात्रा भी अत्यधिक बढ़ गई है। जिसका प्रतिदिन निस्तारण किया जाना जनहित में अतिआवश्यक है। उल्लेखनीय है कि कूड़ा निस्तारण शासन की प्राथमिकता बिन्दुओं में से एक होने के कारण इसका त्वरित निराकरण कराया जाना है। भूमि की आवश्यकता के दृष्टिगत नगर पंचायत सीमा से सटे ग्रामीण क्षेत्रों में खतौनी धारक आबादी से लगभग 500 मी. की दूरी पर स्थित हो, तथा 05 बिस्वा से अधिक व 01 बीघा तक हो, तो नगर पंचायत अशरफपुर किछौछा के कार्यालय में अपनी-अपनी खतौनी के साथ प्रार्थना पत्र भूमि का किराया अंकित कर दिनांक 28.10.2025 तक सम्बन्धित पटल पर जमा कर दें, प्राप्त प्रार्थना पत्र का गठित समिति द्वारा जांच आख्या प्राप्त होने के उपरान्त उपयुक्त खतौनी धारक को अनुबन्ध के लिए पत्राचार कर अनुबन्ध की नियमानुसार कार्यवाही की जायेगा।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पंचायत अशरफपुर
किछौछा, अम्बेडकरनगर।

अमृत विचार क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैंने अपना नाम Zubeda से बदल कर SIRAJUL W/O SIDDIK रख लिया है अब से मुझे मेरे सभी अभिलेखों में इसी नाम को लिखा ,पढ़ा व समझा जाये। निवासी -189, Babaganj Ghughter Ghunghter, Barabanki , 225302

सूचना

मैंने अपना नाम MOHAMMAD SIDDIQ से बदल कर SIDDIK S/O ABDUL GAFFAR रख लिया है अब से मेरे सभी अभिलेखों में इसी नाम को लिखा, पढ़ा व समझा जाये। निवासी-189, Babaganj Ghughter Ghunghter, Barabanki, U.P.) 225302

सूचना

मैंने अपने पुत्र सुबूर आलम खां व उनसे जुड़े सभी लोगों के गलत आचरण के कारण उनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर सम्बन्ध विच्छेद कर लिए है। उनके किये कार्यो/ लेनदेन की जिम्मेदारी उनकी ही होगी। **शाहिद आलम पुत्र आलम शेर नजमा परवीन पत्नी शाहिद आलम 88/368 फ्लैट नं0 -104, प्रथमतल चमनगंज कानपुर**

Public Notice

I, ASHFAQUE AHMAD(Given Name) Holding Indian Passport number N8263939 issued at RIYADH on 31/05/2016 hereby announced to change my name as ASFAQUE(Given Name) AHMAD (Surname) for all the future purpose.

सूचना

मैं, अमन सिंह पुत्र राजेश सिंह, निवासी जसापुर, मंगलपुर, डाकघर मंगलपुर, जिला कानपुर देहात, उत्तर प्रदेश-209310, घोषणा करता हूँ कि मेरे सीबीएसई 10वीं कक्षा के शैक्षिक दस्तावेज़ों में, जिनका रोल नंबर 5079887/2015 है, मेरा नाम गलती से राठौर अमन सिंह लिख दिया गया है। मेरा वास्तविक नाम अमन सिंह है, और मेरे माता-पिता के नाम भी मेरे सीबीएसई 10वीं कक्षा के शैक्षिक दस्तावेज़ों में मेरी माँ का नाम राजेश सिंह और मेरे पिता का नाम सरला लिखा गया है। हालाँकि, मेरी माँ का वास्तविक नाम सरला है और मेरे पिता का नाम राजेश सिंह है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थनी शबाना परवीन उम्र 41 वर्ष पत्नी मो.उबैद खान मोहल्ला बारिया टोला रौनाही, तहसील सोहावल जिला अयोध्या की मूल निवासी है। प्रार्थनी के पुत्र मो.हैदर उबैद खान विद्यालय में कक्षा 10 का छात्र है। विद्यालय के अभिलेखों में त्रुटिवश मो. हैदर उबैद खान की माता का नाम शबाना परवीन की स्थान पर शबाना खान अंकित हो गया, जो गलत है।सभी सरकारी दस्तावेजों में प्रार्थनी का नाम शबाना परवीन है। प्रार्थनी को इसी नाम से पुत्र के विद्यालय अभिलेखों में भी इसी नाम से अंकित कर जाना और पहचाना जाये।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शपथी के पिता मुन्नालाल पुत्र छोटे लाल का चाल चलन ठीक नहीं है और इनकी सोचने समझने की क्षमता क्षीण हो चुकी है शपथी के पिता मुन्नालाल अगर किसी भी व्यक्ति को अपनी जमीन जायदाद मकान आदि चल अचल संपति का हिबानामा वसीयत मुख्तार खास बैनामा अथवा किसी प्रकार की लिखा पढ़ी करते है तो वह मान्य नहीं होगा अवैध माना जाय लिखाने वाले व्यक्ति की इसकी सारी जिम्मेदारी होगी। **विजय कुमार पुत्र मुन्नालाल ग्राम सिंधौरा तह0 मिल्कीपुर जिला अयोध्या।**

सूचना

मैं हिमांशी यादव पुत्री जय सिंह यादव निवासी ग्राम करमी, पोस्ट चन्दनपुर, जिला उन्नाव पिन - 229501 की हूं भारतीय जीवन बीमा निगम पॉलिसी संख्या- 215580104 में मेरा नाम कुमारी शैली देवी (KM- SHAILI DEVI) अंकित है, जबकि अन्य अभिलेखों में हिमांशी यादव (HIMANSHI YADAV) दर्ज है। ये दोनों ही नाम मेरे हैं। अतः मुझे दोनों ही नामों से जाना-पहचाना व माना जाए।

सूचना

मैंने अपने भाई यशपाल सिंह पुत्र रामनरेश सिंह के गलत आचरण एवं चाल चलन के चलते समस्त प्रकार के संबंध विच्छेद कर लिये है। उसके किसी भी कृत्य या लेनदेन से मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता या सरोकार नहीं होगा ,वह स्वयं जिम्मेदार होगा। **आशुतोष सिंह गौर पुत्र रामनरेश सिंह गौर, निवासी - नहर बाजार -अछल्दा -थाना - अछल्दा -तहसील - बिधूना --जिला -औरैया।**

सूचना

सूचित हो कि मैं जीवन बाबू पुत्र जगरूप सिंह, निवासी वार्ड नं0-7, अम्बेडकरनगर अकबरपुर तहसील अकबरपुर जनपद कानपुर देहात, मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरी पुत्री का नाम AKRTI तथा जन्मतिथि-05.10.2015 दर्ज है। जबकि पुत्री के आधार कार्ड सं0-3264 0482 2900 में पुत्री AKRATI व जन्मतिथि - 05.08.2014 दर्ज है जो कि सत्य व सही है। मेरी पुत्री का शुद्ध व सही नाम AKRATI व जन्मतिथि 05.08.2014 है। जिसे ही सही माना जाये।

> भारत एक विशाल देश है। वहां हर किसी को खेलने का मौका नहीं मिलता, हर कोई सफल नहीं हो पाता। अगर कोई खिलाड़ी टेस्ट टीम में जगह नहीं बना सकता, लेवल सी या लेवल डी का अनुबंध नहीं पा सकता, तो उसे बिग बैश लीग में खेलने से क्यों रोका जाए।
> -रवि शास्त्री

स्टेडियम

अमृत विचार
www.amritvichar.com
लखनऊ, शुक्रवार 17 अक्टूबर 2025

हाईलाइट

ओलंपिक चैंपियन तैराक एरियन टिटमस ने संन्यास लिया

ब्रिस्बेन : ओलंपिक चैंपियन एरियार्न टिटमस ने तैराकी से संन्यास लेने की घोषणा की है। जिससे ऑस्ट्रेलियाई खेल प्रशंसक हैरान हैं। ऑस्ट्रेलिया की चार बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता 25 वर्षीय टिटमस ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक खेलों के बाद ब्रेक ले लिया था, लेकिन उम्मीद की जा रही थी 2028 में लॉस एंजेलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों की तैयारी के लिए वह जल्दी ही प्रतिस्पर्धी तैराकी में वापसी करेंगी। टिटमस ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा मुझे तैराकी शुरू से पसंद रही है। जब मैं छोटी थी तब से यह मेरा जुनून रहा है, लेकिन मुझे लगता है कि मैंने इस खेल से कुछ समय दूर रहकर यह महसूस किया है कि मेरे जीवन में कुछ चीजें अब मेरे लिए तैराकी से थोड़ी अधिक महत्वपूर्ण हैं। और मुझे यह मंजूर है।

बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में तन्वी शर्मा चीन की सुन ली युआन के खिलाफ वापसी करती हुईं।

तन्वी और उन्नति ने किया शानदार प्रदर्शन

गुवाहाटी : भारत की उभरती हुई बैडमिंटन खिलाड़ियों तन्वी शर्मा और उन्नति हुड्डा ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बृहस्पतिवार को यहां अपने-अपने मुकाबले जीतकर बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियन लड़कियों के एकल वर्ग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जी दत्तु टीटी ने लड़कों के एकल वर्ग जबकि भव्य छाबड़ा और विशाखा टोप्पो ने मिश्रित युगल में अपने से बेहतर रैंकिंग वाले खिलाड़ियों को हराया जिससे नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में भारतीय खिलाड़ियों के लिए एक और अच्छा दिन रहा। तन्वी ने चीन की सुन ली युआन के खिलाफ दबदबा बनाते हुए 15-8, 15-5 से जीत दर्ज की।

उत्तर प्रदेश के बल्लेबाज माधव कौशिक आंध्र प्रदेश के खिलाफ डटे। अमृत विचार

रणजी ट्रॉफी: आंध्र प्रदेश का विशाल स्कोर, यूपी की सतर्क शुरुआत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- आंध्र प्रदेश की पारी 470 रनों पर समाप्त, भरत-रशीद के शतक से टीम मजबूत स्थिति में
- दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक यूपी टीम एक विकेट पर 73 रन पर, अभी 397 रन पीछे

अमृत विचार। ग्रीनपार्क स्टेडियम में खेले जा रहे रणजी ट्राफी मुकाबले के दूसरे दिन आंध्र प्रदेश की पारी 470 रनों पर समाप्त हुई। बल्लेबाज शिकर भरत 142 और शेख रशीद ने 136 रनों की शतकीय पारी से दूसरे दिन टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

500 रनों के योग की ओर बढ़ रहे आंध्र प्रदेश के बल्लेबाजों पर यूपी के गेंदबाजों ने अंकुश लगाया और मेहमान टीम के सात विकेट 181 रनों के भीतर झटककर अपनी टीम की वापसी कराई। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक यूपी टीम 29 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 73 रन बना चुकी है। क्रीज पर 31 रन के साथ माधव कौशिक और 17 रन पर आर्यन जुयाल खेल रहे हैं। पारी के लिहाज से अभी यूपी आंध्र प्रदेश से 397 रन पीछे है।

मुकाबले के दूसरे दिन गुरुवार को आंध्र प्रदेश ने 289 रनों से आगे पारी को बढ़ाया। अपने शतक से सिर्फ सात रन पीछे चल रहे बल्लेबाज रशीद और करन शिंदे ने संभलकर खेलते हुए पारी को 300 रनों के पार पहुंचाया। रशीद ने अपना शतक पूरा किया और दूसरे छोर पर खेल रहे करन 17 रन पर विप्रज की गेंद पर पगबाधा हुए। इसके बाद 22 रन पर रेवंत रेड्डी कप्तान करन शर्मा की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। दूसरे दिन लंच से पहले दो विकेट गिर जाने के बाद रशीद भी 136 रन पर पवेलियन लौटे। वह स्पिनर शिवम की गेंद पर विकेट के पीछे आर्यन जुयाल के हाथों कैच हुए। हालांकि इसके बाद अश्विन 20, केवी शशिकांत 8 रन पर विप्रज की गेंद पर लौटे। आंध्र प्रदेश का नौवां विकेट सौरभ कुमार के रूप में 31 रन पर गिरा। सौरभ को शिवम ने रन आउट किया। अंतिम ओवर में पृथ्वी ने 24 व स्टीफन ने 9 देकर आंध्र प्रदेश की पारी को 470 रनों पर पहुंचा दिया। स्टीफन रन लेने के चक्कर में विप्रराज के सधे थ्रो का शिकार हुए। इसके बाद आंध्र प्रदेश के 470 रनों के जवाब में उतरी यूपी टीम की शुरुआत ठीक नहीं रही। 25 के योग पर पहला विकेट अभिषेक गोस्वामी का 24 रन पर गिरा। अभिषेक केवी शशिकांत की गेंद पर रन आउट हुए। एक विकेट जल्दी गिर जाने के बाद माधव कौशिक 31 और उप कप्तान आर्यन जुयाल 17 रन के साथ संभलकर खेलते हुए 73 रन बना लिए हैं। अब तीसरे दिन का मुकाबला मैच का निर्णायक साबित हो सकता है।

विप्रज निगम की फिरकी में फंसे चार बल्लेबाज

कानपुर : रणजी मुकाबले पहले दिन एक विकेट लेने वाले स्पिनर विप्रज की फिरकी में दूसरे दिन आंध्र प्रदेश के बल्लेबाज फंसे। उन्होंने खिलाड़ियों को खुलकर नहीं खेलने दिया। विप्रज को शिवम व कप्तान करन का साथ मिला। 41 ओवर की गेंदबाजी में 136 रन देकर चार विकेट झटके। शिवम शर्मा ने 35 ओवर में एक और करन शर्मा ने 27 ओवर गेंदबाजी में 94 रन देकर एक विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलिया से टकराने पर्थ पहुंची भारतीय टीम

तीन वनडे और पांच टी-20 मैचों की होगी शृंखला, कोहली और रोहित के लिए दर्शकों में सबसे ज्यादा उत्साह

पर्थ, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में भारतीय कप्तान शुभमन गिल व विराट कोहली। एजेंसी

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा तथा नवनियुक्त कप्तान शुभमन गिल सहित भारतीय एकदिवसीय टीम 19 अक्टूबर से आस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की सीरीज के लिए गुरुवार को यहां पहुंच गई।

कोहली, रोहित और गिल के अलावा केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी तथा सहयोगी स्टाफ के कुछ सदस्य पहले बैच में यहां पहुंचे। मुख्य कोच गौतम गंभीर, स्पिनर कुलदीप यादव, ऑलराउंडर अक्षर पटेल और गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल तथा सहयोगी स्टाफ के अन्य सदस्य बुधवार को दिल्ली से शाम की उड़ान लेकर बाद में उनके साथ शामिल हुए।

वनडे सीरीज का पहला मैच यहां रविवार को खेला जाएगा। उसके बाद अगले दो मैच एडिलेड (23 अक्टूबर) और सिडनी (25 अक्टूबर) में खेले जाएंगे। इसके बाद 29 अक्टूबर से पांच मैचों की टी-20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज शुरू होगी। इस साल मार्च में भारत की चैंपियंस ट्रॉफी जीत के बाद रोहित और कोहली का यह पहला अंतर्राष्ट्रीय मैच होने के कारण इस सीरीज को लेकर काफी चर्चा हो रही है। माना जा रहा है कि यह सीरीज इन दोनों खिलाड़ियों के भविष्य को लेकर काफी महत्वपूर्ण है। यह दोनों पहले ही टेस्ट और टी-20 अंतर्राष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन माना जा रहा है कि वे कम से कम 2027 वनडे विश्व कप तक खेलना जारी रखना चाहते हैं। इन दोनों खिलाड़ियों को नए कप्तान गिल का समर्थन हासिल है जिनका मानना है कि उनका अनुभव वनडे टीम के लिए काफी मायने रखता है।

रोहित और कोहली के लिए केवल एक प्रारूप में खेलना चुनौतीपूर्ण होगा : वॉटसन

नई दिल्ली : ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा के लिए एकदिवसीय क्रिकेट में अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखना चुनौतीपूर्ण होगा। क्योंकि अब वे केवल एक ही प्रारूप में खेलते हैं। आधुनिक क्रिकेट में टी-20 का बोलबाला है जबकि भारत टेस्ट क्रिकेट भी खूब खेलता है, जिससे वनडे प्रारूप के लिए बहुत कम जगह बचती है। टी-20 और टेस्ट से संन्यास लेने वाले रोहित और कोहली फरवरी-मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अपना पहला मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली एक दिवसीय सीरीज में खेलेंगे। किसी खिलाड़ी के लिए एक प्रारूप के क्रिकेटर के रूप में अपनी लय को बरकरार रखना मुश्किल होता है। इसका एक उदाहरण भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन हैं, जो एकदिवसीय टीम में अपनी जगह बरकरार नहीं रख सके। वॉटसन ने कहा विराट और रोहित के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट का सिर्फ एक प्रारूप में खेलना चुनौती होगी।

अभ्यास के दौरान जमकर बहाया पसीना

पर्थ : सीनियर स्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा ने यहां पहुंचते ही जमकर अभ्यास किया और रविवार से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही एकदिवसीय सीरीज से पहले भारतीय टीम के पहले ट्रेनिंग सत्र के दौरान नेट्स पर काफी पसीना बहाया। सभी की निगाहें रोहित और कोहली पर है जो पिछली बार भारत के लिए फरवरी-मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान खेले थे और अब केवल 50 ओवर के प्रारूप में ही उपलब्ध हैं। दोनों पूर्व भारतीय कप्तान ने नेट्स में करीब 30 मिनट तक बल्लेबाजी की। रोहित को नेट्स में समय बिताने के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ लंबी बातचीत करते भी देखा गया। कोहली और रोहित दोनों ने इस साल की शुरुआत में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और पिछले साल बारबडोस में विश्व कप जीतने के बाद टी-20 अंतर्राष्ट्रीय करियर को अलविदा कहा था।

टी-20 विश्व कप के लिए 20 टीमें तय

दुबई : संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) बृहस्पतिवार को यहां आखिरी एशिया- ईएपी क्वालीफाइंग मैच में जापान को आठ विकेट से हराकर आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली 20वीं और आखिरी टीम बन गई। जापान की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 116 रन ही बना सकी।

यूएई ने केवल 12.1 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। यूएई ने ओमान में एशिया-पूर्वी एशिया-प्रशांत क्वालीफायर में शीर्ष तीन में जगह बनाकर विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया है। इस तरह वह नेपाल और ओमान के साथ शामिल हो गई है जिन्होंने बुधवार को अपनी जगह पक्की कर ली थी जिससे वैश्विक टूर्नामेंट के लिए 20 टीमों की अंतिम सूची पूरी हो गई। इस तरह टी-20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाली 20 टीम भारत, श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज, जिम्बाब्वे, अफगानिस्तान, यूएई, इटली, नीदरलैंड, नामीबिया, अमेरिका, कनाडा, आयरलैंड, नेपाल और ओमान हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को रौंदकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया

शतक लगाने के बाद जश्न मनातीं ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली। एजेंसी

विशाखापत्तम, एजेंसी

गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन के बाद सलामी बल्लेबाज और कप्तान एलिसा हीली के नाबाद शतक और फोएबे लिचफील्ड के साथ उनकी पहले विकेट की अटूट साझेदारी से महिला एकदिवसीय विश्व कप में बृहस्पतिवार को यहां बांग्लादेश को 10 विकेट से रौंद दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है।

बांग्लादेश के 199 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान हीली (नाबाद 113 रन, 77 गेंद, 20 चौके) और लिचफील्ड (नाबाद 84 रन, 72 गेंद, 12 चौके, एक छक्का) के बीच पहले विकेट की 202 रन की अटूट साझेदारी से 151 गेंद शेष रहते बिना विकेट खोए 202 रन बनाकर बेहद आसान जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया ने इससे पहले एलेना किंग (18 रन पर दो विकेट), जॉर्जिया वेयरहैम (22 रन पर दो विकेट), एनाबेल सदरलैंड (41 रन पर दो विकेट) और ऐशलेग गार्डनर (48 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी की बदौलत बांग्लादेश को नौ विकेट पर 198 रन पर रोक दिया। बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया की अनुशासित गेंदबाजी के सामने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। शोभना मोस्तरी ने एक छोर संभाले रखा और 80 गेंद में नौ चौकों की मदद से नाबाद 66 रन की पारी खेलते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। मोस्तरी की यह पारी महिला क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बांग्लादेश की किसी भी बल्लेबाज का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। सलामी बल्लेबाज रूबया हैदर ने भी 44 रन की उम्दा पारी खेली।

लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान एलिसा और लिचफील्ड ने ऑस्ट्रेलिया को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और बांग्लादेश को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

अंक तालिका

देश	मैच	जीत	हार	अनिर्णीत	अंक	रन रेट
ऑस्ट्रेलिया	5	4	0	1	9	1.818
इंग्लैंड	4	3	0	1	7	1.864
द.अफ्रीका	4	3	1	0	6	-0.618
भारत	4	2	2	0	4	0.682
न्यूजीलैंड	4	1	2	1	3	-0.245
बांग्लादेश	5	1	4	0	2	-0.676
श्रीलंका	4	0	2	2	2	-1.526
पाकिस्तान	4	0	3	1	1	-1.887

श्रीलंका -दक्षिण अफ्रीका मैच में मौसम बन सकता विलेन

कोलंबो, एजेंसी

समय : दोपहर 3 बजे से

अगर मौसम मेहरबान रहा तो श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका की टीमें शुक्रवार को यहां महिला एकदिवसीय विश्व कप के महत्वपूर्ण मुकाबले में एक-दूसरे के सामने कड़ी चुनौती पेश करने की कोशिश करेंगी।

आर प्रेमदासा स्टेडियम में पिछले दो मैच बारिश के कारण रद्द करने पड़े और शुक्रवार को भी बारिश और आंधी आने का अनुमान है। अगर बारिश नहीं आती है और यह मैच खेला जाता है तो श्रीलंका टूर्नामेंट की अपनी पहली जीत हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखना चाहेगा। श्रीलंका ने दो मैच रद्द होने के कारण अभी तक दो अंक हासिल किए हैं और वह चार मैचों के बाद अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर हैं। श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले मैच में बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया था, पर बारिश ने जीत हासिल करने की उसकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया था। उस मैच में श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू और नीलक्षिका सिल्वा ने अर्धशतक जमाए थे। श्रीलंका को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखना होगा।

मन शर्मा ने रचा इतिहास, ब्रॉड बर्पीज मैराथन में बनाया विश्व रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी

- विश्व की पहली ब्रॉड बर्पीज मैराथन पूरी की, जिसमें उन्होंने 42.195 किलोमीटर दूरी तय की

भारत के एथलीट और सामाजिक उद्देश्य से प्रेरित खिलाड़ी, मन शर्मा ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने विश्व की पहली ब्रॉड बर्पीज मैराथन पूरी की है, जिसमें उन्होंने 42.195 किलोमीटर की दूरी केवल ब्रॉड बर्पीज के माध्यम से नौ दिनों में जवाहरलाल नेहरू (जेएलएन) स्टेडियम में तय की।

इस असाधारण उपलब्धि को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन द्वारा एक नए विश्व रिकॉर्ड के रूप में मान्यता दी गई है। यह रिकॉर्ड पिछले 5.1 किलोमीटर के रिकॉर्ड से आठ गुना अधिक है, जिसे मन ने अपने मैराथन के पहले ही दिन पार कर लिया था। वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन के प्रतिनिधि इस अवसर पर मौजूद रहे और उन्होंने आधिकारिक रूप से मन शर्मा को विश्व रिकॉर्ड प्रमाणपत्र और पदक प्रदान किया, जो भारत के लिए वैश्विक मंच पर एक गौरवपूर्ण क्षण रहा।

ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के बाद अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए मन शर्मा ने कहा यह मेरे जीवन का सबसे चुनौतीपूर्ण और संतोषजनक अनुभव रहा है। जब मैंने इस यात्रा की शुरुआत की थी, मेरा एकमात्र लक्ष्य मानव सहनशक्ति की सीमाओं को पार करना और यह साबित करना था कि निरंतरता असंभव को संभव बना सकती है। हर बर्पी, हर किलोमीटर इस बात की याद दिलाता रहा कि असली ताकत सिर्फ शरीर में नहीं, बल्कि मन और दिल में होती है। मेरा यह रिकॉर्ड प्रयास केवल सहनशक्ति की परीक्षा नहीं था, बल्कि प्रभाव पैदा करने का एक प्रयास था - द वन फ्रेंड एनजीओ के लिए धन और जागरूकता जुटाने का, जो भारत भर में वंचित बच्चों को शिक्षा और सशक्तिकरण का अवसर प्रदान करता है। मैं खेल मंत्रालय, फिट इंडिया, अपनी टीम, अपने प्रायोजकों और हर समर्थक का गहराई से आभारी हूँ, जिन्होंने मेरे साथ खड़े रहकर यह सपना साकार किया।

उपलब्धि

शर्मा ने एशिया कप और स्मृति ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में किया था शानदार प्रदर्शन

अभिषेक और मंधाना सितंबर माह के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

दुबई, एजेंसी

भारत के स्टार सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और स्मृति मंधाना को क्रमशः एशिया कप और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद बृहस्पतिवार को सितंबर के लिए आईसीसी के महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

अभिषेक ने इस दौरान सात मैच में 44.85 के औसत और 200 के शानदार स्ट्राइक-रेट से 314 रन बनाए। एशिया कप में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' चुने गए 25 वर्षीय इस खिलाड़ी ने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में अब तक के अपने सर्वोधिक रेटिंग अंक भी हासिल किए। उन्होंने टीम के अपने साथी कुलदीप यादव और जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट को पछाड़कर महीने के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का गौरव पाया। अभिषेक ने कहा आईसीसी का यह पुरस्कार जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है और मुझे खुशी है कि यह मुझे कुछ महत्वपूर्ण मैचों के लिए मिला है जिनमें मेरी मदद से जीत संभव हो सकी। मुझे उस टीम का हिस्सा होने पर फक्र है जो सबसे कठिन परिस्थितियों में भी जीत दिला सकती है। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हमारा हालिया रिकॉर्ड हमारी बेहतरीन टीम संस्कृति और सकारात्मक सोच को दर्शाता है। वहीं मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया और तीन मैचों में 58, 117 और 125 रन बनाए। भारतीय महिला टीम की उप-कप्तान ने इस दौरान चार एकदिवसीय मैचों में 77 के औसत और 135.68 के स्ट्राइक रेट से 308 रन बनाए।

आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में भारत के अभियान की तैयारी में जुटी मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के दौरान किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज शतक लगाया, जब उन्होंने तीसरे मैच में सिर्फ़ 50 गेंदों पर शतक पूरा किया। दक्षिण अफ्रीका की तजमीन ब्रिट्स और पाकिस्तान की सिदरा अमीन भी इस पुरस्कार की दौड़ में शामिल थीं। मंधाना ने कहा इस तरह का सम्मान एक खिलाड़ी के रूप में आपको आगे बढ़ने और अच्छा करने के लिए प्रेरित करता है।

विदेशी लीग में खेलने से भारतीय खिलाड़ियों को अच्छा अनुभव मिलेगा : शास्त्री

सिडनी : भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने अधिक से अधिक भारतीय खिलाड़ियों को विदेशी लीग में खेलने की अनुमति देने की वकालत करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ खेलने से उन्हें अच्छा अनुभव मिलेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अभी अपनी सक्रिय खिलाड़ियों को विदेशी टी-20 लीग में खेलने की अनुमति नहीं देता। भारतीय क्रिकेटर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सहित घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने और बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करने के बाद ही विदेश में खेल सकते हैं। अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन हाल ही में बिग बैश लीग (बीबीएल) में शामिल होने वाले पहले शीर्ष भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने आगामी सत्र के लिए सिडनी थंडर के साथ अनुबंध किया है। शास्त्री ने विलो टॉक पॉडकास्ट पर कहा भारत एक विशाल देश है। वहां हर किसी को खेलने का मौका नहीं मिलता, हर कोई सफल नहीं हो पाता। अगर कोई खिलाड़ी टेस्ट टीम में जगह नहीं बना सकता, लेवल सी या लेवल डी का अनुबंध नहीं पा सकता, तो उसे बिग बैश लीग में खेलने से क्यों रोका जाए। उन्होंने कहा इन लीग में खेलने का अनुभव उनके लिए मददगार साबित होगा, जैसे आईपीएल ने कई युवा खिलाड़ियों की मदद की है, क्योंकि वे शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों के साथ खेलते हैं। वे दबाव को झेलना सीखते हैं। यहां आपको काफी कुछ सीखने को मिलता है।